फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 110 प्रभात जयपुर, शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Girl on the roadside curb

Mausi lifted the end of the heavy sari cloth and delivered a brutal, stinging slap across Gulab's cheek

Vasco da Gama Before the Samorim of Calicut

Wild Facts

10 Wild Animal Facts That Will Blow Your Mind

प. बंगाल में वामपंथी सरकार के 1970 के दिनों से ही वोटर लिस्ट में हेराफेरी चुनाव प्रक्रिया का अंग बन चुकी है

ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में कार फैक्ट्री के लिए भूमि अधिग्रहण को मुद्दा बनाकर वोटर लिस्ट की हेराफेरी की स्थापित व्यवस्था को बदल दिया था

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। सारी ज़िंदगी एक मज़बूत और आक्रामक राजनीतिक लड़ाकू रही ममता बनर्जी इस बार खुद को सम्भवतः कुछ मुश्किल स्थिति में महसूस कर रही हैं।

- अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ ममता बनर्जी ने लोकसभा में कई बार हल्ला किया था, पर, अब यही बांग्लादेशी उनकी वोटों की हेराफेरी के मुख्य आधार हैं।
- ममता बनर्जी के बाहुबली, जिनका चित्रण सोशल मीडिया पर बहुत विस्तार से देखा जा सकता है, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि विपक्ष को कोई मतदान न कर सके।
- इन बाहुबलियों को पूर्ण प्रशासनिक सहयोग मिलता है, इसीलिए ममता बनर्जी, बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी न हो सके, इसके लिए कुछ भी करना पड़े, करेंगी।
- एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने की संभावना से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी बेचैन होती जा रही है।

मतदाता सूची की जो गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया चल रही है, वह ममता बनर्जी की जीत की रणनीति को सीधे चुनौती दे रही है। उनके वोट बैंक के कई बड़े हिस्से अब उजागर होने और हटाए जाने के खतरे में हैं।

चुनाव परिणामों पर एसआईआर का संभावित असर देखते हुए, ममता बनर्जी अब पूरी ताकत से इस पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ आवाज़ उठा रही हैं और किसी तरह इसे रोकने के तरीके खोज रही हैं। लेकिन इसके लिये अब काफी देर हो चुकी है, क्योंकि एसआईआर प्रक्रिया गति पकड़ चुकी है और काफी प्रभावी तरीके से चल रही है।

पश्चिम बंगाल की मतदाता सूचियों में गड़बड़ियां 1970 के दशक के मध्य से सदैव ही होती रही हैं, जब से लैफ्ट फ्रंट ने बंगाल में चुनावी प्रक्रिया पर दबदबा बनाया था। ममता बनर्जी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारी आवाज़ बंद नहीं होगी'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। जम्मू और कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए.) ने आज दावा किया कि जम्मू में कश्मीर टाइम्स के दफ़्तर पर मारे गये छापे के दौरान एके-47 राइफ़लें और अन्य हथियार व गोलाबारूद बरामद किए गए, जबकि अख़बार के मालिकों ने इन आरोपों की निन्दा करते हुये इन्हें "डराने, बदनाम करने और अंततः चुप कराने की कोशिश" बताया।

अधिकारियों ने कहा कि अखबार और उसके संचालकों के खिलाफ दर्ज हुये एक केस के बाद, एसआईए की टीम ने अख़बार के दफ़्तर और कंप्यूटरों की

- कश्मीर टाइम्स ने समाचार पत्र के कार्यालय से हथियार बरामद होने के आरोप को बेबुनियाद बताया।

पूरी तलाशी ली। अधिकारियों ने कहा कि छापे में एजेंसी ने एके राइफ़लों के कारतूस, कुछ पिस्तौल के राउंड और हैंड ग्रेनेड के पिन सहित, इसी प्रकार की कई अन्य चीजें ज़ब्त कीं। उन्होंने कहा कि प्रकाशन के संचालकों से पूछताछ की जा सकती है।

कश्मीर टाइम्स प्रबंधन ने अखबार के जम्मू दफ़्तर पर छापे की कड़ी आलोचना की और राज्य-विरोधी गतिविधियों के आरोपों को एक स्वतंत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में आजमाये गये फार्मूले को यू.पी. में दोहराने की तैयारी में है भाजपा

यू.पी. के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो स्वयं कुर्मी हैं, को बिहार में 25 सीटों पर कुर्मी मतदाता का मन व सोच जानने के लिए छोड़ा गया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। 20 नवंबर को नीतीश कुमार की नई कैबिनेट के शपथ लेने के बाद यह साफ़ होता जा रहा है कि (जदयू) नेता और भाजपा, दोनों ने अपनी राजनीतिक रणनीति सिर्फ़ बिहार के लिए नहीं, बल्कि पड़ोस के बड़े चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश के लिए भी बहुत सोच-समझकर बनाई है। यूपी विधानसभा चुनाव अब सिर्फ़ 15 महीने दूर हैं और इन चुनावों ने भाजपा की दीर्घ अवधि की योजना को अभी से नया आकार देना शुरू कर दिया है।

- यू.पी. में कुर्मी जनसंख्या बिहार से दोगुनी है, पर, कुर्मी और ईबीसी सपा का वोट बैंक रहे हैं।
- भाजपा इस वोट बैंक को अपने पक्ष में जोड़ने के लिए कुर्मी/ईबीसी मुख्यमंत्री बनाने का सोच रही है।
- वैसे भी कहा जाता है कि अमित शाह व मोदी पूर्णतः खुश नहीं हैं, योगी आदित्यानाथ के काम करने के तरीके से।
- पंद्रह महीने बाद यू.पी. में भी विधानसभा चुनाव होंगे, पर, क्या आसानी से बिहार का सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला यू.पी. में लागू कर लेगी भाजपा।

पिछले एक साल से भाजपा ने अपने ज़्यादातर राजनीतिक संसाधन बिहार पर लगाए हुए थे और पार्टी, जरुरत पड़ने पर, अकेले लड़ने की स्थिति के लिए भी पूरी तरह तैयार थी। इसके साथ ही, पार्टी नेतृत्व को पूरा भरोसा था कि केन्द्र में मोदी सरकार से लगातार मिल रहे सहयोग को देखते हुए नीतीश कुमार अचानक अपनी राजनीतिक दिशा नहीं बदलेंगे।

एक अहम कदम उठाते हुये, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रचार अभियान के दौरान बिहार की जातीय गणित को करीब से देखने की ज़िम्मेदारी दी। बताया जाता है कि मौर्य, जो कुर्मी समुदाय के काफ़ी प्रभावशाली नेता माने जाते हैं, को लगभग 75 सीटों की निगरानी की ज़िम्मेदारी दी गई थी, जहाँ वे वोटर व्यवहार और ओबीसी मतदाताओं की चुनावी गतिविधियों और तौर -तरीकों की मॉनिटरिंग कर सकें।

उनकी तैनाती रणनीतिक थीः कुर्मी समुदाय, जो बिहार के ओबीसी वोटों का लगभग 9 से 10 प्रतिशत हिस्सा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरूर ने अपनी पुस्तकों में मोदी की काफी आलोचना की है

किताबों के अनुसार, मोदी ने प्रजातंत्रीय ढाँचे को कमज़ोर किया है व देश की इकॉनमी को हानि पहुँचा रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया भाषण की प्रशंसा करने के बाद, कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया है, खासकर केरल में, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन असली सवाल यह हैः कांग्रेस नेतृत्व थरूर पर कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहा है? क्या इसकी वजह यह है कि थरूर केरल की राजनीति में कांग्रेस की सेंटर-राइट स्पेस को बनाए रखने में मदद करते हैं? या फिर कांग्रेस उच्च नेतृत्व ऐसे समय में राज्य इकाई में खलबली नहीं मचाना चाहता, जब विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं।

- पर, हाल ही में उन्होंने मोदी को बधाई दी, उनके इकोनॉमिक सोच व सांस्कृतिक सामंजस्य बैठाने के लिए।
- पर, इस खुली प्रशंसा के बावजूद कांग्रेस थरूर पर अंकुश क्यों नहीं लगा पा रही, क्या थरूर केरल में कांग्रेस को सैंटर "राईट" जगह बनाने में मदद कर रहे हैं, अपने उद्गारों से।
- या कांग्रेस केरल में चुनाव के पहले पार्टी में कुछ उथल-पुथल नहीं होने देना चाहती, थरूर को निष्कासित करके।

थरूर की हालिया टिप्पणियाँ दिलचस्प विरोधाभास दिखाती हैं। अपनी किताबों में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला किया है, लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमज़ोर करने का आरोप लगाया, अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की बात कही, और उन पर स्वयं को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। लेकिन कई मौकों पर उन्होंने प्रधानमंत्री की प्रशंसा भी की है, जैसे विरासत संरक्षण और वैश्विक प्रतिष्ठा के मामले में। कुछ समय पहले उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा की भी तारीफ की थी।

थरूर ने राजनीति में "नैपो किड कल्चर" की आलोचना करके पार्टी के समर्पित नेताओं को भी नाराज़ कर दिया है, जिसे गांधी परिवार पर परोक्ष हमले के रूप में देखा गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पढ़े लिखे बुद्धिजीवी आतंकी ज्यादा खतरनाक होते हैं'

नई दिल्ली, 20 नवंबर। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में आज 2020 के उत्तर-पूर्व दिल्ली दंगों को देश की आजादी पर हमला और सरकार बदलने की सोची-समझी साजिश करार दिया और उमर खालिद, शरजील इमाम समेत, कई एक्टिविस्ट्स की जमानत याचिकाओं का गुरुवार को कड़ा विरोध

- दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगों के साजिशकर्ता की जमानत याचिका का विरोध किया।

किया। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास हुए धमाके का हवाला देते हुए कहा कि जब पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं, तो वे जमीनी कार्यकर्ताओं से कहीं ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लैपर्ड ने सिविल लाइंस में हड़कंप मचाया

गुरुवार की सुबह 9 बजे लैपर्ड मंत्री सुरेश रावत के घर व टाइनी ब्लॉसम्स स्कूल में घुसा

जयपुर, 20 नवम्बर। राजधानी के वीवीआईपी इलाके में गुरुवार सुबह लैपर्ड के आ जाने की सूचना पर हड़कंप मच गया, जिसके बाद जयपुर के पॉश इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। लैपर्ड आने की जानकारी लोगों को सुबह 9 बजे मिली। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मोबाइल के जरिए एक दूसरे को इस घटना की जानकारी दी और स्थानीय लोग अपने-अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद कर अंदर ही दुबके रहे। वहाँ स्थित स्कूलों में डर के चलते स्कूल प्रशासन ने छोटे-छोटे बच्चों को क्लास रुम में बंद कर दिया। लैपर्ड सुबह करीब 9 बजे सबसे पहले लेन नंबर 6 पर बने एक घर में घुसा और कुछ देर घूमने के बाद दीवार फांद कर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के सरकारी बंगले में देखा गया। इसके कुछ देर बाद चहलकदमी करते हुये, लैपर्ड टाइनी ब्लॉसम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में घुस गया। ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से बच्चों को क्लासरूम में बंद कर दिया गया।

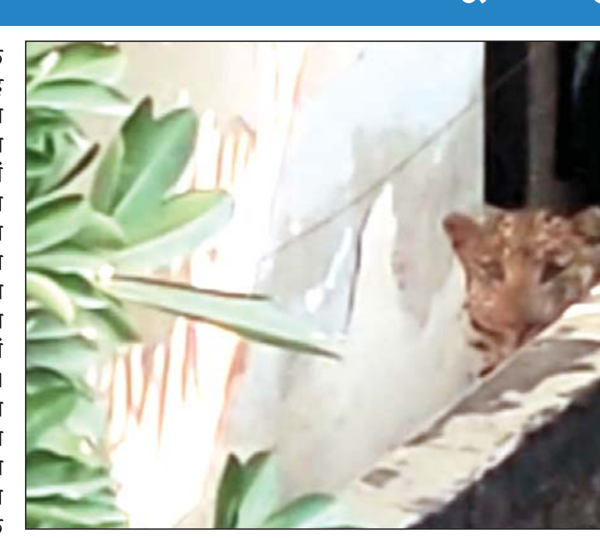

जयपुर के वीवीआईपी इलाके सिविल लाइंस में गुरुवार को घुसा लैपर्ड बंगलों की दीवार के पीछे छुपता रहा।

लैपर्ड इलाके के एक से दूसरे घर में दीवार फांदकर मूवमेंट करता रहा।

वीवीआईपी इलाके में लैपर्ड घुसने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। लेकिन वन विभाग की कार्रवाई के दौरान ऐसा लगा, जैसे वो इस कार्यवाही का आदी हो और बार-बार वन विभाग की टीम को गच्चा

- स्कूल प्रशासन ने छोटे बच्चों को क्लास रूम में बंद कर दिया। दो घंटे की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम लैपर्ड को ट्रैंकुलाइज़ कर पाई।

देकर अपनी जगह बदलता रहा। लेकिन वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद 11 बजे सिविल लाइंस की लेन - 6 से लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर लिया, जिसके बाद उसे झालाना रिजर्व ले जाया गया।

बताया जा रहा है कि वीवीआईपी इलाके सिविल लाइंस में राजभवन, सीएम आवास समेत, कई मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के सरकारी आवास हैं, जहां लेपर्ड की सूचना से हड़कम्प मचा रहा। दो घंटे बाद लेपर्ड को रेस्क्यू किए जाने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

पंजाब पुलिस ने लुधियाना में दो आतंकियों का एनकाउंटर किया

लुधियाना, 20 नवंबर। लुधियाना में पंजाब पुलिस ने दो आतंकियों का एनकाउंटर किया है, दोनों आतंकियों के तार आतंकी ग्रुप से जुड़े हुए हैं, जो पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का है।पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इन

- दोनों संदिग्ध लोग हैंड ग्रेनेड तय शुदा जगह फेंकने की फिराक में थे।

दोनों संदिग्ध लोगों को हैंड ग्रेनेड इकट्ठा करके तयशुदा जगहों पर फेंकने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने समय रहते इन्हें धर दबोचा है। पुलिस ने मौके से हैंड ग्रेनेड, कुछ पिस्तौल और कारतूस भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, एनकाउंटर की ये घटना लुधियाना शहर से बाहर लाडोवाल टोल प्लाजा के पास हुई। अगर पकड़े ना जाते तो ये दोनों आतंकी किसी बड़ी घटना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. उमर उन नबी धुरी थे उस वाइट कॉलर नेटवर्क के जिसने दिल्ली के आतंकवादी हादसे को अंजाम दिया था

डॉ. उमर के सहपाठी उन्हें शांत स्वभाव का पठनशील व्यक्ति ही मानते रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवंबर। लाल किले के पास हुए विनाशकारी कार विस्फोट की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, एक नाम इसके केन्द्र में उभरकर सामने आया हैः डॉ. उमर उन-नबी (कुछ रिपोर्टों में उमर मोहम्मद), एक कश्मीरी डॉक्टर, जिन पर अब भारतीय एजेंसियों ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक सॉफिस्टिकेटेड "वाइट-कॉलर" आतंकी मॉड्यूल का प्रमुख ऑपरेटिव होने का आरोप लगाया है।

सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लाल किले के पास जिस हुन्डई आई-20 कार में धमाका हुआ, उसे उमर ही चला रहे थे। जांचकर्ता इस घटना को किसी हादसे की तरह नहीं, बल्कि कार से किए गए सुसाइड अटैक की तरह देख रहे हैं। फोरेंसिक और डीएनए टीमें मलबे से मिले अवशेषों की पहचान की पुष्टि में लगी हैं।

डॉ. उमर दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ज़िले के कोइल गांव के रहने वाले हैं, जहां सुरक्षा बलों ने जांच के सिलसिले में उनका घर गिरा दिया। कई मीडिया स्रोतों के मुताबिक, उनका जन्म 24 फरवरी 1989 को हुआ था। वे उस पीढ़ी के पढ़े-लिखे कश्मीरियों में आते हैं, जिनकी प्रोफेशनल पहचान अब उन पर लगे गंभीर आरोपों के बिल्कुल विपरीत है।

- उन्होंने पाकिस्तान में अपने हैंडलर से बम बनाने की प्रक्रिया सीखी तथा फरीदाबाद के मकान में उसका एक्सपैरीमैंट करते रहे।
- उमर के व्यक्तित्व का बहुत बारीकी से अध्ययन हो रहा है, यह जानने के लिए कि कैसे आतंकवादी विचारधारा डॉक्टरों के पढ़े लिखे दिमाग में स्थान बना रही है।
- जाँच एजेंसियाँ इस पूरे प्रकरण का वॉटर टाइट केस बनाने में तो जुटी हैं ही, पर, उनके समक्ष एक चुनौती यह भी है कि कैसे ऐसे मॉड्यूल्स को पहचानें और पनपने से पहले ही रोक लें।

उनका डॉक्टर बनने का सफर जम्मू-कश्मीर से शुरू हुआ, जहां उन्होंने एम.बी.बी.एस. किया और फिर श्रीनगर के गवर्नमेंट मैडिकल कॉलेज से एम.डी. किया। उन्होंने अनंतनाग में सीनियर रेजिडेंट के रूप में काम किया और बाद में फरीदाबाद में अल-फलाह मैडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर शामिल हुए। फरीदाबाद में वे कॉलेज के पास एक साधारण किराए के कमरे में रहते थे, जिन्हें जानने वाले शांत और पढ़ने-लिखने में लगे रहने वाला व्यक्ति बताते हैं। अधिकारियों के अनुसार, उमर अकेले काम नहीं कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि वे डॉक्टरों, छात्रों और स्टाफ का एक ऐसा मॉड्यूल चला रहे थे, जो कथित तौर पर कट्टरपंथी था और जैश ए मोहम्मद (ऐ.ई.एम.) से जुड़ा हुआ था। नेटवर्क से जुड़े अन्य नामों में डॉ. अदील अहमद राथर और डॉ. मुजम्मिल शाकिल शामिल हैं, जो दोनों कश्मीर के ही रहने वाले हैं।

जांच एजेंसियों का कहना है कि उमर ने फरीदाबाद में अपने कमरे में एक गुप्त लैब बनाई हुई थी, जहां वे विस्फोटकों पर प्रयोग करते थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वे पाकिस्तान में बैठे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने 26 मंत्रियों के साथ शपथ ली

पटना, 20 नवंबर। बिहार के मुख्मयंत्री नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ गुरूवार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ली, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 14, जनता दल यूनाईटेड

- इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, लोकजनशक्ति पार्टी के 2 तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा व हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के एक-एक मंत्री थे।

(जदयू) के आठ,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दो और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) तथा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के एक-एक मंत्री शामिल हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जे. पी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

न्याय युक्त व्यवहार करना, सौंदर्य से प्रेम करना तथा सत्य की भावना को हृदय में धारण करके विनयशील बने रहना ही सबसे बड़ा धर्म है।

–डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

आधार जन्मतिथि, पता तथा नागरिकता का प्रमाण नहीं है, एसआईआर में इसका उपयोग मात्र पहचान सत्यापित हेतु है

बिहार चुनाव विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आधार पर शान्तिपूर्वक भारी मतदान से चुनाव सम्पन्न हो गया। बिहार चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 राज्यों में एसआईआर प्रारम्भ कर दी है। यह प्रक्रिया राजस्थान सहित 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में हो रहा है और 4 दिसम्बर 2025 तक पूरा होना है। राजस्थान के अतिरिक्त अन्य राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, तामिलनाडु, मध्यप्रदेश, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़, अण्डमान–निकोबार व पाण्डुचेरी हैं। अनुमान है कि 12 राज्यों में कुल 50,99,72,687 मतदाताओं को शामिल किया जावेगा। ऐसा प्रतीत होता है कि दिनांक 04.012.2025 मतदाता सूची तक ड्राफ्ट तथा फाइदल मतदाता सूची दिनांक 09.02.2026 तक प्रकाशित हो जावेगी।

एसआईआर की वैधानिकता को लेकर सुप्रीम कोर्ट और राज्यों के हाईकोर्ट्स में कई याचिकायें पेश हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह मत प्रतीत हो रहा है कि जो पिटीशन्स हाईकोर्ट्स में पेश हुई हैं, वे सुप्रीम कोर्ट अपने पास ट्रान्सफर करा लें, अथवा हाईकोर्ट्स सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रतीक्षा करें। इस समय दो मुख्य याचिकायें सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन हैं और दोनों ही 26 नवम्बर, 2025 को सुनवाई पर लगी हैं। मुख्य याचिका W.C. (P) NO.640/2025 एसोसियेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफोर्म एण्ड अन्य बनाम इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया है, इसके साथ कई पिटीशन्स संलग्न की गई हैं तथा दूसरी पिटीशनें .P. (P) NO.634/2025 अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया व अन्य है।

भारत के संविधान में कानून बनाने का अधिकार संसद तथा विधानसभा को दिये हैं। संसद का गठन संविधान के अनुच्छेद 79, राज्यों की विधान सभाओं का अनुच्छेद 168, संघ की न्यायपालिका का गठन अनुच्छेद 124 में तथा राज्यों की विधानसभाओं का गठन अनुच्देद 168 व उच्च न्यायालयों का गठन अनुच्छेद 216 में किया गया है। ये सब इस प्रकार Statutory Bodies हैं। इसी प्रकार चुनाव आयोग भी एक स्वतंत्र Statutory Body है, इसका गठन संविधान के अनुच्छेद 324 में दिया गया है। चुनाव (निर्वाचन) के अधीक्षण, निदेशन तथा नियंत्रण का सम्पूर्ण अधिकार चुनाव आयोग को दिया गया है। संसद, विधानसभा, न्यायपालिका की तरह यह अपने कार्यक्षेत्र में सुप्रीम है। चुनाव आयोग का कार्यक्षेत्र चुनावों के लिये चुनाव की मतदाता सूची तैयार करने, चुनावों के संचालन, निदेशन, नियंत्रण का है। इस प्रकार चुनाव आयोग जो कि संवैधानिक संस्था है उसे चुनाव सम्बन्धित सभी कार्यों को सम्पादित करने का सम्पूर्ण अधिकार संविधान ने दिया है। इस प्राकर यह भी स्पष्ट है कि मतदाता सूची कैसे तैयार की जावेगी, इस बाबत भी चुनाव आयोग को पूर्ण अधिकार है, इस प्रकार साधारण चुनाव मतदाता सूची व शुद्धिकरण के हेतु एसआईआर प्रक्रिया का भी उसे अधिकार है। चुनाव के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण में एसआईआर का अधिकार चुनाव आयोग में निहित है।

अनुच्छेद 326 स्पष्ट शब्दों में घोषणा करता है कि मताधिकार वयस्क मताधिकार पर आधारित है और केवल उसे प्राप्त है जो भारत का नागरिक है। सभी पिटीशन्स अनुच्देद 32 के तहत हैं और पीआईएल हैं। वे कैसे नागरिक अधिकार के संरक्षण हेतु हो सकती हैं?

उपरोक्त प्रावधानों के अधीन संसद को चुनावों के सम्बन्ध में कानून बनाने का अधिकार अनुच्छेद 327 में दिया है। अनुच्छेद 329 में पुनः इसे स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के विषय में न्यायालयों का हस्तक्षेप वर्जित किया है। हाँ चुनाव विवाद चुनाव हेतु बनाये गये कानून के तहत् केवल चुनाव पिटीशन के द्वारा किया जा सकता है। चुनाव पिटीशन सुनने का अधिकार हाईकोर्ट को दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में खण्डपीठ के समक्ष पुनः पुनः यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि आधार कार्ड के आधार पर, व्यक्ति को मताधिकार दिया जाना चाहिये तथा यदि उसका नाम पूर्ववर्ती चुनाव नामावली मे आ चुका है तो उसे चुनाव में मतदान करने का अधिकार दिया जाना चाहिये। इस संबंध में समय–2 पर कुछ निर्देश सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने दिये हैं, किन्तु प्रत्येक बहस के समय वही बहस पुनः हो रही है। खण्डपीठ में सुनवाई जस्टिस सूर्यकान्त व जस्टिस जोमाल्या बागची कर रहे हैं।

यहाँ एक प्रश्न एसआईआर का है और दूसरा प्रश्न आधार कार्ड का है। एसआईआर पर उपरोक्त चरणों में लेखक ने अपने व्यक्तिगत विचार अभिव्यक्त किये हैं। इस लेख के माध्यम से 'आधार' के विषय पर अब तक जो समीक्षायें न्यायालयों द्वारा की गई हैं, उन पर प्रकाश डालने का प्रयत्न किया गया है।

एसआईआर की प्रक्रिया के बाद नई लिस्ट पर बिहार के चुनाव हो चुके हैं। भारी मतदान हुआ है, जैसे पहले आज तक नहीं हुआ है। किसी भी पिटीशनर ने मतदान के समय किसी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायत मतदान केन्द्रों पर नहीं की है। अभी भी कोई भी मतदाता आर पी एक्ट 1951 के तहत् कानून के अनुसार विजयी उम्मीदवार के विरूद्ध चुनाव याचिका प्रस्तुत कर सकता है।

यहाँ एक प्रश्न एसआईआर का है और दूसरा प्रश्न आधार कार्ड का है। एसआईआर पर उपरोक्त चरणों में लेखक ने अपने व्यक्तिगत विचार अभिव्यक्त किये हैं। इस लेख के माध्यम से 'आधार' के विषय पर अब तक जो समीक्षायें न्यायालयों द्वारा की गई हैं, उन पर प्रकाश डालने का प्रयत्न किया गया है।

पिटीशनर अश्विनी कुमार की पिटीशन पर चुनाव आयोग ने अपना जवाब पेश कर अपनी भूमिका की विस्तृत जानकारी अभिव्यक्त की है।

चुनाव आयोग ने अश्विनी कुमार उपाध्याय के केस में अपना जवाब दावा पेशकर निवेदन किया है कि आधार कार्ड केवल व्यक्ति की पहिचान को दर्शाता है वह न तो जन्मतिथि की सत्यता का प्रमाण है और न उसके आधार पर मतदाता सूची में उसका नाम ही दर्ज किया जा सकता है तथा न उसका उपयोग मतदाता सूची में नाम काटने तथा जोड़ने हेतु हो सकता है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4) इस विवेचन को विशेष तौर स्पष्ट करती है। चुनाव आयोग ने संतोष कुमार दुबे सेक्रेटरी, चुनाव आयोग के शपथ पत्र जो उन्होंने केस के समर्थन में पेश किया है कहा है कि इलेक्शन लॉज (अमेण्डमेण्ट) एक्ट 2021 की धारा 23 में संशोधन कर, अभिव्यकत किया है कि संशोधन की आवश्यकता इस हेतु थी कि कई जगह की चुनाव नामावली में एक ही व्यक्ति का नाम आने की असंगति को रोकना था। इसी आधार पर फॉर्म 6 भी संशोधित दिनांक 17.06.2022 को किया गया था। धारा 9 आधार अधिनियम 2016 भी इस बात को प्रमाणित करता है कि यह नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। इसके समर्थन में शपथ पत्र में बम्बई हाईकोर्ट के निर्णय स्टेट ऑफ महाराष्ट्र बनाम यूआईडीएआई (Criminal Petition No.3002 of 2002) का आश्रय लिया है कि आधार जन्मतिथि की प्रमाणिकता का सबूत नहीं है। शपथ पत्र में यह भी उल्लेख है कि स्वंय सुप्रीम कोर्ट अपने दिनांक 08.09.2025 के आदेश में जो बिहार एसआईआर की प्रक्रिया में पारित किया था या माना है कि उसका उपयोग केवल व्यक्ति पहिचान का परिचायक है।

एसआईआर के आधार पर जब मतदाता सूची प्रकाशित हो चुकी है तो स्पष्ट है, उससे सम्बन्धित विवाद अनुच्छेद 327 के अनुसार केवल चुनाव याचिका में ही उठाये जा सकते और यह निर्विद कानूनी व्यवहार है कि रिट याचिका के पेन्डिग होने का इस पर कोई असर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने केस कोलन जियम्मल (डी) एलआर बनाम रेवेन्यू डिवीजनल आफिसर व अन्य, 2025 लिव लॉ (एससी) 1108 में दिया है इसका प्रमाण है। इस केस में राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड बनाम कृष्णा कुमारी 2005 (13) एससीसी 151 को समर्थन हेतु रेफर किया है।

दिनांक 26 नवम्बर 2025 की पेशी के समय बहस पर उपरोक्त कानूनी बिन्दुओं पर माननीय कोर्ट में विचार होगा। उपरोक्त विवेचन के आधार पर यह कहा जा सकता है सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ यह करार दे सकती है कि मतदान का अधिकार केवल देश के नागरिक को ही है अन्य को नहीं तथा आधार केवल पहिचान का परिचायक है, किन्तु नागरिकता का प्रमाण नहीं है। नागरिकता तो संविधान के भाग–2 के प्रावधानों के अनुसार ही तय की जा सकती है। संसद द्वारा नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा ही विनियमन किया जा सकता है साथ ही चुनाव सम्पन्न होने के बाद चुनाव सम्बन्धित शिकायतों पर यानी मतदाता सूची की वैधता के सम्बन्ध में विवादों का निपटारा चुनाव याचिका द्वारा ही हो सकता है।

यह निर्विवाद सत्य है कि संविधान के तहत् गठित संस्थाओं को अपने कार्यक्षेत्र में कर्त्तव्य के निर्वाहन के हेतु सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न (Sovereign) अधिकार प्राप्त है। पार्लियामेण्ट, सुप्रीम कोर्ट को अपने कार्यक्षेत्र में काम करने का पूर्ण अधिकार है, वे कार्य में त्रुटियां कर सकते हैं, किन्तु उसे चुनौती नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के संवैधानिक पीठ के कई निर्णय बाद में बडी बैंच ने त्रुटिपूर्ण करार किये हैं। वन शक्ति आदेश को बाद में एक्स पोस्ट फेक्टो ईसी की व्यवस्था फिर से लागू करने वाले दिनांक 18.11.2025 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने इस विचारधारा को प्रमाणिकता प्रदान की है। हाँ यदि ये संस्थान संविधान की मर्यादा के विरूद्ध कार्य करती हैं तो वह अधिकार शून्य होने से अमान्य कहा जा सकता है। फिर चुनाव आयोग के एसआईआर पर सुनवाई करने के अधिकार पर प्रश्न क्यों कर उठाया जा सकता है? एसआईआर की प्रक्रिया मतदाता सूची से सम्बन्ध रखती है, और मत सूची के बाबत Soverign (सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न) अधिकार चुनाव अयोग का है।

चुनाव आयोग के गठन को लेकर एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश हो चुकी है, किन्तु यह विषय तो संविधान के संशोधन का है।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

देश का सबसे कड़ा धर्मांतरण विरोधी कानून : राजस्थान ने रखी सामाजिक सुरक्षा की नई मिसाल

विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 न केवल कानूनी दृष्टि से मजबूत है, बल्कि सामाजिक और संवैधानिक स्तर पर भी यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनकर उभरा है

अरुण चतुर्वेदी

वर्तमान राजस्थान सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए देश का सबसे कड़ा धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किया है। विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक–2025 न केवल कानूनी दृष्टि से मजबूत है, बल्कि सामाजिक और संवैधानिक स्तर पर भी यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने दृढ़ता और स्पष्टता के साथ इसे आगे बढ़ाया है। इससे स्पष्ट है कि राजस्थान अब छल, लालच, दबाव या विदेशी फंडिंग के सहारे कमजोर तबकों का धर्म परिवर्तन कराने वाली गतिविधियों के प्रति अत्यंत सख्त है।

भारतीय संविधान ने हर नागरिक को अपनी आस्था का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार पूरी तरह निरंकुश नहीं है। यह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और सामाजिक शांति के दायरे में ही मान्य है। इसी संवैधानिक मूल भावना के अनुरूप राजस्थान का नया कानून तैयार किया गया है।इसकी शक्ति और कठोरता इसे सभी राज्यों से अलग बनाती है।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस कानून में सजा का प्रावधान देश में सबसे अधिक कठोर है। जबरन या धोखे से धर्मांतरण कराने पर सीधे 7 से 14 वर्ष की सजा तय की गई है। यदि नाबालिग, महिला, दिव्यांग अथवा अनुसूचित जाति–जनजाति के व्यक्ति को निशाना बनाया गया है तो सजा 20 वर्ष तक जा सकती है। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में तो आजीवन कारावास का प्रावधान देश में पहली बार किया गया है। विदेशी फंडिंग का दुरुपयोग करने वालों की संपत्ति जब्त की जा सकेगी और सजा भी अत्यंत कठोर होगी। विवाह के बहाने धर्मांतरण करने वालों के खिलाफ न्यायालय ऐसी शादी को अमान्य घोषित कर सकेगा। इन प्रावधानों ने यह विधेयक वास्तव में देश का सबसे प्रभावशाली और सबसे कठोर धर्मांतरण रोकने वाला कानून बना दिया है।

राजस्थान के संवेदनशील और जनजातीय क्षेत्रों में लंबे समय से धर्मांतरण की शिकायतें आती रही हैं। बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़ और अलवर जैसे जिलों में प्रलोभन, आर्थिक सहायता या सेवा की आड़ में जनजातीय समुदायों को प्रभावित करने के प्रयास कई बार उजागर हुए। समाज की यही पीड़ा आज एक मजबूत कानून के रूप में सामने आई है। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अस्मिता के साथ खिलवाड़ को अब किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कानून की खासियत यह है कि यह केवल सख्ती के सहारे काम नहीं करता, बल्कि पारदर्शिता को भी पूरा महत्व देता है। यदि कोई व्यक्ति सचमुच अपनी इच्छा से धर्म बदलना चाहता है, तो उसे 90 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचना देनी होगी। धर्मगुरु को भी 60 दिन पहले नोटिस देना अनिवार्य है।

पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक होगी और यदि कोई आपत्ति आती है, तो उसका निस्तारण होने के बाद ही धर्म परिवर्तन मान्य माना जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि धर्मांतरण स्वतंत्र निर्णय से हो, न कि किसी छिपे हुए दबाव या प्रलोभन की वजह से। इसी के साथ घर वापसी को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है, ताकि कोई व्यक्ति अपनी पुरानी आस्था में सुगमता से लौट सके। विधेयक को लेकर कुछ विरोधी दल इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश बताते हैं। लेकिन यह तर्क तब कमजोर पड़ जाता है, जब हम देखते हैं कि कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित रखना है। यदि धर्मांतरण वास्तव में स्वैच्छिक है, तो कानून में निर्धारित प्रक्रिया उसका सम्मान करती है और उसे वैधता प्रदान करती है। लेकिन यदि किसी की स्वतंत्रता खरीदी, दबाई या डराई जा रही है, तो उसे रोकना राज्य का संवैधानिक दायित्व है।

देश के कई राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून पहले से लागू हैं, लेकिन राजस्थान का यह कानून अपनी कठोरता, स्पष्टता और व्यापकता के कारण उनसे कहीं आगे है। यहां सामूहिक धर्मांतरण पर आजीवन कारावास का प्रावधान, विदेशी फंडिंग के दुरुपयोग पर कड़ी सजा, विवाह–आधारित धर्मांतरण की वैधता की जांच आदि इसे देश का सबसे शक्तिशाली कानून बनाते हैं। यह स्पष्ट है कि राजस्थान ने केवल कानून नहीं बनाया, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी मानक स्थापित किया है। इस कानून से सामाजिक और प्रशासनिक स्तर पर कई सकारात्मक परिणाम दिखाई देंगे। कमजोर समुदाय अब भय और लालच के दबाव में आने से बचेंगे। विदेशी फंडिंग का दुरुपयोग रोका जा सकेगा। जनजातीय क्षेत्रों में धार्मिक ध्रुवीकरण की कोशिशें विफल होंगी। समाज में कृत्रिम विभाजन कम होंगे और सौहार्द बढ़ेगा। साथ ही, स्वैच्छिक धर्म परिवर्तन को अब एक स्पष्ट, सुरक्षित और निष्पक्ष प्रक्रिया मिलेगी।

निस्संदेह, विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक–2025 राजस्थान की सामाजिक दृढ़ता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और संवैधानिक संतुलन का अद्भुत उदाहरण है। यह देशवासियों को यह विश्वास दिलाता है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ों, हमारी एकता और कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए राज्य पूरी जिम्मेदारी निभा रहा है।

राजस्थान ने इस कानून के माध्यम से यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र में स्वतंत्रता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी उसकी रक्षा। और जब बात समाज की बुनियाद, उसकी आस्था और उसकी अस्मिता की हो, तब राज्य का हस्तक्षेप केवल उचित ही नहीं, बल्कि अनिवार्य हो जाता है। यह कानून आने वाले वर्षों में राजस्थान ही नहीं, पूरे देश की सामाजिक संरचना को एक नए संतुलन की ओर ले जाएगा। यही इसकी सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि है।

अरुण चतुर्वेदी
अध्यक्ष, राज्य वित्त आयोग

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं पुरातत्व के ज्ञाता ''डॉ. एल.पी. टैसिटोरी''

डॉ. दुलीचंद मीना

इटली के फ्लोरेंस विश्वविद्यालय में लुई द इंडियन के नाम से प्रसिद्ध एल पी टैसिटोरी राजस्थानी भाषा के महत्त्व को स्वीकार करने वाले पहले विदेशी विद्वान थे जिन्होंने राजस्थानी भाषा की मुक्त कंठों से इन शब्दों मे प्रशंसा की:–

''मनैं जित्तो प्रेम म्हारी मातभासा इटालियन सूं है, उण सूं बेसी राजस्थानी सूं है,

कारण इण में बळ है, तेज है, ओज है, मिठास है, अर आ बड परबार भासा है।''

राजस्थान के इतिहासकारों में जो स्थान कर्नल टॉड का है, वही स्थान राजस्थान के साहित्यकारों में डॉ.लुइजि पियो तैस्सितोरी का है। डॉ. तैस्सितोरी का जन्म 13 दिसम्बर, 1887 को उदीने (इटली) में हुआ। उदीने में अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद तैस्सितोरी ने फ्लोरेंस विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ उन्होंने भाषा विज्ञानी ग्राजियाडियो इसिया एसकोली से प्रभावित होकर संस्कृत पाठ्यक्रम में दाखिला लिया तथा संस्कृत के विद्वान प्रोफेसर पाओलो एमीलियो पावोलिनी के निर्देशन में ''तुलसीदास की रामचरितमानस एवं वाल्मीकि रामायण'' का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया जिस पर उन्हें पीएचडी की उपाधि मिली। पहले यह शोध–प्रबंध इतालवी भाषा में तथा बाद में अंग्रेजी में 'इण्डियन एंटीक्वेरी' के दो भागों में प्रकाशित हुआ। प्राच्य भाषाओं के महान विद्वान डॉ.ग्रियर्सन डॉ.तैस्सितोरी की प्रतिभा से बहुत प्रभावित थे। उन्होंने भारत सरकार को भारतीय रियासतों के मध्यकालीन इतिहास तथा वीरगाथा काव्य के शोध हेतु डॉ.तैस्सितोरी की सेवाएं प्राप्त करने की सिफारिश की। डॉ.ग्रियर्सन की सिफारिश पर ऐसियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल, कलकत्ता द्वारा डॉ.तैस्सितोरी को चारणी एवं ऐतिहासिक शोध सर्वेक्षण कार्य का अधीक्षक के पद पर नियुक्ति पत्र जारी किया।

यूरोप में जब प्रथम विश्वयुद्ध के बादल मंडरा रहे थे तब डॉ.तैस्सितोरी 12 मार्च, 1914 को नेपल्स से यूरोपियन जलयान 'रोमां' से रवाना होकर बम्बई होते हुए 11 अप्रेल, 1914 को कलकत्ता पहुँचे। वहाँ उन्होंने एशियाटिक सोसायटी को पत्र लिखकर राजपूताना में जाकर राजस्थानी भाषा का अध्ययन करने का आवेदन किया गया जिसे स्वीकार कर लिया गया। बीकानेर के महाराजा श्री गंगासिंह के आमंत्रण पर तेस्सितोरी जोधपुर होते हुए बीकानेर पहुँचे। वहाँ उन्हें पहले 04 महीने तथा बाद में एक वर्ष के लिए बीकानेर राज्य में रखा गया। महाराजा गंगा सिंह ने उन्हें दरबार की लाईब्रेरी के काव्य व ऐतिहासिक सामग्री का अध्ययन कर भविष्य के लिए कार्ययोजना बनाने का काम सौंपा गया। राजस्थान व राजस्थानी भाषा के प्रति तैस्सितोरी के रग–रग में प्रेम भरा हुआ था। उन्होंने डिंगल साहित्य की अपूर्व सेवा की।

उन्होंने डिंगल साहित्य की अमूल्य निधि 'वचनिका राठौड़ रतनसिंह जी री महेस दासोत खिडिया जगारी कही', 'बेलि क्रिसन रुकमणी री', 'छन्द राव जैतसी रो' का संपादन किया और एशियाटिक सोसायटी से उन्हें प्रकाशित करवाया। राजस्थानी भाषा की ढूंढाडी बोली के ग्रंथ कर कुंडरी कथा का इटालियन भाषा में अनुवाद कर संपादन किया। श्री तैस्सितोरी ने अपभ्रंश, गुजराती व राजस्थानी भाषा का सांगोपांग अध्ययन किया जिसके आधार पर 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थान का व्याकरण' शीर्षक से एक शोध निबंध लिखा। जिसकी प्रशंसा में प्रसिद्ध भाषाविद् डॉ.सुनीति कुमार चटर्जी ने लिखा है कि, पुरानी राजस्थानी, उच्चारण, रीति, रुपतत्व और वाक्य रीति के पूरे विचार के साथ तैस्सितोरी की आलोचना ऐसी महत्वपूर्ण है कि इसे मारवाडी तथा भाषा–तत्व की बुनियाद यदि कहा जायें तो अत्युक्ति न होगी। डॉ नामवर सिंह ने इस निबंध का हिंदी में अनुवाद कर हिन्दी पाठकों के लिए सुरमय बनाया हैं।

डॉ.तैस्सितोरी भाषा शास्त्री के साथ–साथ अपनी पुरातात्विक पारखी दृष्टि से ऐतिहासिक एवं पुरातत्वविद भी साबित हुए हैं। उन्होंने अपने अन्वेषण मे मृण मूतियाँ, प्रस्तर प्रतिमाओं, शिलालेखों व मुद्राओं का संठाह किया जो बीकानेर के राज्य संठाहालय में संग्रहित है। उन्होंने पुरातात्विक अवशेष रंगमहल, मालिखेडी, बडोपल, कालीबंगा व पीलिबंगा आदि गांवों में खुदाई करके एकत्र किए। इनसे हडप्पा सभ्यता के व्यापक फैलाव की झलक मिलती है। उन्हें पल्लू की खुदाई में सरस्वती की सोलंकी शैली की दो जैन प्रतिमाएं प्राप्त हुई। दोनों ही भारतीय शिल्पकला की दृष्टि से अद्वितीय है। प्रसिद्ध जर्मन विद्वान हर्मन गोएट्ज ने उन्हें 'मध्ययुगीन भारतीय शैली की सर्वोत्तम कृति' माना है।

भारत आने से पूर्व डॉ.तैस्सितोरी ने जैनाचार्य श्री विजय धर्म सूरी जी से संपर्क स्थापित कर लिया था। अपने गुरू को टैसिटोरी ने लिखा कि, ''मैं चाहता हूं कि मैं अपने आपको आपके अर्पण कर दूं।'' जैनाचार्य श्री विजय धर्म सूरी जी के प्रभाव स्वरूप वे जैन धर्म की ओर उन्मुख हुए। जैन धर्म के सिद्धांतो के प्रभाव स्वरूप उन्होंने मांसाहारी से शाकाहारी भोजन ग्रहण करना शुरू किया तथा उन्होंने एक पत्र मे लिखा ''इटली में जैन धर्म के बजाय बौद्ध धर्म अधिक लोकप्रिय है, मैं भविष्य में जैन धर्म एवं दर्शन पर एक किताब लिखना चाहता हूँ जिससे यूरोप के लोग जैन धर्म को बेहतर ढंग से जान सके।'' उन्होंने 'उपदेश माला', 'भववैराग्यशतक', 'इन्द्रिय पराजयशतक', 'नासिकेतकी कथा' व 'पुण्याश्रावक कथा कोष' का इटालियन भाषा में अनुवाद किया। बीकानेर के सुप्रसिद्ध विद्वान श्री अगरचंद नाहटा के साहित्य संग्रह में डॉ.तैस्सितोरी के अनेक ग्रंथ सुरक्षित रहे हैं जिन्होंने उन्हें अपने भांजे श्री हजारीमल बांठिया के माध्यम से राजस्थानी साहित्य को समृद्ध करने का कार्य किया है। डॉ.तैस्सितोरी ने शैव धर्म के कनफटा नाथ सम्प्रदाय से संबंधित धर्म, दर्शन एवं साहित्य का भी अध्ययन किया। सर ग्रियर्सन ने उन्हें कानफटा नाथ सम्प्रदाय से संबंधित गोरखनाथबोध नामक पुस्तक का संपादन करने के लिए भी नियुक्त किया।

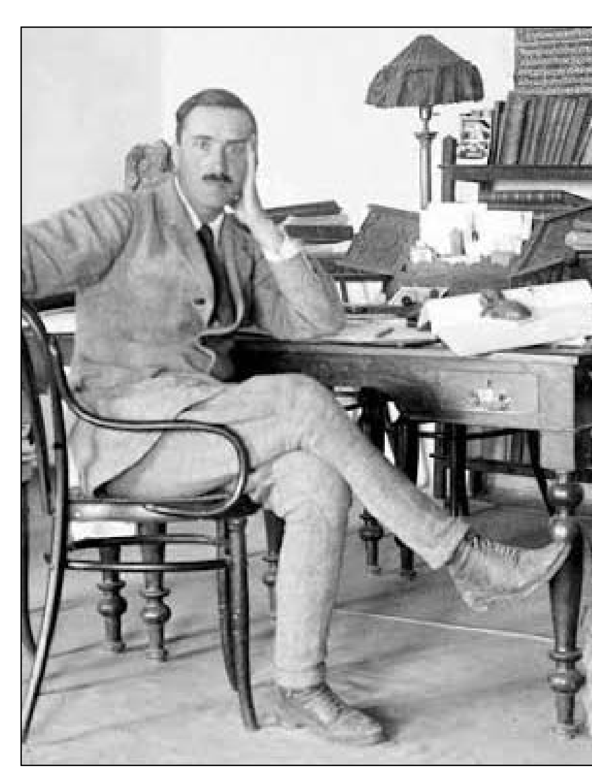

डॉ. टैसिटोरी अपने कार्यालय में, (फाइल फोटो)।

सन् 1919 में तैस्सितोरी को अपनी माँ की बीमारी की खबर मिली तो 17 अप्रेल, 1919 को जलयान द्वारा बम्बई से इटली के लिए रवाना हो गए लेकिन उनके वहाँ पहुँचने से पूर्व ही उनकी माता का देहान्त हो गया था। अब उनका इटली में रहना निरर्थक हो गया और जब माँ के निधन का वियोग कम हुआ तो पुनः राजपूताना के लिए रवाना हो गए तथा 05 नवम्बर, 1919 को बीकानेर पहुँचे। लम्बी और थका देने वाली यात्रा के दौरान तैस्सितोरी को निमोनिया हो गया और उनका स्वास्थ्य निरंतर गिरता चला गया। बीकानेर के राजस्व मंत्री श्री जी०डी.रूडकिन अंत समय तक उनकी देखभाल करते रहे लेकिन अन्ततः मात्र 32 वर्ष की उम्र में 22 नवम्बर, 1919 को डॉ.तैस्सितोरी का अपने सपनों और कल्पना की भूमि राजपूताना के बीकानेर में निधन हो गया।

–डॉ. दुलीचंद मीना,
आर.ए.एस.

राशिफल शुक्रवार 21 नवम्बर, 2025

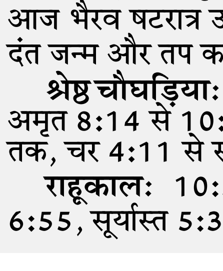

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र दिन 1:56 तक, अतिगंड योग दिन 10:43 तक, बव करण दिन 2:48 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:56 तक है। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, रूद्र व्रत (पीडिया व्रत) है। आज भैरव षटरात्र उत्सव आरम्भ होगा। भगवान पुष्प दंत जन्म और तप कल्याणक दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:14 तक, लाभ–अमृत 8:14 से 10:53 तक, शुभ 12:13 से 1:32 तक, चर 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 5:30 तक

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सशक्त बिजनेस इकोसिस्टम से राजस्थान बनेगा जी.सी.सी. एक्सीलेंस हब

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडलीय बैठक में अनुमोदित हो चुकी है राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में अनुमोदित राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 प्रदेश को ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) का पसंदीदा गंतव्य स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। राज्य के प्रमुख शहरों का सशक्त बिजनेस इकोसिस्टम और किफायती ऑपरेशनल लागत के साथ-साथ नीति के अंतर्गत सब्सिडी के प्रावधान इच्छुक कंपनियों को यहां जीसीसी की स्थापना के लिए आकर्षित करते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से लगभग 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी हैं। आज बहुराष्ट्रीय कंपनियां प्रदेश में निवेश के लिए इच्छुक हैं। प्रदेश की बेहतर कनेक्टिविटी ने प्रदेश में निवेश के नए द्वार खोले हैं।

एनसीआर रीजन और दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) के साथ कनेक्टिविटी राजस्थान में जीसीसी निवेशकों की पहुंच बड़े औद्योगिक केन्द्रों और बाजारों तक उपलब्ध करवा रही है। देश के बड़े शहरों की तुलना में यहां प्रमुख शहरों में साधनों एवं सेवाओं की किफायती ऑपरेशनल लागत भी सुगम बनाती है।

- एनसीआर, डीएमआईसी के साथ कनेक्टिविटी से जीसीसी निवेशकों को बड़े औद्योगिक केन्द्र तथा बाजारों तक पहुंच मिलेगी
- ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के आवेदनों का निस्तारण भी त्वरित गति से होगा

यह होगी आवेदन प्रक्रिया

राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 में जीसीसी के लिए आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाया गया है। इच्छुक आवेदकों को राजनिवेश सिंगल विंडो पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। प्रोजेक्ट इवैल्यूएशन कमेटी (पीईसी) इन आवेदनों की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अध्ययन कर अपनी अनुशंसा प्राथमिकता से 60 दिन की समय सीमा में प्रोजेक्ट अप्रुवल कमेटी (पीएसी) को प्रस्तुत करेगी। यह अप्रुवल कमेटी भी 60 दिन की समय सीमा में अनुशंसा के आधार पर आवेदन पर निर्णय करेगी। कार्यकारी निदेशक रीको, पीईसी और प्रशासनिक सचिव उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, पीएसी के अध्यक्ष होंगे। वहीं, जीसीसी के आवेदनों के निस्तारण के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

100 अरब डॉलर का लक्ष्य

राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025 वर्ष 2030 तक प्रदेश में 200 से अधिक जीसीसी स्थापित करने, 1.5 लाख रोजगार सृजित करने के साथ भारत के 100 अरब डॉलर के जीसीसी बाजार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लक्ष्य पर आधारित है।

इस नीति के माध्यम से जयपुर, उदयपुर, जोधपुर जैसे शहरों को जीसीसी हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

जीसीसी स्थापना पर रिप्स का लाभ

इस नीति में जीसीसी की स्थापना के लिए राजस्थान औद्योगिक प्रोत्साहन योजना (रिप्स-2024) के प्रावधानों का लाभ दिया जाएगा। इसमें परियोजना लागत (भूमि और भवन लागत को छोड़कर) का 30 प्रतिशत या अधिकतम 10 करोड़ रुपए तक की पूंजी निवेश सब्सिडी प्रदान की जाएगी। भूमि या लीज एरिया की लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम 1 करोड़ रुपए तक प्रतिपूर्ति लैण्ड कॉस्ट इंसेंटिव के रूप में दी जाएगी। साथ ही, कर्मचारियों के वेतन पर पहले तीन वर्षों तक 30 प्रतिशत (अधिकतम 1.25 लाख प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष) की पेरोल सब्सिडी उपलब्ध दी जाएगी। यह सब्सिडी 10 करोड़ रुपए प्रति जीसीसी प्रति वर्ष से अधिक नहीं होगी।

तीन वर्षों तक किराये में छूट मिलेगी

किराए पर संचालित इकाइयों को पहले तीन वर्षों तक किराए का 50 प्रतिशत तथा अगले दो वर्षों के लिए 25 प्रतिशत अधिकतम 5 करोड़ रुपए प्रति जीसीसी प्रति वर्ष तक रेंटल असिस्टेंस के रूप में मिलेगा। कर्मचारियों के कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम ढाई करोड़ रुपए प्रति जीसीसी प्रति वर्ष तक प्रतिपूर्ति पात्रतानुसार की जाएगी। इसके साथ ही, पर्यावरण-अनुकूल नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन इंसेंटिव, अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में पेटेंट, कॉपीराइट आदि की लागत पर 50 प्रतिशत सहायता, स्टांप ड्यूटी एवं बिजली शुल्क पर छूट भी प्रदान की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में देश में स्थित ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स में लगभग 1.9 मिलियन की वर्कफोर्स नियोजित थी, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में 64.6 बिलियन डॉलर का योगदान दिया था। वर्ष 2030 तक जीसीसी इंडस्ट्री में 110 बिलियन डॉलर का योगदान अनुमानित है।

कांग्रेस को सता रही रोहिंग्या-बांग्लादेशियों की चिंता : अशोक परनामी

'चुनाव हारने पर पहले कांग्रेस ईवीएम का राग अलापती थी, अब एसआईआर का राग अलाप रही'

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और अनावश्यक विरोध पर तिखी प्रतिक्रिया दी। परनामी ने कहा कि कांग्रेस लगातार बुरी तरह हारती जा रही है, फिर चाहे हरियाणा हो, महाराष्ट्र हो, दिल्ली हो या फिर बिहार चुनाव। कांग्रेस का जनाधार लगातार बुरी तरह गिरता जा रहा है। कांग्रेस पहले ईवीएम पर राग अलापती थी, सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्टीकरण के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने ईवीएम को छोडकर अब एसआईआर पर राग अलापना शुरू कर दिया। हार के बाद कांग्रेसी नेता घबरा गए है, उन्हें उनके बांग्लादेशी, रोहिंग्या घुसपेठियों की चिंता सता रही है।

अशोक परनामी

- 'प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं छोड़ा, इसलिए बेवजह जनता को भ्रमित कर रही है कांग्रेस'

उन्होंने कहा कि केवल विरोध करना, आंदोलन करना विपक्ष का काम नहीं है। विपक्ष को विकास के लिए आंदोलन करना चाहिए, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं छोड़ा। ऐसे में मुद्दा विहीन कांग्रेस बेवजह जनता को भ्रमित करने का कामकर रही है।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को आंदोलन करने की बजाए बिहार चुनाव में बुरी तरह हार की समीक्षा करनी चाहिए। जनता कांग्रेस के साथ नहीं, मोदी के साथ है, यह समझना चाहिए। राजधानी जयपुर में युवा कांग्रेस का तथाकथित आंदोलन महज चंद मिनटों में समाप्त हो गया और फ्लोप शो शाबित हुआ। यह बताता है कि देश की जनता, युवा अब कांग्रेस के साथ नहीं है, ना ही कांग्रेस के बहकावे में आनी वाली है।

परनामी ने एसआईआर को लेकर कहा कि एसआईआर का उद्देश्य केवल और केवल मुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करना है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध बनाने के लिए चलाई जा रही है, जिसके तहत मृतकों, प्रवासियों, गलत पते वालों और दोहरी प्रविष्टियों को हटाया जाता है ताकि केवल पात्र मतदाता ही सूची में रह सकें।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने आरोप लगाया कि एसआईआर से कांग्रेस को जो भय सता रहा है, वह नाम जुड़ने का नहीं, बल्कि कांग्रेस के फर्जी वोटरों के नाम कटने का है। कांग्रेस को पहले एसआईआर को पढ़ना और समझना चाहिए। एसआईआर से होने वाले नफा नुकसान को समझना चाहिए लेकिन कांग्रेस अपने नुकसान की चिंता कर रही है। एसआईआर अयोग्य मतदाताओं को हटाने और बढ़ती अनियमितताओं पर रोक लगाने का एक सशक्त माध्यम है।

परनामी ने कहा कि अशोक गहलोत भजनलाल सरकार के दो वर्षों के विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे है। आज डबल इंजन सरकार राजस्थान में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है, और आने वाले तीन सालों में विकसित राजस्थान के लिए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि, गहलोत के कार्यकाल में पेपरलीक हुए, युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ, जबकि भजनलाल सरकार के 2 साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। गहलोत 5 साल तक ईआरसीपी पर कुंडली मारकर बैठे रहे, जबकि भजनलाल शर्मा ने इस अमृत योजना को धरातल पर उतारने का काम किया। भजनलाल सरकार ने राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के एमओयू साइन किए और करीबन 7 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर उतारे, जबकि गहलोत ने निवेश के नाम पर जनता से धोखा किया। गहलोत पूरे 5 साल अपने ही लोगों से सरकार बचाने में लगे रहे, जबकि जनता की सेवा, विकास कार्यों को उन्होंने नजर अंदाज किया। गहलोत भ्रष्टाचार में आकंठ तक डूबे हुए और होटलों से सरकार चलाते रहे। अब भजनलाल शर्मा सरकार के जनकल्याण, जनहितैषी कार्यों को गहलोत पचा नहीं पा रहे है। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक और भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची उपस्थित रहे।

जेडीए बताए पीआरएन के जोनल ऑफिस का कितना निर्माण कार्य हो चुका

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मानसरोवर स्थित पत्रकार कॉलोनी के सामुदायिक केन्द्र के भवन में पृथ्वीराज नगर का जोनल ऑफिस खोलने को चुनौती देने के मामले में जेडीए से एक सप्ताह में यह पूछा है कि जोनल ऑफिस के निर्माण की मौजूदा स्थिति क्या है, कितना निर्माण कार्य हो चुका है। जस्टिस महेन्द्र गोयल व बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश गुरुवार को एसएस शर्मा व अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।इससे पहले हुई सुनवाई में खंडपीठ ने जेडीए से पूछा था कि वह इस ऑफिस को शिफ्ट करने का प्लान दें और बताएं कि इसे कहां शिफ्ट किया जाएगा। वहीं राज्य सरकार को भी कहा था कि वह भी जोनल ऑफिस के लिए जेडीए को जगह मुहैया कराए। हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य सरकार ने पीआरएन के जोनल ऑफिस के लिए वेस्टवे हाईट्स में 2624 वर्गमीटर जमीन आवंटित की। वहीं इस जमीन पर निर्माण के लिए वर्क आर्डर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया गया। दरअसल इस पीआईएल में पत्रकार कॉलोनी के सामुदायिक भवन में जेडीए का जोनल ऑफिस खोलने को चुनौती दी है।

राजस्थान विधानसभा में विधायक अब करेंगे "डिजिटल हस्ताक्षर"

वासुदेव देवनानी के स्पीकर बनने के बाद राजस्थान विधानसभा की डिजिटल यात्रा में एक और नया अध्याय जुड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा की डिजिटल यात्रा में एक और नया अध्याय जुड़ रहा है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किए जा रहें नवाचारों के तहत राज्य विधानसभा सचिवालय में होने वाली समितियों की बैठकों में माननीय सदस्यों की उपस्थिति अब आईपैड पर डिजिटल रूप से दर्ज होगी। पूर्व में यह उपस्थिति हस्ताक्षर मैन्युल ढंग से दर्ज किए जाते थे।

डिजिटल उपस्थिति दर्ज करने के लिए विधानसभा सचिवालय द्वारा एक एप्लीकेशन तैयार कर ली गई है। विधानसभा के उप सचिवों और समस्त सहायक सचिवों को इस एप्लीकेशन के प्रयोग के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही विधान सभा के सभी सदस्यों को इसकी जानकारी देने के लिए एक बुलेटिन भी जारी किया जा रहा है।

इसके अलावा विधानसभा की सभी समितियों की बैठकों के लिए बैठक दिवस पर आई पेड उपलब्ध कराने तथा दो समितियों के मध्य पेंसिल शेयर करने के निर्देश भी जारी किए जा रहें है। समिति की बैठक के पश्चात प्रतिदिन आईपैड पुनः विधानसभा सचिवालय में जमा कराने होंगे।

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

- डिजिटल उपस्थिति दर्ज करने के लिए विधानसभा सचिवालय ने एक एप्लीकेशन भी तैयार की है, जिसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है

उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधान सभा के डिजिटलाइजेशन के तहत सभी 200 माननीय सदस्यों की सीटों पर आई पेड लगाए गए है और विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर वन नेशन वन एप्लीकेशन के तहत ई- विधान एप्लीकेशन नेवा का उपयोग राजस्थान विधान सभा को डिजिटल बनाये जाने के लिए किया जा रहा है। इससे विधान सभा के सदन से संबंधित विधेयक, रिपोर्टस, वीडियो आदि मीडिया अनुसंधानकर्ता और आम नागरिक को अब सरलता से ऑन लाईन उपलब्ध हो रहे है। केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों की विधान सभाओं को डिजिटल बनाए जाने के लिए वन नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत नेशनल ई- विधान एप्लीकेशन का उपयोग कर राजस्थान विधान सभा सदन और सचिवालय को डिजिटल किया गया है। इससे पर्यावरण की रक्षा एवं समय की बचत के लिए विधान सभा और सचिवालय की कार्यवाही पेपरलेस गई है। ई- विधान ऐप एन्ड्रायड और आई. ओ.एस दोनों तरह के मोबाइल पर संचालित हो रहे है। नेवा के तहत सदन की कार्यवाही विवरण, सदन में रखे जाने वाले पेपर्स, विधेयकों से सम्बन्धित जानकारी समितियों की रिपोर्ट, प्रश्न और उनपके जवाब, बुलेटिन, कार्यवाही विवरण, डिजिटल लाइब्रेरी, सूचनाएं और सदस्यों से सम्बन्धित जानकारी एक ही एप्लीकेशन में उपलब्ध हो रही है। इसके साथ ही राजस्थान विधान सभा का ई-बुलेटिन भी जारी किया जा रहा है। साथ ही अन्य कई नवाचार भी किये गये है।

जंगली जानवरों द्वारा फसल नुकसान को 'स्थानीयकृत जोखिम' के रूप में मान्यता मिली

इसके साथ ही धान जलभराव को भी स्थानीयकृत आपदा श्रेणी में पुनः शामिल किया गया

जयपुर (कासं)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अन्नदाताओं को बड़ी सौगात दी है। मंत्रालय ने जंगली जानवरों द्वारा फसलों के नुकसान और धान जलभराव को कवर करने के लिए नई प्रक्रियाओं को औपचारिक रूप से मान्यता दे दी है।

संशोधित प्रावधानों के अनुसार, जंगली जानवरों द्वारा फसल नुकसान को स्थानीयकृत जोखिम श्रेणी के पाँचवें 'ऐड-ऑन कवर' के रूप में मान्यता दी गई है।

राज्य सरकारें जंगली जानवरों की सूची अधिसूचित करेंगी तथा ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर अत्यधिक प्रभावित जिलों/लोंबीमा इकाइयों की पहचान करेंगी। किसान को फसल नुकसान की सूचना 72 घंटे के भीतर फसल बीमा ऐप पर जियो-टैग्ड फोटो के साथ दर्ज करनी होगी। इसे खरीफ 2026 से पूरे देश में लागू किया जायेगा।

- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने देश के अननदाताओं को बड़ी सौगात दी
- इस प्रावधान का लाभ तटीय, हिमालयी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के किसानों को मिलेगा

इस प्रावधान का सबसे अधिक लाभ ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, उत्तराखंड तथा हिमालयी और उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश के किसानों को होगा, जहाँ जंगली जानवरों द्वारा फसल क्षति एक प्रमुख चुनौती है।

ज्ञात रहे कि देशभर में किसान लंबे समय से हाथी, जंगली सूअर, नीलगाय, हिरण और बंदरों जैसे जंगली जानवरों के हमलों के कारण बढ़ते फसल नुकसान का सामना कर रहे हैं। यह समस्या मुख्यतः वन क्षेत्रों, त्रों वन गलियारों और पहाड़ी इलाकों के निकट बसे किसानों में अधिक देखी जाती है। अब तक ऐसे नुकसान फसल बीमा योजना के दायरे में नहीं आते थे, जिसके कारण किसानों को भारी आर्थिक हानि उठानी पड़ती थी।

ऐसे में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने एक विशेषज्ञ समिति गठित की। समिति की रिपोर्ट को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के साथ अब स्थानीय स्तर पर फसल नुकसान झेलने वाले किसानों को समयबद्ध और तकनीक-आधारित दावा निपटान का लाभ मिलेगा।

धान जलभराव को स्थानीयकृत आपदा श्रेणी में पुनः शामिल किए जाने से तटीय और बाढ़ संभावित राज्यों जैसे ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक,महाराष्ट्र और उत्तराखंड के किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जहाँ जलभराव से धान की फसल का नुकसान हर वर्ष दोहराया जाता है।

ऑक्शन खानों को परिचालन में लाने के लिए टाइम लाइन तय : पीयूष गोयल

केन्द्रीय खान सचिव ने जयपुर में एलओआईधारकों से बातचीत की

जयपुर (कासं)। केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल ने कहा है कि विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने के लिए देश का माइनिंग सेक्टर नई उर्जा और गति के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माइनिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लगातार कानून कायदों को व्यावहारिक बनाने के साथ ही टाइमलाईन तय की गई है जिससे खानों की नीलामी के बाद खानों के परिचालन में लाने में लगने वाले समय को कम किया जा सके। उन्होंने साफ किया कि इसके लिए सरकारी स्तर पर देरी होती है तो उसके लिए और एलओआई स्तर पर देरी होती है तो उसके लिए दण्डात्मक प्रावधान किये गये हैं।

केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल ने गुरूवार को जयपुर में आरआईसी में प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त के साथ एलओआईधारकों से बातचीत की।

केन्द्रीय खान सचिव पीयूष गोयल गुरुवार को आरआईसी में प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त के साथ एलओआईधारकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि नए प्रावधानों में एलओआई धारकों द्वारा जितनी जल्दी खानों को परिचालन में लाया जाएगा उतना ही अधिक लाभ खानधारकों को होगा। उन्होने कहा कि इसके लिए प्रोत्साहन के प्रावधान किये गये हैं।

गोयल ने राजस्थान में मेजर मिनरल माइंस के ऑक्शन और प्री एम्बेडेड खानों की ऑक्शन प्रक्रिया शुरु करने की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में राजस्थान माइनिंग सेक्टर से रेवेन्यू के क्षेत्र में भी अग्रणी प्रदेश बन जाएगा। उन्होंने आवश्यक अनुमतियां प्रदान करने वाली संस्थाओं से व्यावहारिक रुख अपनाने की आवश्यकता प्रतिपादित की वहीं प्रीएम्बेडेड की तर्ज पर ही पुरानी नीलाम खानों को परिचालन में लाने के लिए राज्य सरकार स्तर से भी सहयोग और मार्गदर्शन पर जोर दिया। उन्होंने एलओआईधारकों से भी आवश्यक औपचारिकता पूरी करने में अनावश्यक देरी नहीं करने का स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एलओआईधारकों से संवाद कायम करने के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने बताया कि राजस्थान में 112 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। भविष्य में नीलाम होने वाले माइनिंग ब्लॉकों के नीलामी से पहले ही चरागाह, वन कन्वर्जन आदि इसी तरह की आने वाली समस्याओं को दूर करते हुए ब्लॉक बनाने के प्रयास किए जाएंगे जिससे आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने मे एलओआई धारक अनावश्यक परेशानियों से बच सके।

श्री रविकान्त ने बताया कि इस वर्ष 21 ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी हैं और 8 प्री एम्बेडेड ब्लॉकों सहित 26 ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि राजस्थान विपुल और विविध प्रकार के खनिज संपदा वाला प्रदेश हैं।

राज्य सरकार द्वारा माइनिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। नई खनिज नीति, एम. सेण्ड नीति के साथ ही प्रक्रिया को सरल किया गया है। इसके साथ ही एलओआईधारकों को सहयोग व मार्गदर्शन के लिए अलग से सेल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि एलओआईधारकों व संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय के लिए दो कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं वहीं निरन्तर मोनेटरिंग की जा रही है।

- भविष्य में नीलाम होने वाले माइनिंग ब्लॉकों के नीलामी से पहले ही चरागाह, वन कन्वर्जन आदि इसी तरह की आने वाली समस्याओं को दूर करते हुए ब्लॉक बनाने के प्रयास किए जाएंगे : टी. रविकांत

केन्द्रीय खान उप सचिव आशीष सक्सेना, पीसीएफ पीके उपाध्याय, अरुण प्रसाद, सदस्य सचिव सीया विजय एन, निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, उप सचिव राजस्व, आईबीएम के अभय अग्रवाल, अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, एडीजी आलोक प्रकाश जैन सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही एलओआईधारकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आबकारी आयुक्त और वित्त सचिव आकर बताए इंटरनेशनल प्लेयर को क्यों नहीं दी नियुक्ति?

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाइकोर्ट ने अंतर्राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी को आउट ऑफ टर्न अपॉइंटमेंट रूल्स, 2017 के तहत सहायक आबकारी अधिकारी के पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आबकारी आयुक्त और वित्त सचिव को 26 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अफसरों से पूछा है कि पैरालंपिक सहित अन्य प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले याचिकाकर्ता को नियुक्ति की सिफारिश के बावजूद नियुक्ति क्यों नहीं दी गई। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश निहाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- राजस्थान हाइकोर्ट ने अंतर्राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी को आउट ऑफ टर्न अपॉइंटमेंट रूल्स, 2017 के तहत सहायक आबकारी अधिकारी के पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा की गत सुनवाई पर राज्य सरकार की ओर से मामले में सकारात्मक निर्णय लेकर 2 सप्ताह में अदालत में जानकारी पेश करने को कहा था, लेकिन राज्य सरकार की ओर से तय अवधि में कोई जानकारी नहीं दी गई।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया की याचिकाकर्ता 26 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय पैरा एथलीट है और 41 फीसदी लोकोमोटर दिव्यांग है। याचिका में कहा गया कि उसने एशियन पैरा गेम्स, 2023 और पेरिस पैरालंपिक, 2024 में प्रतिनिधित्व करते हुए कई विश्व पैरा शूटिंग प्रतियोगिताओं में करीब 20 मैडल जीते हैं।

इनमें वर्ल्ड चैम्पियनशिप गोल्ड मैडल भी शामिल है। राज्य के खेल विभाग ने 29 सितंबर, 2023 को आउट ऑफ टर्न अपॉइंटमेंट रूल्स, 2017 के तहत उसका ए श्रेणी में चयन करते हुए उसे सहायक आबकारी अधिकारी की साल 2023-24 की रिक्तियों के विरुद्ध नियुक्ति देने की सिफारिश की। इसमें कहा गया कि यदि पद रिक्त नहीं हैं तो पद का सृजन मान लिया जाए। इस पत्र को 11 अक्टूबर, 2023 को आबकारी विभाग को भेजा गया, लेकिन विभाग ने दिव्यागों के लिए पदों की पहचान नहीं होने का हवाला देते हुए अब तक उसे नियुक्ति नहीं दी। याचिका में बताया गया की राज्य दिव्यांग आयोग में आबकारी विभाग ने स्वीकार किया है कि बीते तीन सालों से दिव्यागों के लिए कोई भी पद पहचान प्रक्रिया नहीं की गई है, यह भी दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 33 और धारा 34 के साथ ही इस संबंध में साल 2018 में बनाए नियमों के खिलाफ है।

याचिका के अदालत को बताया गया कि याचिकाकर्ता के समान मामले में पूर्व में अन्य पैरा एथलीट अवनी लखेरा,सुंदर गुर्जर और देवेंद्र झाझडिया को एसीएफ के पद पर नियुक्ति दी गई थी, जबकि उस समय भी वह पद दिव्यागों के लिए निर्धारित नहीं था। याचिकाकर्ता ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है, लेकिन अफसरों की उपेक्षा के कारण उसे आजीविका और सम्मान से वंचित किया जा रहा है। जिस सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों अधिकारियों को हाजिर होकर जवाब देने को कहा है।

फर्जी निवेश वेबसाइट चलाकर 3500 करोड़ से अधिक की ठगी का पर्दाफाश

पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया, तीन लाख से अधिक लोगों को शिकार बनाया था

भरतपुर/जयपुर। भरतपुर पुलिस ने एक विशाल फर्जी निवेश नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस नेटवर्क ने देशभर के तीन लाख से अधिक भोले-भाले निवेशकों से 3500 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की थी। पुलिस ने इस मामले में गिरोह के पांच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनसे भारी मात्रा में संपत्ति जब्त की है।

जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगत आनंद के निर्देशन में वृत्ताधिकारी भरतपुर शहर पंकज यादव, आईपीएस की गठित टीम ने यह प्रभावी कार्रवाई की। इस फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब 12 नवंबर को थाना मथुरा गेट पर एक मुकदमा दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया कि एक फर्जी निवेश वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन क्रिप्टो करेंसी एवं विदेशी बाजारों (फॉरेक्स) में उच्च लाभ, बोनस और अतिरिक्त प्रलोभन का झांसा देकर लोगों से निवेश करवा रही थी। जांच में पाया गया कि यह कंपनी भारत में सेबी, आरबीआई, एमसीए या किसी भी सक्षम प्राधिकरण से पंजीकृत नहीं थी।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में संपत्ति जब्त की।

रूस का दावा, संचालन जयपुर से :- अनुसंधान के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। वेबसाइट खुद को 2016 से रूस में संचालित होना बताती थी, लेकिन पुलिस ने खुलासा किया कि इसका वास्तविक संचालन नवंबर 2022 में जयपुर से शुरू किया गया था। इस फर्जी नेटवर्क के निर्माण और संचालन की मुख्य भूमिका में संदीप सिगर और रजत शर्मा नामक व्यक्ति पाए गए। वेबसाइट 47 लाख उपयोगकर्ताओं और 4.3 बिलियन डॉलर फंड प्रबंधन का झूठा दावा कर रही थी, जबकि वास्तविक जांच में लगभग 4.7 लाख उपयोगकर्ता सामने आए, जिनसे जमा की गई वास्तविक राशि 350 मिलियन डॉलर (लगभग 3100 करोड़ रुपये) निकली। यही समूह एक और फर्जी निवेश वेबसाइट भी चला रहा था, जिसके माध्यम से लगभग 9000 उपयोगकर्ताओं से 58 मिलियन डॉलर (500 करोड़ रुपये से अधिक) की ठगी की गई थी।

- पुलिस ने लगभग 40 लाख नकद, सोने के जेवर, 5 लग्जरी वाहन और लगभग 40 लाख रुपये मूल्य की क्रिप्टो करेंसी जब्त की

आरोपी गिरफ्तार, करोड़ों की संपत्ति जब्त :- भरतपुर पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लगभग 40 लाख रुपये नकद, सोने के जेवरात, 5 लग्जरी वाहन और लगभग 40 लाख रुपये मूल्य की क्रिप्टो करेंसी जब्त की है। यह कार्रवाई अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम 2019 और बीएनएस की धाराओं के तहत की गई है। इस पूरी कार्रवाई में वृत्त कार्यालय भरतपुर शहर के कांस्टेबल सोनू मीना की विशेष भूमिका रही।

इस विशेष गठित टीम में एसआई मथुरा गेट बलराम यादव, एएसआई हरगोपाल, थाना कोतवाली से एएसआई चंद्रशेखर, सीओ सिटी कार्यालय से एएसआई हिम्मत सिंह, हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह, कांस्टेबल सोनू मीणा, देवेंद्र सिंह, भरत, थाना साइबर से कांस्टेबल कुंवर पाल, थाना अटलबंध से कांस्टेबल अंकित, थाना कोतवाली से कांस्टेबल विश्वेंद्र सिंह एवं साइबर सेल भरतपुर की टीम शामिल थे, जिन्होंने यह बड़ी सफलता हासिल की।

कोयला माफ़िया ने 20 बीघा चरागाह भूमि से हरे वृक्ष उखाड़े

- बताया जा रहा है कि माफ़िया ने जेसीबी से 200 बीघा चरागाह में से लगभग 20 बीघा भूमि पर लगे विलायती बबूल के हरे वृक्षों को जड़ से उखाड़ दिया
- माफ़िया की मनमानी के कारण, ज़रूरतमंद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और असंतोष फैल रहा है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद क्षेत्र के बालापुरा ग्राम में कथित तौर पर कोयला माफ़िया के बेखौफ इरादों ने सार्वजनिक चरागाह भूमि की हरियाली को नष्ट कर दिया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया है। बताया जा रहा है कि माफ़िया ने जेसीबी मशीनों का इस्तेमाल कर 200 बीघा चरागाह में से लगभग 20 बीघा भूमि पर लगे विलायती बबूल (बम्बूल) के हरे वृक्षों को जड़ से उखाड़ दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, यह अवैध गतिविधि यहीं नहीं रुक रही है और माफ़िया शेष चरागाह भूमि की हरियाली को भी नष्ट करने पर तुला हुआ है। स्थानीय लोगों ने माफ़िया को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी भी चेतावनी या विरोध को अनसुना कर रहा है। वहीं ग्रामीण ने बताया कि चरागाह भूमि हमारे पशुओं के लिए जीवनरेखा है। माफ़िया ने खुलेआम पेड़ों को उखाड़ दिया है। विरोध करने पर भी वह नहीं रुक रहा, जिससे हमारी हरियाली पूरी तरह से नष्ट हो रही है।

मामले की गंभीरता तब और बढ़ जाती है जब यह पता चला कि माफ़िया न केवल हरियाली को नष्ट कर रहा है, बल्कि ग्रामीणों को अपने आवारा पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए साधारण बाड़ (मेढ़/बाढ़) लगाने से भी रोक रहा है। ज़रूरतमंद आदमी, जिनके पशुओं को खुले में रखने की समस्या है, उन्हें माफ़िया के इस कृत्य से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। माफ़िया की मनमानी के कारण, ज़रूरतमंद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और असंतोष फैल रहा है। इस गंभीर स्थिति ने ग्रामीणों को स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाने के लिए मजबूर कर दिया है, क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को उखाड़ने के बावजूद, अब तक माफ़िया के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

बेटे की शादी से पांच दिन पहले पिता की हार्टअटैक से मौत

- रिश्तेदारों के साथ जमकर डांस किया, थके तो कुर्सी पर बैठे, फिर नहीं उठे

बीकानेर, (निसं)। यहां बेटे की शादी से पांच दिन पहले पिता की हार्टअटैक से मौत हो गई। बेटे की शादी की खुशी में रिश्तेदारों के साथ पिता नाच रहे थे। नाचने के बाद वे थक कर कुर्सी पर बैठ गए। कुर्सी पर बैठे-बैठे ही उनको हार्ट अटैक आया और वहीं बेसुध हो गए। परिजन उनको पीबीएम हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर्स ने प्रारंभिक तौर पर साइलेंट हार्ट अटैक से मौत होना बताया है।

घटना से कुछ देर पहले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे परिवार के साथ डांस करते दिखाई दे रहे हैं। डांस करने पर पूनमचंद थक गए तो उन्होंने नाचने से मना कर दिया, लेकिन लोगों की फरमाइश पर फिर नाचने लगे। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रजापत ने बताया कि पूनम चंद प्रजापत (57) निवासी बंगलानगर के बेटे पंकज की 25 नवंबर को शादी होनी है। घर में मांगलिक आयोजन में बहन-बेटियां और परिवार के सदस्य शामिल होने पहुंच गए। बुधवार को दोपहर करीब 1.30 बजे पूनमचंद घर में शादी की खुशी में चल रहे नाच-गाने में शामिल थे। उन्होंने परिवार के लोगों के साथ खूब डांस किया। जब वह थक गए तो एक कुर्सी पर जाकर बैठ गए। थोड़ी देर बाद ही वह कुर्सी पर बैठे-बैठे बेसुध हो गए। पूनमचंद के अचानक बेसुध होने पर परिजन घबरा गए। वह पूनमचंद को लेकर पीबीएम के हल्दीराम हार्ट हॉस्पिटल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उनको मृत घोषित कर दिया। पूनमचंद के निधन की सूचना मिलते ही शादी वाले घर में मातम छा गया। उनकी बेटियां अंजू और राजू भी बेसुध हो गईं। पूनमचंद का बेटा पंकज बुधवार को जयपुर में था, उसे गुरुवार को बीकानेर आना था। पूनमचंद की मौत के बाद उसे जानकारी दी गई और तुरंत बीकानेर बुलाया गया।

प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू

- दो पारियों में चल रही इन परीक्षाओं में करीब 27 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं
- क्लास 9 से 12 के लिए प्रदेशभर में एक ही पेपर, बोर्ड पैटर्न पर हो रहे हैं एग्जाम

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग की समान परीक्षा योजना के तहत गुरुवार से प्रदेशभर के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में नौवीं से बारहवीं तक हाफ इयरली परीक्षाएं एकसमान टाइम-टेबल के साथ शुरू हो गईं। दो पारियों में चल रही इन परीक्षाओं में करीब 27 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। सुबह की पारी के बाद दोपहर डेढ़ बजे से दूसरी पारी शुरू हो चुकी है। पहली ही दिन स्टूडेंट्स ने अनिवार्य अंग्रेजी का पेपर दिया, जबकि शुक्रवार को दसवीं में विज्ञान और ग्यारहवीं-बारहवीं में हिन्दी का अनिवार्य पेपर होगा।

राज्यभर में पहली पारी 9:30 से 12:45 बजे तक आयोजित हुई, जबकि दूसरी पारी 1:15 से 4:30 बजे तक ली जा रही है। पेपर बोर्ड पैटर्न पर तैयार किए गए हैं और उन्हें सील-पैक तरीके से परीक्षा केंद्रों तक भेजा जा रहा है। प्राइवेट स्कूलों को पेपर सीधे नहीं दिए जा रहे हैं बल्कि सरकारी स्कूलों को नोडल एजेंसी बनाया गया है। अधिकृत व्यक्ति को ही परीक्षा से कुछ देर पहले पेपर उपलब्ध कराया जा रहा है। एक ही दिन, एक ही समय और एक ही पेपर से परीक्षा होने के कारण नौवीं से बारहवीं तक के छात्रों को बोर्ड जैसा अनुभव मिल रहा है। शिक्षा विभाग का उद्देश्य छात्रों को बड़े एग्जाम के लिए मानसिक रूप से तैयार करना है।

शहर के कई स्कूलों में छात्रों की अनुपस्थिति देखने को मिल रही है। एक प्राइवेट स्कूल संचालक मनोज व्यास के अनुसार, 22 नवंबर और 30 नवंबर को बड़े पैमाने पर विवाह समारोह होने के कारण बच्चे घर से बाहर हैं। कई विद्यार्थी दो से चार पेपर तक मिस कर रहे हैं, जिससे टीचर्स ने परीक्षा की तारीख तय करते समय इस पहलू पर विचार न करने को लेकर विभाग पर सवाल उठाए।

पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय की ओर से आयोजित इस समान परीक्षा में इस बार 27 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। कक्षा 9 से 12 तक के सभी छात्रों के लिए एक-समान पेपर प्रकाशित करवाए गए हैं।

मजदूर परिवार की किशोरी से दुष्कर्म, पड़ोसी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। यहां बीछवाल थाना क्षेत्र की एक आवासीय कॉलोनी में 14 साल की किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दुष्कर्म करने वाला किशोरी का पड़ोसी है।

बीछवाल थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में बिहार का रहने वाला परिवार मजदूरी कर अपना गुजारा कर रहा है। परिवार में पति-पत्नी, 10 साल का बेटा और 14 साल की बेटी है। पति-पत्नी एक फैक्टरी में काम करते हैं। आरोप है कि 16 नवंबर को फैक्ट्री की छुट्टी थी। पति-पत्नी घर का सामान लेने बाजार गए थे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला अर्जुनराम किशोरी को जबरन अपने कमरे में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी की आंखों में कुछ विकार है। पति-पत्नी घर पहुंचे तो वारदात का पता चला। किशोरी ने उन्हें बताया कि आरोपी ने पूर्व में भी बार-बार उसके साथ दुष्कर्म किया है। परिजनों ने बीछवाल थाना पुलिस को रिपोर्ट दी तो पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर किशोरी का मेडिकल कराया गया। पुलिस ने अर्जुनराम को गिरफ्तार कर लिया है।

14 साल की युवती के साथ पड़ोस में रहने वाले युवक की ओर से बार-बार दुष्कर्म किए जाने की गंभीर वारदात में पुलिस ने गुपचुप तरीके से कार्रवाई की। परिजन पुलिस के पास पहुंचे तो मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोप प्रमाणित पाए जाने पर अर्जुनराम को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। महिलाओं पर अपराध संबंधी इस मामले में पुलिस ने इतनी गोपनीयता बरती कि किसी को पता ही नहीं चलने दिया।

दस दिन तक मौसम शुष्क रहने की उम्मीद

बीकानेर, (निसं)। यहां सर्दी बढ़ रही है लेकिन इस रफ्तार अगले कुछ दिनों तक थम सकती है। मौसम विभाग ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले दस दिन तक मौसम शुष्क रहने की उम्मीद जताई है, साथ ही तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना भी है।

बीकानेर में इन दिनों न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच है, वहीं अधिकतम पारा 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। ऐसे में आने वाले दस दिन तक कमोबेश इतना ही पारा रह सकता है। जिले के मौसम में तरह-तरह का असर दिख रहा है। सुबह और रात के तापमान में बड़ा अंतर सामने आ रहा है। सुबह दस बजे तक जहां 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास तापमान रहा, वहीं रात को ये 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आज भी दिन में हल्की धूप रहने और आसमान में बादल दिख सकते हैं।

शाम-रात में फिर से सर्दी रहेगी। न्यूनतम तापमान दस से बारह डिग्री सेल्सियस के बीच ही रहने की उम्मीद है। शहर की हवा बहुत खराब स्थिति में पहुंच गई है। बीकानेर में एक्यूआई लगभग 163-174 तक मापा गया है, जो खराब श्रेणी में दर्ज होता है।

पिछले लंबे अर्से से बीकानेर में एक्युआई बहुत ही खराब स्थिति को दर्ज करा रहा है, लेकिन इससे सुधार की फिलहाल कोई स्थिति नजर नहीं आ रही है। कोई प्रशासनिक प्रयास भी नहीं है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर खेत में ड्रोन मिला

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर रामगढ़ नहरी इलाके के खेत में ड्रोन मिला है। सूचना मिलने के पश्चात पुलिस, वायुसेना और सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार रामगढ़ नहरी क्षेत्र में स्थित एक खेत में गुरुवार दोपहर ड्रोन मिला। स्थानीय किसान ने खेत में इसे देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस एएसआई प्रेमशंकर ने बताया कि हमें सूचना मिली की खेत में एक ड्रोन गिरा है। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे और ड्रोन के आसपास से भीड़ को हटाया। सूचना पर दोपहर 3 बजे भारतीय वायुसेना और सेना की टीम मौके पर पहुंची। सेना से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय वायुसेना का यूएवी तकनीकी खराबी के कारण एक खेत में गिरा। यह यूएवी अपने नियमित अभ्यास उड़ान पर था, तभी इसमें तकनीकी समस्या आ गई। वायुसेना की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। ड्रोन ने जमीन पर गिरने के बाद कई फीट तक स्लाइड करते हुए मिट्टी में खिंचाव बनाए। इसके आगे वाला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पंख और पिछले हिस्से के फिन्स सुरक्षित हैं। ड्रोन किसी सर्विलांस, रिकॉर्डिंग या तकनीकी निगरानी मिशन में काम आने वाला मॉडल है।

रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी से 46.39 लाख की सायबर ठगी

शेयर मार्केट में रिटर्न का झांसा देकर ठगी की, पीड़ित ने पुलिस में दी शिकायत

अजमेर, (निसं)। अजमेर में गुरुवार सायबर अपराधियों ने रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी को ठगी का शिकार बनाया, शातिरों ने शेयर मार्केट में भारी मुनाफे का लालच देकर 46 लाख 39 हजार रुपए ठगे। शातिर ठगों ने फेसबुक एड के जरिए संपर्क साधा और पीड़ित को फर्जी एप डाउनलोड करवाकर बैंकिंग जानकारी हासिल कर ली। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सायबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कराया है, पुलिस मामले की जांच जुट गई है।

सायबर थाना पुलिस के अनुसार चंद्रवरदाई नगर निवासी इफ्तेखार अहमद सिद्दीकी रेलवे से सेवानिवृत कर्मचारी हैं। सिद्दीकी ने दर्ज मुकदमे में बताया कि फेसबुक पर शेयर बाजार को लेकर एक विज्ञापन देखा और उसमें हां करने पर उसे व्हाट्सएप मैसेज मिला। मैसेज में दावा किया गया कि वह प्रतिदिन 10 से 30 प्रतिशत तक मुनाफा कमा सकता है। इसके बाद ठगों ने पीड़ित को यह कहते हुए फुसलाया कि यदि उसे शेयर मार्केट की समझ नहीं है तो वे उसे विशेषज्ञों के जरिए गाइड किया जाएगा। ठगों ने बातचीत कर झांसे में लेकर उनसे प्ले स्टोर से एक ऐप डाउनलोड करवाया। ऐप डाउनलोड करने के बाद उनसे बैंक डिटेल्स और व्यक्तिगत जानकारी अपलोड करवाने को कहा गया।

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उसे एक व्हाट्सऐप ग्रुप में शामिल किया गया,जहां रोजाना हाई प्रॉफिट स्कीम और फर्जी सफलता के स्क्रीनशॉट शेयर किए जाते थे। इस पर विश्वास कर उसने उनके बताए अनुसार अलग-अलग रुपए भेजने शुरू किए। 11 ट्रांजैक्शन के जरिए उससे 46 लाख 39 हजार रुपए विभिन्न बैंक खातों में जमा करवाए गए। पुलिस जांच में सामने आया कि ठगों ने उसे 11 अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क किया और चार संदिग्ध बैंक खातों में रकम डलवाई। जब पीड़ित ने मुनाफे की राशि निकालने का प्रयास किया, तो ऐप ने काम करना बंद कर दिया। इसके बाद ठगों ने सभी नंबर स्विच ऑफ कर दिए। तब जाकर उसे ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित की शिकायत पर सायबर थाना पुलिस ने सायबर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच रामगंज थाना प्रभारी रवीश सामरिया को सौंपी गई है।

झोंपड़े में आग लगने से मासूम जिंदा जली

बज्जू, (निसं)। रणजीतपुरा थाना क्षेत्र के डेहरिया (बरसलपुर) के चक 2 बीएलएसएम में आग लगने से एक झोंपड़ा जल गया। इस घटना में चिमनाराम जाट की दो साल की बेटी मोनिका की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी भी मौके पर पहुंचे। विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने घटना को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलते ही वे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। विधायक ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और आमजन से आर्थिक सहयोग भी करवाया। उन्होंने राज्य सरकार स्तर से भी विशेष आर्थिक सहायता दिलाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

बदमाशों ने युवक के सीने में गोली मारी

- बदमाशों ने पहले मोबाइल, नकदी और बाइक छीनने की कोशिश की

भीलवाड़ा, (निसं)। अजमेर-भीलवाड़ा हाईवे नंबर 48 पर रायला थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह नकाबपोश दो बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति को लूट की नीयत से गोली मार दी। घटना उस समय हुई जब इंदौर निवासी मानसिंह (45) रायला थाना के पास सड़क किनारे शौच के लिए रुका था। इस दौरान पीछे से आए दो अज्ञात बदमाशों ने उससे मोबाइल, नकद राशि और बाइक छीनने की कोशिश की। जब मानसिंह ने विरोध किया तो बदमाशों ने उसके सीने में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगने से मानसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर रायला पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उदयपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर एफएसएल टीम भी भीलवाड़ा से घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। शाहपुरा के एडिशनल एसपी, गुलाबपुरा सीओ और रायला थाना अधिकारी बछराज चौधरी ने टीम के साथ मौके का मुआयना किया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

मंदबुद्धि महिला से दुष्कर्म करने वाले को गार्ड को आजीवन कारावास

न्यायालय ने दोषी पर 50 हजार का जुर्माना लगाया

- जज हिमांकनी गौड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि एक रक्षक ही भक्षक बन गया, इस अपराध की प्रकृति को देखते हुए सजा में नरमी का रुख अपनाया जाना उचित नहीं है, क्योंकि इससे समाज पर गलत प्रभाव पड़ेगा

अलवर, (निसं)। अलवर के विशिष्ट न्यायालय पॉक्सो कोर्ट ने मंदबुद्धि महिला से रेप करने वाले गार्ड को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

जज हिमांकनी गौड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि "एक रक्षक ही भक्षक बन गया। इस अपराध की प्रकृति को देखते हुए सजा में नरमी का रुख अपनाया जाना उचित नहीं है, क्योंकि इससे समाज पर गलत प्रभाव पड़ेगा।" न्यायालय ने दोषी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी पश्चिम बंगाल का रहने वाला था।

सरकारी वकील सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि यह मामला अलवर के विजय मंदिर थाना क्षेत्र का है। महिला (50) एक संस्थान में रहकर अपना जीवन यापन कर रही थी। नवंबर 2024 में वहीं पर गार्ड की नौकरी कर रहे सुरेश मुंडा (50) ने महिला को अकेली देख उसके साथ रेप किया। सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि रेप करते हुए संस्थान के दूसरे कर्मचारियों ने देख लिया। गवाहों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा 50 हजार रुपए के आर्थिक दंड से दंडित किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल का रहने वाला था।

सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि कोर्ट में यह तथ्य पेश किया गया कि आरोपी सुरेश एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। तब उसका इलाज भी इसी संस्थान में रहकर हुआ था। जब वह ठीक हो गया तो उसे गार्ड की नौकरी दे दी गई।

यहां संस्थान में बेसहारा महिला और पुरुष रहते हैं। गार्ड का काम वहां रहने वालों की सुरक्षा करना है। इसके बावजूद सुरेश ने मानसिक रूप से कमजोर महिला के साथ रेप किया, जिसके कारण कोर्ट ने उसे सजा देने में नरमी बरतना उचित नहीं समझा और आजीवन कारावास के अलावा आर्थिक दंड से भी दंडित किया।

लाखों के आभूषण व नकदी चोरी

पावटा, (निसं)। सरूण्ड थाना क्षेत्र के रघुनाथपुरा स्थित ब्राह्मणों के मोहल्ले में पुश्तैनी मकान में मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मामले को लेकर पीड़ित नीरज कुमार शर्मा ने बताया कि मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने पुश्तैनी मकान में चोरी की घटना को अंजाम देते हुए मकान में रखी तीन अलमारियों से नकदी व आभूषण चोरी कर फरार हो गए। एक अलमारी से अज्ञात चोरों ने 80 हजार नकद व जेवर, दूसरी अलमारी से 3 लाख नकद व जेवर व तीसरी अलमारी में भी जेवर, नकद दस हजार रुपए गुल्लक के चोरी कर ले गए।

वहीं अज्ञात चोरों ने पड़ोस में रहने वाले नरेंद्र मीणा पुत्र जगदीश मीणा के घर को भी निशाना बनाया हुआ है। वही लगे हुए सीसीटीवी फुटेज में अज्ञात चोर एक गाड़ी के साथ नजर आ रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज थाना पुलिस को भी सौंपा गया, लेकिन पुलिस का इतना सहयोग करने पर पुलिस के हाथ खाली हैं।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने हत्या के मामले में छह माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 15 मई को दीपाराम, लक्ष्मण, गणेशलाल, पन्ना, गिता तथा केसरबाई निवासी काड़ पुला नाल गोगुन्दा सभी बाइक पर गोगुन्दा जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में लोगों ने दिपाराम व लखमाराम उर्फ लक्ष्मण का रास्ता रोककर मारपीट कर तलवार से हमला कर दिया, जिससे दिपाराम की मौत हो गई थी तथा लक्ष्मण घायल हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी श्यामसिंह मय टीम ने तकनीकी अनुसंधान में मिले सांख्यों एवं मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी पप्पूराम पुत्र होमा निवासी नाल फला डामरावास गोगुन्दा को गिरफ्तार किया।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में गोल्ड मेडल आपूर्ति हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2526GSOB00047** है, जारी की गई है। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/14196 वित्त नियंत्रक

BHARATPUR DEVELOPMENT AUTHORITY, BHARATPUR

S. No:-Tech/BDA/2025-26/15964-75 Date :- 18-11-2025

EXPRESSION OF INTREST

Consultancy work for preparation of Detailed Project Report for Construction of BDA office building and staff quarters at Bharatpur

The Bharatpur Development Authority (BDA), Bharatpur Invites proposal for Preparation Of Consultancy work for preparation of Detailed Project Report for Construction of BDA office building and staff quarters at Bharatpur Detailed of EOI, eligibility criteria schedule and condition can be seen on https://eproc.rajasthan.gov.in from dated 19.11.2025 04:00 PM to 01.12.2025 at 4.00 pm.

UBN No.01. **WAQ2526SLOB00261**

राज.संवाद/सी/25/14207

Executive Engineer
BDA, Bharatpur

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER WATER RESOURCES CIRCLE AJMER

NO. 4179 Date: 13.11.2025

E-NIT NO. 08/2025-26

01 Bid are invited from interested bidders Upto 06.00 pm dated 11.12.2025 and technical bid will be opened on dated 12.12.2025 at 3.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 148.07 Lacs.

NIB NO. WRD2526A0524
UBN- WRD2526WSOB01523
DIPR/C/16921/2025

(Onkar Berwal)
Superintending Engineer
Water Resources Circle, Ajmer

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/201 - 203 Date :- 18/11/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 58/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 140.00 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	19.11.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 09.12.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	19.11.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 09.12.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	10.12.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट **urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur**, **www.eproc.rajasthan.gov.in** व **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526SLOB00335

राज.संवाद/सी/25/14189

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
उदयपुर विकास प्राधिकरण

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY
Rawatbhata Road, Kota -324021
Examination Department

No. :- VMOU/Exam/ 2025/1269 Date :- 18/11/2025

Notice Inviting E-Tender of
"Transportation of Confidential material and blank answer copies"
NIB No. 18 Date: 18-11-2025

University invites e-tender from the registered & reputed firms for "Transportation of Confidential material and blank answer copies" for University. The Estimated cost of the tender is Rs. 80.00 lacs. Tender will be available online from 20-11-2025 up to 01-12-2025 05:00 pm. on https://eproc.rajasthan.gov.in. Last date to fill tender online is 01-12-2025 Technical bid will be opened online on 02-12-2025 at 02:00 pm The bidders must send original D.D. of Tender form fees Rs. 2000/-, processing fees Rs. 1500/- and Bid Security DD for Rs. 160,000 last upto 01-12-2025 04:00 pm at the office of the undersigned. For further details, kindly visit websites **www.vmou.ac.in, https://eproc.rajasthan.gov.in and www.sppp.raj.nic.in {UBN Number: VMU2526SLRC00021}.** If any corrigendum generated/occurred, then it will be uploaded only on the above mentioned websites.

Raj.Samwad/C/25/14194 Controller of Examinations

नगर निगम में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र का खेल!

ठेकेदार को 44.90 लाख रु. का भुगतान, अफसरों ने जारी किया 46.59 लाख रु. का अनुभव प्रमाण पत्र

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम जयपुर में ठेकेदारों और अफसरों की मिलीभगत से "फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र" का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म को हैरिटेज नगर निगम वर्ष 2022-23 के बीच हुए एक टैंडर में 46.59 लाख रुपए का अनुभव प्रमाण पत्र दे दिया, जबकि फर्म को भुगतान ही 44.90 लाख रुपए का हुआ था। यह अनुभव ईदगाह क्षेत्र के आसपास पेड़-पौधों एवं लॉन लगाकर विकास एवं संधारण कार्य से संबंधित था। मजेदार बात यह है कि 15वें वित्त आयोग से अनुदान प्राप्ति में मिली रकम से इस कार्य की वित्तीय स्वीकृति ही 45 लाख रु. की जारी हुई थी। ऐसे में इस रकम से ज्यादा व्यय होना तो किसी हाल में संभव नहीं था।

इस फर्जीवाडे का खुलासा तब हुआ, जब जेडीए कमिश्नर आनंदी ने इस फर्म द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र की हैरिटेज नगर निगम से जांच करवाई। तत्कालीन उद्यान उपायुक्त ने इस अनुभव प्रमाण पत्र का फर्जीवाडा उजागर करते हुए वास्तविक रिपोर्ट तत्कालीन आयुक्त डॉ. निधि पटेल के समक्ष पेश की थी। परंतु हैरानी की बात यह है कि दोषी उद्यानविज्ञ, फर्म और अन्य अफसरों के खिलाफ कोई कार्रवाई ही नहीं की गई। इससे भी बड़ी धांधली यह है कि उपायुक्त की "सील" के साथ यह प्रमाण पत्र जारी हुआ, परंतु इस पर उपायुक्त के हस्ताक्षर थे ही नहीं।

सूत्रों के मुताबिक, पिछले दिनों जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने 1.88 करोड़ रु. एक निविदा जारी की थी, जिसमें महल रोड ग्रीन बैल्ट जगतपुरा आर.ओ.बी. से जीवनरेखा हॉस्पिटल चौराहे तक विकास और संधारण का 2 वर्ष का कार्य था। इस टैंडर में मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म ने यह 46.59 लाख रुपए का अनुभव प्रमाण पत्र पेश किया। इसके अलावा एक अन्य फर्म मैसर्स छोटेलाल वीरेन्द्र कुमार जैन फर्म ने भी 1.83 करोड़ रुपये का हैरिटेज निगम का अनुभव प्रमाण पत्र लगाया था। जेडीए की उद्यान शाखा ने मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म को तकनीकी जांच में असफल घोषित कर दिया और अफसरों को दूसरी फर्म को उपकृत करने का आरोप लगाया। मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म ने जेडीए कमिश्नर आनंदी के समक्ष अपील दायर की, जिस पर आयुक्त ने हैरिटेज निगम प्रशासन को दोनों अनुभव प्रमाण पत्र भेजकर पूरा स्पष्टीकरण मांगा।

जैसे ही यह मामला हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल के समक्ष पहुंचा तो उन्होंने तत्कालीन उद्यान उपायुक्त से इस मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। उपायुक्त ने जैसे ही दोनों फर्मों के अनुभव प्रमाण पत्र जांचे और उनके कार्यादेशों व भुगतान का विवरण देखा तो उन्होंने मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म की गड़बड़ी पकड़ ली। उन्होंने पाया कि, 15वें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान राशि में से 45 लाख रु. ईदगाह क्षेत्र के आसपास पेड़-पौधे और लॉन लगाकर विकास संधारण कार्य की निविदा जारी की गई थी। फर्म मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म को कुल 44 लाख 90 हजार 588 रुपए का भुगतान किया गया। जबकि इस फर्म को 4 जुलाई 2024 को 46 लाख 59 हजार 472 रुपये की "वर्क परफॉरमेंस" (कार्य अनुभव) संतुष्टिप्रद होने का प्रमाण पत्र जारी किया गया। उद्यान उपायुक्त की मोहर के साथ जारी इस अनुभव प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर ही नहीं थे। इससे भी बड़ा खेल यह हुआ कि, इस फर्म को 28.30 लाख रुपये का कार्यादेश जारी हुआ था, जिसे आरटीपीपी नियमों के मुताबिक 50 प्रतिशत से ज्यादा यानि कि 42.45 लाख रुपये से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता था। ऐसे में निगम प्रशासन द्वारा 44.90 लाख रुपये का किया गया भुगतान भी नियमों के विपरीत था।

इससे भी इस पर तत्कालीन उद्यान उपायुक्त ने 1 नवंबर को वरिष्ठ उद्यानविज्ञ छाजूराम को पत्र लिखकर इस इस अनुभव प्रमाण पत्र की पुष्टि करने के लिए कहा। इसके बाद 4 नवंबर को वरिष्ठ सहायक सुषमा वर्मा को भी पत्र जारी करके इस अनुभव प्रमाण पत्र से संबंधित नोटशीट और अन्य दस्तावेज भी मांगे थे। यह फर्जीवाडा उजागर होने के बाद हैरिटेज निगम प्रशासन ने अपनी वास्तविक रिपोर्ट जेडीए कमिश्नर आनंदी के समक्ष भेजी थी, जिस पर आनंदी ने 19 नवंबर को आदेश जारी करके मैसर्स रामकल्याण चौधरी फर्म की अपील खारिज की। साथ ही उद्यानविज्ञ द्वारा इस फर्म को तकनीकी जांच में बाहर करने के निर्णय को भी सही माना।

- **जेडीए की 1.88 करोड़ रु. की निविदा में प्रस्तुत इस फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र की जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी ने हैरिटेज निगम से जांच करवाकर स्पष्टीकरण मांगा तो अफसरों की पोल खुली**
- **हैरिटेज निगम की तत्कालीन उद्यान उपायुक्त ने पकड़ी थी यह कारस्तानी, वास्तविक रिपोर्ट सामने आने के बावजूद भी दोषी फर्म और अफसरों पर कार्रवाई नहीं कर रहा प्रशासन**

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जयपुर में उग्र प्रदर्शन

मुख्यमंत्री निवास पर कूच कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने शहीद स्मारक पर रोका तो हुई धक्का-मुक्की

पुलिस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर रोककर वाटर कैनन से रोका।

जयपुर। पुलिस शहीद स्मारक पर बुधवार को युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी, बदहाल कानून व्यवस्था और फसल खराबे के मुआवजे की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन उग्र प्रदर्शन करते हुए सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर कूच करने का प्रयास किया। परंतु भारी पुलिस जाब्ते ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड्स लगाकर रोक लिया। जिसके बाद युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए। इसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। जिसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए वाटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए , युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभानु चिब, प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कांग्रेस नेता अभिमन्यु पूनिया ने कहा- सरकार से आम आदमी परेशान है। कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा की छापेमारी कर रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने राजस्थान में बीएलओ के सुसाइड करने के मुद्दे पर सरकार को घेरा। वहीं कोटपूतली-बहरोड जिला के युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश जींदड़ ने भी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऐसा माना जा रहा है कि राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवासी का घेराव नहीं कर पाए। जिसके पीछे दो मुख्य कारण साफ नजर आए। पहला कारण तो यह रहा की समय रहते ही पुलिस शहीद स्मारक पर प्रदर्शकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पुख्ता इंतजाम कर रखे थे। वहीं दूसरा कारण ये रहा कि पिछली बार हुए उग्र प्रदर्शन की तरह इस बार राजस्थान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की भीड़ कम नजर आई। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मुख्यमंत्री निवास के घेराव का कार्यक्रम महज प्रदर्शन के 15 मिनट के दौरान ही समाप्त हो गया। प्रदर्शन के दौरान कोटपूतली -बहरोड जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश जींदड़ ने बीजेपी पर वोटों की हेराफेरी का आरोप लगाते हुए बिहार में सरकार बनाने की बात कहीं।

ओसवाल सोप ग्रुप के लक्की-ड्रा में राहुल शर्मा को मिली एस.यू.वी. कार

ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से गुरूवार को प्रथम पुरस्कार के तौर पर विजेता चौमूं निवासी 'राहुल किराना' के संचालक राहुल शर्मा को ग्रैंड विटारा कार की चाबी सौंपी गई।

जयपुर। ओसवाल सोप ग्रुप की ओर से बीते दिनों 'ओसवाल सोप ग्रुप का लक्की ड्रा 2024-25' का भव्य आयोजन जयपुर के आगरा रोड, रिंग रोड प्रोजेक्ट के पास स्थित बगराना स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में किया गया था।

इसमें बुधवार को प्रथम पुरस्कार विजेता चौमूं के राहुल किराना के राहुल शर्मा को ओसवाल सोप ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय जैन एवं सौरभ जैन ने पुरस्कार स्वरूप ग्रैंड विटारा कार की चाबी भेंट की। यह कार्यक्रम ओसवाल सोप के चौमूं क्षेत्र में अधिकृत डीलर सिंगोदिया डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा आयोजित किया गया। पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम में रोड शो निकाला गया। इस दौरान विजेता दुकानदार भाइयों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी तथा चोमू क्षेत्र के एसएचओ प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि ओसवाल सोप ग्रुप राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय कर रहा है और गुणवत्ता व सेवा के लिए जाना जाता है।

सीवर लाइन में काम करते वक्त दो मजदूर दबे, एक की मौत

हादसे के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे स्थानीय छात्रों ने किया रेस्क्यू, देरी से पहुंची एंबुलेंस में नहीं मिले जरूरी उपकरण

जयपुर। श्याम नगर इलाके में हीरापुरा 200 फीट बाईपास स्थित सुंदर नगर में दो मजदूरों को बिना सुरक्षा उपकरणों को सीवर लाइन में काम करना भारी पड़ गया। मिट्टी में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं दूसरे का हाथ फ्रेक्चर हो गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद सुंदर नगर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिसके बाद स्थानीय कुछ छात्रों ने मौके पर पहुंच कर राहत कार्य शुरु किया और दोनो मजदूरों को रेस्क्यू कर मिट्टी से बाहर निकाला। लेकिन मौके पर पहुंची एम्बुलैंस में जरुरी उपकरण नहीं होने के कारण मजदूर को जान से हाथ धोना पड़ा।

इस मामले में स्थानीय लोगों ने बताया की मिट्टी में दबे मजदूरों को चार छात्रों ने बाहर निकाला । जिसमें करीब डेढ़ घंटा लगा। जबकि मामले की सूचना पुलिस को तुरंत दे दी गई थी। लेकिन पुलिस प्रशासन मौके पर डेढ़ घंटे बाद पहुंचा। जब दोनो मजदूरों को बाहर निकाला गया तो उनकी सांस चल रहीं थी। लेकिन मौके पर पहुंची एम्बुलेंस में ऑक्सीजन और अन्य संसाधन नहीं थे। जिसके चलते एक मजदूर की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुंदर नगर में करीब 15 दिनों से सीवर लाइन का कार्य चल रहा था। जिसमें ठेकेदार ने बिना सुरक्षा उपरणों के बासंवाड़ा निवासी सुनील और दिनेश को काम पर लगा रखा था। गुरुवार शाम साढे 5 बजे सीवर लाइन दोनो मजदूर अचानक से मिट्टी में दब गए । मिट्टी में दबने बांसवाड़ज्ञ निवासी सुनील की मौत हो गई। वहीं दिनेश का हाथ फ्रैंक्चर हो गया। स्थानीय लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। छात्रावास के छात्र अंकित यादव, जयराम यादव, मोनू जाट और मोहित यादव ने मिट्टी में दबे मजदूरों को निकाला। छात्रों ने बताया कि इस दौरान काम करने वाले अन्य मजदूर या ठेकेदार ने मदद नहीं की। उन्होंने बताया कि जिस मजदूर की मौत हुई, जब हमने उसे निकाला, उस समय उसकी सांसें चल रही थी। युवकों ने बताया- हम चार लोग थे, जो इन दोनों मजदूरों को करीब डेढ़ घंटा में निकाला।

सार-समाचार

महिला टीआई ने लावारिश बच्ची को संभाला

जयपुर। चांदपोल में ड्यूटी कर रही ट्रैफिक महिला टीआई ने एक मां की तरह अपना फर्ज निभाते हुए लावारिश बच्ची को संभाला और आसपास उसके परिजनों की तलाश करने के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। लेकिन टीआई कविता शर्मा को इस मामले में कोई सफलता नहीं मिली तो उसने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लावारिश मिली बच्ची को जेके लोन अस्पताल में डॉक्टरों के निगरानी में रखवाया। टीआई कविता शर्मा को चांदपोल श्मशान घाट के बाहर एक नवजात बच्ची के लावारिश पड़े होने की सूचना मिली। जिसके बाद महिला पुलिसकर्मी ने अपना ड्यूटी पॉईट छोड़कर सबसे पहले लावारिश पड़ी बच्ची को संभाला और अपने कब्जे में लेकर जेके लॉन अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में रखवाया। ट्रेफिक महिला पुलिस कर्मी कविता शर्मा ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब पौने तीन बजे चांदपोल श्मशान घाट के बाहर विश्राम स्थली के पीछे एक नवजात बच्ची के लावारिश पड़ी होने की सूचना मिली थी। ड्यूटी के दौरान सूचना मिलने पर महिला ट्रेफिक पुलिस कर्मी ने मौके पर जाकर लाल कपड़े में लिपटी हुई रोती बच्ची को उठाया और मामले की सूचना संबंधित थाने को दी। बनीपार्क थाने के मौके पर पहुंचते ही कविता शर्मा ने लावारिश बच्ची को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। माना जा रहा है कि नवजात बच्ची का जन्म करीब 10 दिन होना प्रतीत हो रहा है और भूख के मारे में रो रहीं थी। नवजात को कुछ समय पहले ही कोई अज्ञात यहां छोड़कर फरार हो गया। नवजात का जन्म किसी हॉस्पिटल में हुआ है, उसकी नाल पर क्लिप लगी हुई मिली है।पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों के आधार पर अज्ञात माता-पिता की तलाश करने में जुटी है।

बच्चों ने उकेरी सड़क सुरक्षा की तस्वीरें

जयपुर। सड़क सुरक्षा नियमों की जागरुकता जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रोड सेफ्टी लाइन एनजीओ की ओर से पांचवी पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गत 17 से 19 नवंबर तक यह प्रतियोगिता जयपुर ज़िले के 60 विद्यालयों में आयोजित कराई गई, जहां करीब 3 हजार विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों में विभाजित की गई, जिनमें प्रथम वर्ग में कक्षा 3 से 5, दूसरे वर्ग में कक्षा 6 से 8 और तीसरे वर्ग में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की सभी प्रविष्टियाँ 21 नवंबर तक प्राप्त हो जाएंगी। इसके बाद पद्मश्री तिलक गिताई की अध्यक्षता में गठित निर्णायक मंडल इन प्रविष्टियों का मूल्यांकन करेगा। प्रत्येक वर्ग में तीन मुख्य पुरस्कार और 11 सांत्वना पुरस्कार चुने जाएंगे। विजेताओं को 4 हजार से 31 हजार रुपये मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स प्रदान किए जाएंगे।

हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद

जयपुर। मोती डूंगरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हरियाणा निर्मित अलग-अलग महंगे ब्रांड की अंग्रेजी शराब की 461 बोलत शराब का जखीरा बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित हरियाणा निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब को चोरी छिपे हरियाणा से लेकर जयपुर आता और फिर किराये के मकान में छिपाकर रखता था। इसके बाद ऑर्डर मिलने पर पार्सलो के माध्यम से बिक्री करता था। इस संबंध में आरोपी सोनू सरदार उर्फ गुरूदीप सिंह के खिलाफ अवैध भारी मात्रा में हरियाणा निर्मित शराब जब्त कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि मोती डूंगरी थाना पुलिस ने बीस दुकान आदर्श नगर जयपुर पूर्व में फरार आरोपी सोनू सरदार उर्फ गुरूदीप सिह के किराये के मकान से भारी मात्रा में अवैध हरियाणा निर्मित अलग-अलग महंगे ब्रांड की कुल 461 बोतल बरामद की है और साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी प्रयास किए जा रहे है।

1700 स्काउट गाइड लखनऊ में करेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व

राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने जंबूरी तैयारी शिविर का निरीक्षण किया।

जयपुर। राजस्थान का 1700 स्काउट गाइड का दल स्पेशल ट्रेन से 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता करने 21 नवम्बर को जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन से लखनऊ के लिए रवाना होगा।

भारत स्काउट व गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी की तैयारी के लिए आयोजित शिविर के अंतिम दिन समापन समारोह के अवसर पर जंबूरी में प्रस्तुत की जाने वाली गतिविधियों का प्रदर्शन और तैयारी देखकर समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने राजस्थान दल द्वारा अनुशासन धैर्य और समन्वय के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने हेतु शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद प्रदान किया। चतुर्वेदी ने बताया कि बाल्य काल में वे भी स्काउटिंग का अंग रहे जिससे जीवन का अनुशासन, संयम, अपना काम स्वयं करना आदि सीखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने बताया कि इस जंबूरी के समस्त संभागियो के भोजन का व्यय उत्तर प्रदेश सरकार वहन करेगी। इस कार्य के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्रीगण का बहुत-बहुत धन्यवाद अर्पित किया।

अमायरा को न्याय दिलाने के लिए 22 को शहीद स्मारक पर होगा उग्र प्रदर्शन

प्रैस कॉफ्रेंस कर अमायरा के माता-पिता और अभिभावक संघ ने नीरजा मोदी स्कूल की मान्यता रद्द करने और शिक्षकों पर कार्रवाई की मांग उठाई

जयपुर। मानसरोवर स्थित नीरजा मोदी स्कूल में 9 वर्षीय अमायरा की 1 नवंबर को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को 20 दिन बीत चुके हैं, परंतु निष्पक्ष जांच ना होने के चलते अभिभावकों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। अब 22 नंवबर को जयपुर स्थित शहीद स्मारक पर "अमायरा को न्याय" दिलाने के लिए उसके माता-पिता, परिजन और अन्य अभिभावक आक्रोश आंदोलन व कैंडल मार्च निकालेंगे।

मंगलवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब पर संयुक्त अभिभावक संघ द्वारा नीरजा मोदी स्कूल में घटे घटनाक्रम के संदर्भ में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें संघ के पदाधिकारियों सहित पहली बार सामूहिक तौर पर अमायरा के माता-पिता और परिजन भी शामिल हुए। वार्ता के दौरान अमायरा के माता-पिता विजय कुमार मीणा एवं शिवानी देव मीणा ने नीरजा मोदी स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों पर गंभीर आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन की अनदेखी और लापरवाही ने हमारी बच्ची छीन ली। उन्होंने मांग उठाई कि, नीरजा मोदी स्कूल की तत्काल मान्यता रद्द की जाए। जिम्मेदार शिक्षकों व प्रबंधन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जांच समिति में अभिभावक प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। जांच की गति तेज कर इसे निष्पक्ष व पारदर्शी बनाया जाए। सबूत नष्ट करने के मामले में स्कूल पर अलग से दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

अमायरा के माता-पिता गुरूवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से रूबरू हुए।

अमायरा के माता-पिता ने कहा कि यह दर्द केवल अमायरा का नहीं, हर उस बच्चे का है जो स्कूलों में असुरक्षित है। कोई और बच्चा अमायरा न बने- इसलिए अब यह लडाई हम सबकी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि 22 नवंबर को दोपहर 2 बजे शहीद स्मारक, गवर्नमेंट हॉस्टल पर आयोजित 'अमायरा को न्याय' प्रदर्शन में अवश्य शामिल होने का आव्हान किया। अमायरा के माता-पिता ने कहा कि, पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से अमायरा लगातार बुलिंग का शिकार हो रही थी। हमने कई बार शिकायत की, परंतु कभी भी ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अमायरा द्वारा शिक्षकों को बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद उसे ही दोषी ठहराया गया। घटना के बाद क्राइम सीन को धोकर सबूत नष्ट करना-मामले को और संदिग्ध बनाता है। घटना वाले दिन केवल अंतिम 30 मिनट में ही अमायरा ने शिक्षिका से 5 बार मदद मांगी, लेकिन उसे डांटकर या अनसुना कर दिया गया। हमारी बच्ची मदद मांगती रही, पर स्कूल ने उसे अकेला छोड़ दिया। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, एक मासूम की जिंदगी से खिलवाड़ है। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कहा- अमायरा जैसी बच्चियां इस व्यवस्था की जिम्मेदारी हैं।

20 दिन बाद भी आरोपियों को हिरासत में न लेना और जांच को स्कूल की सुविधा अनुसार चलाना अस्वीकार्य है। हम मांग करते हैं कि जांच समिति में अभिभावक प्रतिनिधि को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

ई-रिक्शा पर लगेंगे क्यूआर कोड, अवैध रोड कट भी बंद होंगे

ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक में जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने और हादसे घटाने के लिए निर्णय

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में गुरुवार को जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक हुई। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने से जुडे कई अहम निर्णय लिए गए। इनमें जब्त वाहनों की अस्थाई पार्किंग, ई-रिक्शा पर क्यूआर कोड, अवैध कट बंद करने, ब्लैक स्पॉट दुरुस्तीकरण और बस चालकों के प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण फैसले शामिल रहे।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में ट्रेफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक हुई।

बैठक में फैसला हुआ कि यातायात पुलिस द्वारा बड़ी संख्या में वाहनों के जब्त होने के बाद पार्किंग की समस्या सामने आ रही थी। बैठक में 22 गोदाम पुलिया के नीचे, बगराना, जलमहल-कनक घाटी के पास और किसान धर्मकाटा के निकट खाली जमीन पर अस्थाई पार्किंग विकसित करने का फैसला हुआ। इसके साथ ही यातायात पुलिस ने 200 चौराहों और तिराहों को चिह्नित किया है, जहां स्टॉप लाइन और जेब्रा क्रॉसिंग दुबारा डलवाई जाएगी।

बैठक में बताया गया कि जेडीए को यातायात पुलिस और परिवहन विभाग से मिले सर्वे में शहर की 77 सड़कें क्षतिग्रस्त पाई गईं। इनमें से 52 सड़कों का मरम्मत पूरी हो चुकी है, जबकि 14 सड़कों पर कार्य प्रगति पर है। बाकी सड़कों पर प्रक्रिया चल रही है।

बैठक में जयपुर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए क्यूआर कोड प्रणाली लागू करने का फैसला हुआ। जिससे बिना रजिस्ट्रेशन वाले रिक्शों का संचालन रुक जाएगा और ई-रिक्शा केवल निर्धारित जोन में ही चल पाएंगे। वहीं बढ़ते हादसों को रोकने के लिए दुर्घटना संभावित स्थानों (ब्लैक स्पॉट) को दुरुस्त करने के आदेश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि कई बस चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। ऐसे में जेसीटीएसएल चालकों के लिए नियमित प्रशिक्षण और कार्यशाला आयोजित की जाएंगी। उनसे यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि बसें केवल निर्धारित शेल्टर या स्टॉप पर ही रोकी जाए।

इसके साथ ही बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के लिए सर्वे कर नए पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएंगे। वहीं यातायात पुलिस द्वारा शहर के अवैध कटों को बंद किया जाएगा। जबकि चारदीवारी क्षेत्र में लोडिंग वाहनों की एंट्री टाइमिंग तय की जाएगी।

बैठक में सीबीआई फाटक से खो नागोरियान की ओर जाने वाली सड़क को चौड़ा करने के निर्देश दिए गए। वाहन पार्किंग आसान करने के लिए नए पार्किंग स्थल 90 डिग्री के बजाय 30 डिग्री एंगल पर बनाए जाएंगे। चारदीवारी क्षेत्र में रामनिवास पार्किंग की तर्ज पर शहर में अलग - अलग इलाकों में नई अंडरग्राउंड पार्किंग बनाने के लिए भूमि चिन्हित की जाएगी। वहीं शहर में औचक प्रवर्तन के लिए मोबाइल एनफोर्समेंट कैमरे उपयोग में लाए जाएंगे। 45 ट्रैफिक पॉइंट्स पर 130 महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

- **रामनिवास बाग की तर्ज पर शहर के अलग-अलग इलाकों में बनाई जायेगी भूमिगत पार्किंग**

Invention of the Phonograph

On November 21, 1877, Thomas Edison announced his invention of the phonograph, a revolutionary device that transformed the way humans recorded and experienced sound. The phonograph could capture audio vibrations on a cylinder and reproduce them, allowing music, speeches, and other sounds to be preserved and played back repeatedly. This invention marked the birth of sound recording technology, laying the foundation for the modern music and entertainment industry. Beyond its technical brilliance, the phonograph changed cultural life by making music accessible outside live performances, shaping communication, education, and the global appreciation of recorded sound.

#VELOSO SALGADO

Vasco da Gama Before the Samorim of Calicut

Salgado's composition is rich. Vasco da Gama is depicted at the center of the scene, clad in the finery of a European emissary

In this monumental oil painting from 1898, the Portuguese artist Veloso Salgado vividly reimagines one of the most iconic encounters in the history of global exploration: the moment when the famed navigator Vasco da Gama meets the Zamorin (Samorim) of Calicut on the Malabar Coast of India. This pivotal scene encapsulates the beginning of a profound shift in world history, the dawn of European imperial presence in Asia.

Salgado's composition is rich with symbolism and theatrical tension. Vasco da Gama is depicted at the center of the scene, clad in the finery of a European emissary, exuding a sense of resolve and authority. His posture is upright and assertive, a figure embodying ambition and national pride. He is flanked by attendants bearing gifts, banners, and richly adorned textiles, markers not only of wealth but of a burgeoning empire's self-perception. The Portuguese flag is prominently displayed, asserting both identity and intention.

In contrast, the Zamorin of Calicut is rendered with serene composure. Draped in luxurious fabrics and seated in an elevated position, he projects calm detachment, his expression unreadable. Around him are Indian courtiers, similarly composed, suggesting a court that is not easily impressed. The atmosphere is charged, not with overt hostility, but with a subtle and palpable diplomatic tension, two civilizations sizing each other up through ritual, symbolism, and ceremony.

While the painting may suggest a moment of respectful exchange, history tells a more ambivalent story. When Vasco da Gama presented the Portuguese gifts, modest by local standards, they were reportedly met with disappointment. The Zamorin and his court, long accustomed to dealings with wealthy Arab, Chinese, and Indian merchants, saw little reason to be impressed by these newcomers. The negotiations during this first voyage in 1498 ultimately faltered, and it would take future voyages, some marked by force, for the Portuguese to establish a more permanent foothold in India.

Yet, what Salgado captures is more than a diplomatic encounter; he depicts the symbolic birth of empire. The painting freezes a singular moment in time when two great cultures meet, not yet as conqueror and conquered, but as wary strangers attempting to interpret one another. It is a painting of beginnings, of ambition, misunderstanding, and the complex legacy of cross-cultural encounters that would shape the centuries to come.

Through his masterful use of light, composition, and gesture, Veloso Salgado elevates this historical scene to something mythic: a visual meditation on the forces of exploration, colonization, and cultural collision that define the Age of Discovery.

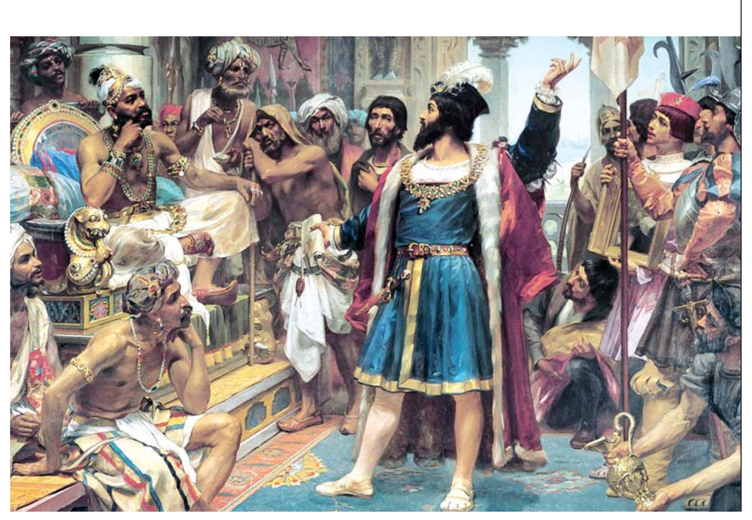

The Girl on the roadside curb

Mr. Sharma went inside, drew the tattered curtain across the window and sat down at his desk. He took out his ledger, the one he used for his accounts and his fountain pen. Under the 'Expenditure' column, he wrote a date.
Then, he paused: What was the cost of a clean conscience?
What was the price of simply watching?
He closed the ledger without making any entry. He knew, as the city hummed its indifferent song, that his inaction was not a single, definable cost, but an accumulated debt that would haunt the quiet solitude of his old age.

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

There she was.

Sitting on the high curb across the busy road. A doll-like figure looking overdressed in a thick pink cotton sari with a dark broad border. Her head full of thick jet black hair partially covered. She looked uneasy. The thick cotton was uncomfortable and too stiffly starched. It was her mother's wedding gift, bright pink, smelling faintly of turmeric and old lavender. Mausi had made her wear it tonight; calling it 'good for business,' as if the rough weave could somehow erase the grime of the street. It only made her feel heavier, duller, more visible and most painfully bereft.

Who was she waiting for?

Mr. Sharma, watched from the small, dusty balcony of his rented room, a cup of lukewarm chai cooling in his hand. He picked up his Olympus binoculars, ostensibly bought for bird viewing but used more often to satisfy his voyeurism. He loved to peek into all the scenes on the road and buildings across the road visible from his roost in the balcony. He imagined stories for his muted invasion of privacy. He'd seen a multiple scenarios like this but never with this girl. She was new. Her pink sari, though heavy and too bright, was surprisingly clean. Her face was a smooth, unblemished oval that seemed to belong on a calendar rather than this busy street corner. The close up revealed a flawless fair skin of a teenager with a tiny mole at the left corner of her well shaped lips. She still had the bloom of youth and her features were indeed very attractive. The scourge of her profession was yet to affect her looks.

The older woman, Mausi, sat on the stool at the tea stall a few feet away. She was a fixture. Hard-eyed, heavy-set and a sour expression, utterly devoid of pity! Mausi was the lock on the cage, the finality of many a young girls fate. To her, they were a commodity that came and were later disposed off like an old garment.

Today, though, something was different. The pink sari girl, Mr. Sharma decided to call her Gulab (Rose), was trembling. Not the subtle shiver of cold, but a deep, almost invisible vibration of fear.

She sat on the curb, the cold stone biting through the thin soles of her slippers. Her head was bowed, the sari pulled partially over her face, not for modesty, but to create a tiny, dark world where she didn't have to see the faces of the lustful men. They were all the same to her: a blur of stale perfume, indifferent eyes and brief, transactional moment of malice.

A scooter sputtered to a halt. The man was young, barely an adult, wearing a cheap nylon jacket. He spoke to Gulab with a kind of casual arrogance. She shook her head. He insisted, leaning closer. Gulab's 'no' was silent, just a slight, decisive movement of her chin. The young man spat on the ground and revved his engine, speeding off.

Mausi rose from her seat in the bus stand bench. Her movements were deliberate and her intent was to administer a rebuke, which was like a swift, sharp stab of a knife. She walked straight to Gulab and didn't speak a word. Her approach was silent, yet the ground seemed to tremble ominously beneath her heavy slippers. Gulab didn't look up, but she knew. She knew the anger that hung in the air, thick and decisive.

Mausi lifted the end of the heavy sari cloth and delivered a brutal, stinging slap across Gulab's cheek. The slap wasn't just pain; it was a loud, physical confirmation of Gulab's powerlessness. You don't refuse. The words that followed weren't a warning; they were a mantra of her captivity and dismal life.

The sound, although muffled by the city noise, still made Mr. Sharma wince. He could imagine Mausi's stern words!

"You don't refuse," Mausi hissed, her voice a low growl that carried no further than Gulab's ear. "You don't have a choice here, beti. This is your life and work now."

Gulab didn't cry. She didn't even rub her cheek. She simply nodded, a mechanical, heart-broken movement. Her fate had been sealed a long time ago in Baner Sindri, the village of the prostitutes on the Ajmer Highway. She nodded, not out of obedience, but because any fight she had left was reserved for survival, not for open rebellion. Her false marriage to a pimp was a long past dreadful memory. She had passed through many dirty groping hands quickly before Mausi acquired her.

Motorcyclists who stopped were in a hurry, cheap and usually uncaring and crude. They stopped, their engines rattling the air, their voices low and impatient.

#THE PRICE

How much? How long?

She could feel the negotiations with Mausi happening over her head like flies buzzing around a wound. Her job was to sit still, to be the silent, passive merchandise.

When the young man on the scooter spat, a tiny victory had bloomed inside her. A moment of refusal! A line held. If she was to be a commodity, she was at least better priced. A tiny victory, a pyrrhic moment! That winning moment of refusal!

An old, battered Ambassador car, the kind driven by unlicensed taxi-wallahs, juddered to a stop. The driver, a middle-aged man with a graying mustache, had a resigned air. He gestured towards the backseat. When the car stopped, Gulab's heart didn't race; it simply froze. This time, there was no choice. Mausi's fingers were like iron band around her arm, guiding her, pushing her forward.

As she stood up to duck into the grimy backseat, her eyes lifted, drawn by some involuntary pull of light. She saw the man on the balcony, the quiet one with the tea cup. For a single, agonizing second, their eyes met. It wasn't an accusatory look or even a plea for help. It was the look of someone confirming that the world was watching. Also, that the world knew her situation and that the world had decided not to care. It was a look of cold, final resignation.

And at that moment, she didn't see a saviour. She didn't see pity. She saw a witness. A comfortable man, wrapped in his own silence, watching a play he would never star in. His inaction wasn't a crime to her. It was the natural order of the world. He was the world: distant, judgmental and utterly unmoving. Mr. Sharma felt the heat of the chai cup returning to his skin, a small, selfish comfort.

He thought of Gulab. He thought of the slap. He thought of the silent, judging finality of her gaze.

Mr. Sharma went inside, drew the tattered curtain across the window and sat down at his desk. He took out his ledger, the one he used for his accounts and his fountain pen. Under the 'Expenditure' column, he wrote a date.

Then, he paused: What was the cost of a clean conscience?

What was the price of simply watching?

He closed the ledger without making any entry. He knew, as the city hummed its indifferent song, that his inaction was not a single, definable cost, but an accumulated debt that would haunt the quiet solitude of his old age. He knew the girl in the pink sari would be back in another brightly coloured sari tomorrow. And he knew that he would be there, watching, again. The guilt was the only fee he would ever truly pay.

Mausi collected the payment, a crumpled 500 rupee note, with the practiced efficiency of a cashier. Gulab stepped into the car, the pink sari snagging slightly on the door frame. Click. The lock engaged. The finality of the sound swallowed the last flicker of hope. As the car pulled away, she folded her hands tightly in her lap, focusing on the simple, private fact that even in this borrowed, temporary space; she was still, technically, alone. The only escape left was the small, cold corner inside her mind, where nobody could follow.

Mausi sat back down on her low stool, the crumpled five hundred rupee note from Salim, the taxi driver, now folded neatly into a worn leather pouch tucked into her waistband. She watched the Ambassador drive away, her face a mask of stone. She had slapped the pink sari girl, Gulab, not out of passion, but out of necessity. They all had to learn to abide by the rules.

Hard-eyed, heavy-set and utterly devoid of pity, that was how Mr. Sharma saw her. But Mausi knew that pity was a luxury she had shed decades ago, a useless currency on these streets. Pity was what got you killed, or worse, left you dependent on someone else's fragile kindness.

Her history wasn't a secret to the other girls. It was just a lesson whispered in the darker corners of the brothel. Mausi's own life began not on a curb, but in a small, suffocating room on the outskirts of a small town. She had been one of them, years ago, a girl brought in, sold and given a new, cheap name. But unlike Gulab, Mausi hadn't been bought directly from the 'village of prostitutes.' She had been abandoned there.

She remembered the endless dust, the blinding sun and the man who claimed to be her uncle. He had driven her there under the pretense of finding work for her in a spice factory. He sold her for a handful of silver coins and a bottle of liquor. Mausi, whose real name no one remembered, had spent the next ten years navigating the brutal, shifting hierarchies of that roadside settlement.

She learned quickly that the most dangerous thing you could be was being passive. She learned to spot a corrupt officer from a mile away. She learned which customers were merely cruel and which were truly dangerous.

Most importantly, she learned the value of money and the power of control. When her body began to fail her, when the years of hard use made her unprofitable to the men who owned the settlements, she wasn't discarded. She had been too smart for that. Instead, she used her accumulated knowledge and a small, hoarded sum of cash.

She struck a deal with the original handler who controlled the flow of girls from the Ajmer route into the city. Her job: to be the middlewoman. She was to manage the girls, enforce the rules and ensure that the fee was collected instantly upon agreement. Mausi wasn't a victim turned survivor; she was a survivor who had turned into a gatekeeper. Her origin on that highway meant she knew the misery the girls faced and that knowledge was her greatest weapon. It allowed her to inflict pain precisely where it hurt the most, the loss of hope, because she knew that pain was the only thing that kept the girls compliant and earning.

Her slap on Gulab's face earlier was a cold, calculated act of business maintenance. A refusal meant lost revenue and the potential for chaos. Mausi would not let Gulab's individual spirit jeopardise her hard-won security.

She stood up against all odds, her heavy body not tired, but alert. The city lights cast long, distorted shadows on the street. Mausi had made her own exit from that dusty highway. She had clawed her way up from being bought to being the one who sold. And she would protect her position fiercely, even if it meant drowning a girl wrapped in a clean, pink sari in her first taste of the city's lascivious darkness.

The Ambassador smelled of old vinyl, diesel fumes and the faintest whiff of cheap incense Salim kept taped under the dashboard. It was a smell that had become synonymous with his evenings. He was not a man of great morals, but he was a man of routines. One of the most miserable routines was the pickups from Mausi. As Gulab bent to slide into the backseat, a flash of recognition, a sharp, cold jab, struck him. He'd seen that face before. Not her, but her kind, the particular, wide-eyed look of a freshly plucked flower that hadn't yet learned to wilt. She was young, too young. She moved like a sleepwalker being guided by a powerful hand, propelled by Mausi's greedy intentions.

He pulled up the old car, the suspension sighing under its weight. He didn't look at the girl from the curb, not directly. He didn't want to see the pink sari or the terror that often hid behind the cloth. If he saw them as people, the years of driving them would crush him. He preferred them as parcels: short trips, cash payments, no questions.

He put the car into gear, his mind instantly dragging him back six months, to a dustier, darker highway. Salim often took long-haul fares to supplement his city taxi income. One early morning, just past the Ajmer bypass, he'd pulled into a roadside dhaba near a cluster of makeshift tents, a notorious, temporary settlement of the village of prostitutes, Baner Sindri. He had stopped for tea, waiting for the dawn mist to burn off.

That day, he saw a jeep and a battered truck pull up. And a crowd of girls were being moved. It wasn't a raid; it was a transaction. He watched a woman, a thinner, slicker version of Mausi's, shouting orders in a sharp dialect from the eastern side of Rajasthan. They were loading the newest arrivals onto the truck, girls bought from destitution, from debt, by sheer, brutal coercion.

He remembered seeing a girl struggling against the man's grip. She was wrapped in a simple, faded blue cloth, but her face, it had the exact same geometry of fear as the one in his rear-view mirror now. The same unbearable innocence.

He'd tried to ignore it, to focus on his tea. But then, he saw Mausi. She had been there, standing near the jeep, directing the loading, her purse heavy, her eyes calculating the worth of the trembling young stock. Salim had recognized her instantly, the pimp-turned-madam whose routes occasionally crossed his.

He realised now: the girl in the pink sari was one of that batch. She had been bought from that dusty roadside village; brought into the city's dark interior like a sack of grain. Her life measured only by the comeliness of her body and the price she could fetch. She would even go through a mock marriage with the person who deflowered her!

The revelation settled like a heavy stone in his gut. He realised that he was not just a driver; he was part of this hideous pipeline.

He was now driving to the man who would take her for the night. He had been instructed to make the deal and pick him up at the traffic light down the road.

He glanced at the rearview mirror. Gulab was sitting stiffly, her hands clutched so tightly that her knuckles were white. The new customer in the backseat, a non descript government clerk by the look of his briefcase, was already leaning in close, murmuring something she couldn't escape.

Salim pressed the accelerator, focusing on the road ahead. Be fast. Be quick. He had a wife and three children waiting for him. He needed this money. He absolved himself from any guilt by the opaque logic that if he refused, another driver would simply take his place and the girl's fate wouldn't change. He pulled up to the dingy hotel gate. The customer fumbled for the car door handle. The clerk's fifty rupees tip for bringing a customer felt heavier than lead in Salim's hand.

As Gulab stepped out, her pink sari catching the weak yellow light of the foyer, she looked back at the car. She wasn't looking at the man or at the hotel. She looked at Salim. It wasn't the look of resignation Mr. Sharma had seen; it was the look of total erasure of a soul going deliberately blank to survive.

Salim nodded once, a tiny, almost imperceptible gesture of acknowledgement, of shared knowledge of the abject helpless apology. It was the only act of rebellion he could afford.

He watched them enter the dark lobby. He waited mandatory three minutes for the customer to return, just in case they needed to go to another seedy hotel. He never did. Salim didn't wait longer than protocol required. He drove away, the smell of vinyl and incense his only comfort. The guilt of the Ajmer highway and daily routine of picking up girls to be pawed by 'customers' now riding silently with him in the empty backseat.

All four of them, Gulab, Mausi, Salim and Mr. Sharma, knew very well that tomorrow would be no different. The wheels of destiny would grind on ruthlessly and relentlessly!

rajeshsharma1049@gmail.com

#DID YOU KNOW

Wild Facts

10 Wild Animal Facts That Will Blow Your Mind

The animal kingdom is full of wonders, some strange, some ancient, and all incredibly fascinating. Whether you're an animal lover, trivia buff, or just someone who enjoys learning quirky things about the world, these facts are sure to amaze you. Let's dive in!

1. Raccoons "Wash" Their Food

Ever seen a raccoon dipping its food in water before eating? While it looks like they're washing it, they're actually using water to stimulate the nerve endings in their paws, enhancing their sense of touch. It's more about feeling the food than cleaning it!

2. Dragonflies: Living Fossils

Dragonflies have been around for a staggering 300 million years, far longer than dinosaurs! They've evolved very little in that time, making them one of nature's most efficient and enduring predators.

3. How Animals Drink Differs by Diet

Herbivores, like deer and horses, drink water by suction through their mouths, much like humans. Carnivores, such as cats and dogs, typically lap water using their tongues, a much messier, but equally effective, method.

4. Hippos Are Natural Swimmers

Despite their bulk, hippos are surprisingly agile in water. They don't exactly float or swim like fish; instead, they bounce off the bottom of rivers and lakes, gliding gracefully with bursts of movement.

5. A Group of Flamingos Is Called a "Flamboyance"

Could it be any more fabulous? A group of flamingoes is officially known as a flamboyance, and with their striking pink feathers and synchronized movements, the name fits perfectly.

6. The Taipan: One Snake, 100 Lives

The inland taipan, also known as the 'fierce snake,' has venom so potent it could kill up to 100 people with a single bite. Thankfully, it's extremely shy and rarely comes into contact with humans.

7. Snakes Can't Blink

Snakes don't have eyelids. Instead, their eyes are covered by a clear protective scale called a spectacle. That's why snakes never blink, their stare is permanent!

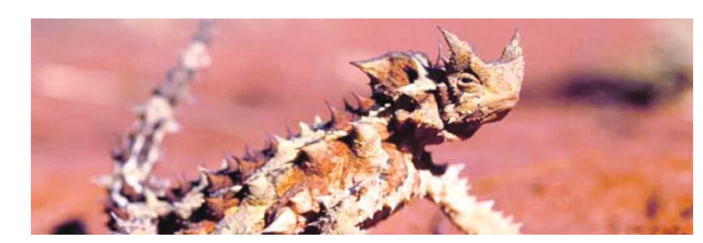

8. Horned Devil Lizards Drink Through Their Skin

The Australian horned devil lizard can absorb water directly through its skin. Specialized grooves on their bodies channel water from any part of their body straight to their mouth, a brilliant survival trick in the desert.

9. Peregrine Falcons See Like Superheroes

The peregrine falcon is not just the fastest animal on Earth, it also has incredible eyesight, capable of spotting small prey from over 2 miles away. That's equivalent to reading a newspaper headline from across a city.

10. Dogs Can Smell Your Emotions

Dogs don't just smell other animals, they can smell how you feel. Thanks to their powerful olfactory systems, dogs can detect changes in human hormones and body chemistry, allowing them to sense fear, stress, and even illness.

The More We Learn, The Wilder It Gets

From ancient insects to emotion-sensing pets, the natural world is full of incredible adaptations and behaviours. These facts are just a tiny peek into the genius of evolution and the endless curiosity that animals inspire in us.

THE WALL

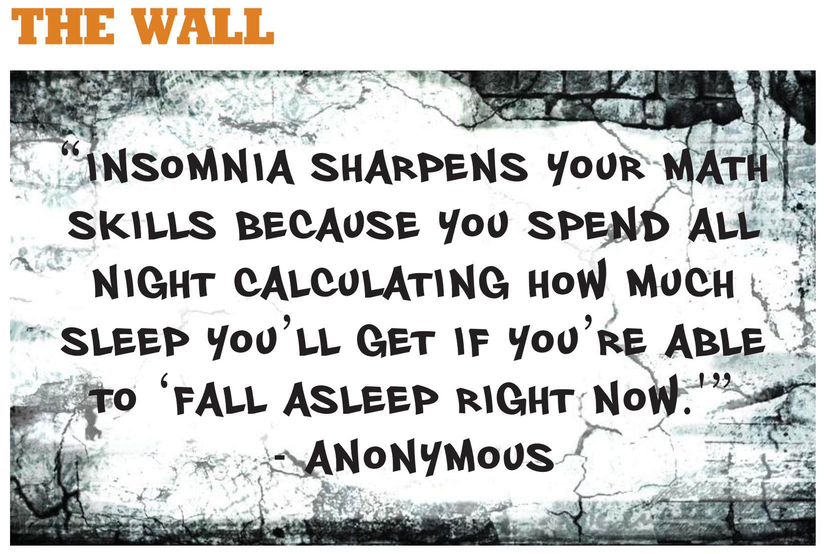

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

अलवर : भूमाफिया की अवैध कॉलोनी पर चला यूआईटी का बुलडोजर

50 बीघा सहारा वाली जमीन पर अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया

अलवर, (निसं)। अलवर में गुरुवार को यूआईटी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली-नेशनल हाईवे से सटी लगभग 50 बीघा कृषि भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। यह जमीन हिंगराज कंपनी के नाम से रजिस्टर्ड है, जिसे स्थानीय लोग सहारा वाली जमीन के नाम से भी जानते हैं। भूमाफियाओं ने बिना यूआईटी से अनुमति लिए इस पूरे क्षेत्र में बड़े-बड़े प्लॉट काट दिए थे। 60-60 फीट चौड़ी कच्ची सड़कें बनाकर तीन बड़े एंट्री गेट भी तैयार किए गए थे। कुछ प्लॉट तो एग्रीमेंट पर बेच भी दिए गए थे। सूचना पर गुरुवार को यूआईटी की टीम पांच बुलडोजर, महिला पुलिस और करीब 10 जवानों के साथ दिवाकर के पास हाईवे किनारे पहुंची और पूरे अवैध लेआउट को ध्वस्त करना शुरू किया। टीम के पहुंचते ही भूमाफिया मौके से फरार हो गए। कार्रवाई के दौरान सभी प्लॉटों की कच्ची सड़कें खुदवा दी गई, तीनों एंट्री गेट तोड़ दिए गए और रास्तों में गड्ढे डालकर उन्हें बंद कर दिया गया।

अलवर में यूआईटी ने हाईवे से सटी कृषि भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।

बिजली पोल शिफ्टिंग के दौरान विवाद : डूंगरपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के भंडारिया में मुख्यमंत्री जन आवास योजना के पास बिजली पोल शिफ्टिंग के दौरान बड़ा विवाद हो गया। इस विवाद में लेबर, बिजली निगम के लाइनमैन और पातापुर जीएसएस के कर्मी शामिल थे। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जीएसएस कर्मी एक लेबर को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री जन आवास योजना के कार्यस्थल पर सड़क के बीच लगे बिजली के पोल को शिफ्ट किया जा रहा था। इस कारण भंडारिया फीडर की बिजली करीब एक घंटे तक बंद रही। काम रात के अंधेरे तक जारी रहा। इसी दौरान लाइनमैन लालशंकर और पातापुर जीएसएस का ठेकाकर्मी राजू मौके पर पहुंचे, जहां राजू ने एक लेबर को थप्पड़ मार दिया। यह घटना 7 सेकंड के वीडियो में स्पष्ट दिखाई देती है। विवाद की जानकारी मिलते ही डूंगरपुर एईएन आशीष मिश्रा तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उन्हें विवाद की सूचना मिली थी और वे जांच कर रहे हैं कि लेबर और अन्य कर्मियों के बीच झगड़ा किस कारण हुआ। जांच पूरी होने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

लाइनमैन लालशंकर ने कहा ठेकेदार के लेबर ने काफी समय से लाइन बंद करवा रखी थी, जिससे लोगों के लगातार फोन आ रहे थे और इससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

नशे की हालत में झूठी सूचना देने वाला आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाने में मंगलवार को दर्ज कराए गए लूट के प्रकरण का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला कोटपुतली-बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 नवंबर मंगलवार को राजू बावरिया ने विराटनगर थाने में

■ स्कॉर्पियो में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लूट की घटना निकली झूठी

मामला दर्ज करवाया कि एक वाहन स्कॉर्पियो में सवार अज्ञात व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट कर 4.50 लाख रूपये लूट लिए। घटना की गंभीरता को देखते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही के निर्देशों की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व कार्यवाहक वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर राजेंद्र बुरड़क के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में टीम का गठन कर वारदात वाली घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर, आस-पड़ोस से पूछताछ की। घटना करने वाले वाहन की तलाश करते हुए विराटनगर थाना क्षेत्र से थानागाजी व मनोहरपुर जाने वाले रास्तों की सीसीटीवी फुटेज खंगालते गए। राजू बावरिया से लूट की घटना के बारे में गहनता से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि मैं व मेरा भांजा फैलीराम अलवर तिराहा से पिकअप गाड़ी में बीयर पीते हुए आ रहे थे। नवरंगपुरा के आगे पहुंचे तो सामने से आ रही स्कॉर्पियो की तरफ साइड दब गई। जिस पर स्कॉर्पियो में सवार दो लोगों ने मेरे साथ मारपीट कर दी। जिस पर मैंने उनको फंसाने के लिए प्लानिंग कर स्कॉर्पियो गाड़ी वाले अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कर 4 लाख 50 हजार रूपये लूट कर ले जाने की शराब के नशे में झूठी सूचना दी, जिस पर लूट की घटना में सत्यता की जांच कर झूठी सूचना पाए जाने पर राजू बावरिया पुत्र कालूराम बावरिया निवासी वार्ड न.37 कल्याणपुरा थाना मनोहरपुर को गिरफ्तार किया गया।

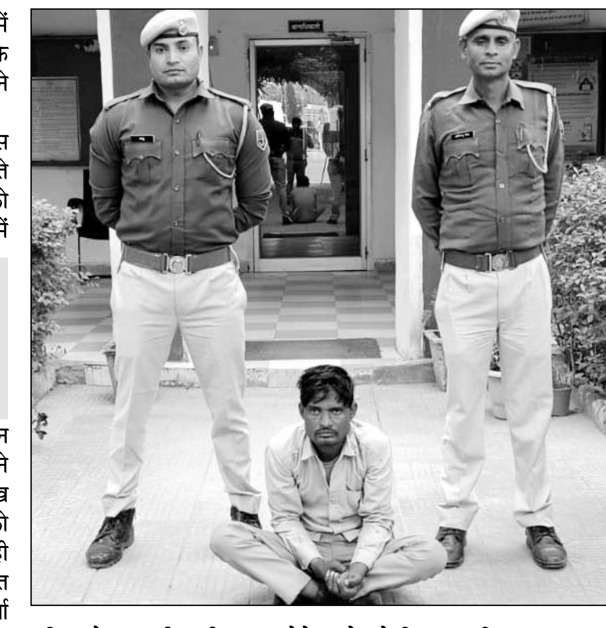

पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देने वाले को गिरफ्तार किया।

धौलपुर में ग्रामीण डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण कार्य का शुभारंभ

धौलपुर/जयपुर। धौलपुर जिले के कछपुरा आंगई में गुरुवार को आईआईएफसीएल एवं जिला परिषद धौलपुर के सहयोग से ग्रामीण डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। यह पहल विकसित भारत के

■ शिक्षा की शक्ति से ग्रामीण विकास को नई दिशा : प्रबंध निदेशक, आईआईएफसीएल

विजन को ग्रामीण विकास के माध्यम से साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें शिक्षा को आधार स्तंभ माना गया है।

कार्यक्रम में आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पलाश श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रामीण भारत ही हमारे देश की असली ताकत है। यदि गांवों के बच्चे डिजिटल लाइब्रेरी से जुड़ जाएँ तो वे किसी भी बड़े शहर के बच्चों से कम नहीं रहेंगे। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पढ़ाई और तकनीक तक बराबर पहुंच हर बच्चे का अधिकार है। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हमारे युवा नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं से बचे और दूसरों को भी जागरूक करें। हेलमेट, सीट बेल्ट और सड़क के नियमों का पालन कर हम सड़क दुर्घटना कम कर सकते हैं।

श्रीवास्तव ने आगे कहा कि शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है बल्कि यह नए अवसरों की कुंजी है। डिजिटल लाइब्रेरी का उद्देश्य गांव के हर बच्चे, खासकर लड़कियों को वह मंच देना है, जहाँ से उनका सपना ऊँचाई छू सके। हम चाहते हैं कि यह लाइब्रेरी सिर्फ पढ़ने की जगह नहीं बल्कि बच्चों के सपनों को उड़ान देने का केंद्र बने।

आईआईएफसीएल जिला परिषद के साथ साझेदारी करके धौलपुर जिले के कई गांवों में ऐसी आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित कर रहा है, जिनमें कंप्यूटर लैब, डिजिटल टीवी, वाई-फाई, आरामदायक फर्नीचर सहित बच्चों के विकास हेतु कॅरियर काउंसलिंग के साथ कई सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

जिला परिषद सीईओ आब्हाद निवृत्ति सोमनाथ ने इस परियोजना को ग्रामीण शिक्षा में एक नई क्रांति बताते हुए कहा कि यह डिजिटल लाइब्रेरी संविधान घर के नाम से जानी जाएगी, जिससे ग्रामवासियों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति समझ, डिजिटल इंडिया में सहभागिता, जनभागीदारी के साथ सामुदायिक स्वामित्व की भावना, रोज़गार और कौशल विकास में मदद, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार जिससे ग्रामीणों के जीवन में भविष्य में दूरगामी स्थायी बदलाव देखने को मिलेंगे।

इस मिशन का उद्देश्य जन-भागीदारी के साथ महिलाओं और छात्राओं को सशक्त बनाना है। लड़कियां भी अपने गांव में दूसरी लड़कियों के लिए आदर्श बनेंगी, जो गांव से देश-प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। कार्यक्रम में जिला परिषद से पवन कुमार, गौरव सिंघल, ऐश्वर्य मुद्गल एवं आईआईएफसीएल की ओर से सुबोध शर्मा, विकास अधिकारी गिर्राज, रामलखन मीणा, किशन सिंह, धर्मेंद्र, समीप की अनेक ग्राम पंचायतों के गणमान्य, युवा तथा विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई।

आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पलाश श्रीवास्तव समेत अतिथियों ने निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

पत्नी ने की आत्महत्या, आहत पति ने भी पुत्र को फंदे पर लटकाकर खुदकुशी की

उदयपुर, (कासं)। ऋषभदेव कस्बे के मसारों की ओवरी गांव में महिला द्वारा फांसी का फंदा लगा आत्महत्या करने से आहत पति ने पुत्र को फंदे पर लटका कर स्वयं भी फांसी के फंदे पर लटक गया। सुसाइड नोट में पत्नी के आत्महत्या करने से सुसाइड करने की बात लिखी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषभदेव थाना क्षेत्र मसारों की ओवरी गांव में बुधवार रात में शारदा पत्नी जगदीश ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसका पता चलने पर जगदीश पुत्र अमरा ने अपने

■ सुसाइड नोट में पत्नी के आत्महत्या करने से सुसाइड करने की बात लिखी है

पुत्र हिमांशु उर्फ हेमु को फांसी के फंदे पर लटकाने के बाद स्वयं ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। जगदीश पेट्रोल पंप पर काम करता था, जिसका वर्ष 2017 में कल्याणपुर रजोल गांव निवासी शारदा के साथ विवाह हुआ था। घटना वाले दिन जगदीश नौकरी पर गया था एवं उसके माता-पिता कानुवाड़ा गांव में करियावर में गए थे। सांय घर लौटने पर किवाड़ बंद था। पड़ोसियों को बुलाकर किवाड़ तोड़ कर देखा तो शारदा जमीन पर मृत हालत में पड़ी थी एवं जगदीश व हिमांशु फंदे पर लटके हुए थे।

इसकी सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक ऋषभदेव राजीव राहर, ऋषभदेव एसडीएम एवं तहसीलदार मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जहां मृतक जगदीश के पास मिले सुसाइड नोट में पत्नी द्वारा आत्महत्या करने से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी थी। पुलिस ने मृतकों को फंदे से निचे उतार कर ऋषभदेव चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। गुरूवार को मृतका शारदा के पीहर कल्याणपुर के रजोल गांव से परिजनों को बुलवा कर उनकी मौजूदगी में मृतकों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि पत्नी को फंदे पर लटका हुआ देख जगदीश अपने पुत्र को ऋषभदेव स्कूल से लेकर घर लाकर उसे फंदे पर लटका कर स्वयं फांसी पर लटकने की संभावना जताई जा रही है।

आधार केंद्र पर अवैध वसूली को लेकर लोगों का हंगामा

भीलवाड़ा, (निसं)। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में संचालित आधार केंद्र पर गुरुवार को अवैध वसूली को लेकर लोगों ने हंगामा कर दिया।

जानकारी के अनुसार कार्यालय परिसर में चल रहे आधार केंद्र पर नए आधार कार्ड से लेकर आधार अपडेट के काम किए जा रहे हैं, लेकिन केंद्र पर तैनात युवक द्वारा निर्धारित सरकारी शुल्क से दोगुनी राशि वसूलने का आरोप सामने आया है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि आधार अपडेट की सरकारी शुल्क 75 रुपए तय है, जबकि संचालक लोगों से 150 रुपए वसूल रहा था। इस दौरान कई लोगों ने ऑनलाइन पेमेंट के सबूत भी दिखाए, जिसके बाद वहां मौजूद आमजन में आक्रोश फैल गया और उन्होंने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर अवैध वसूली का विरोध शुरू कर दिया। लोगों का कहना था कि सरकारी कार्यालय में बैठकर इस तरह मनमानी करना आमजन के साथ खुली लूट है। मामले की जानकारी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष विकास सुवालका तक पहुंची, जिन्होंने तुरंत उपखंड अधिकारी को शिकायत दर्ज कराई।

अवैध वसूली के इस प्रकरण ने विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आमजन ने मांग की है कि आधार केंद्र की नियमित जांच हो और भविष्य में ऐसी मनमानी पर सख्त रोक लगाई जाए।

उपखंड अधिकारी संजना जोशी ने बताया कि उन्हें इस प्रकार की शिकायत मिली है। संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच के बाद दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

युवती लापता

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के ग्रामीण इलाके में यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही एक युवती के लापता हो जाने का मामला सामने आया है। लड़की परिजनों को घर से यूनिवर्सिटी जाने का कहकर निकली थी, लेकिन वापस घर नहीं लौटी। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि उसकी 21 साल की लड़की घर से लापता हो गई। लड़की रीको स्थित टांटिया यूनिवर्सिटी में एलएलबी की पढ़ाई कर रही थी। लड़की 17 नवंबर की सुबह 9:30 बजे यूनिवर्सिटी में जाने का कहकर घर से निकली थी, लेकिन शाम को वह वापस नहीं लौटी, जिसके बाद लड़की के परिजनों ने लड़की की काफी जगह तलाश की और दोस्तों, रिश्तेदारों के यहां भी पता किया।

झुंझुनूं पुलिस ने वांटेड बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बिसाऊ थाने के हिस्ट्रीशीटर और हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया के मर्डर के वांटेड मंदीप उर्फ मदिया के फैन फॉलोविंग अब सोशल मीडिया पर कम होती दिख रही है।

■ मंडावा, बिसाऊ और धनूरी थाना पुलिस ने 14 युवकों को गिरफ्तार किया

जानकारी के अनुसार एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने झुंझुनूं जिले के वांटेड बदमाशों के सोशल मीडिया प्रोफाइल्स के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। एसपी द्वारा छेड़े गए अभियान के बाद मंडावा, बिसाऊ और धनूरी थाना पुलिस ने 14 युवकों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया। इनमें से अधिकतर ने कोतवाली झुंझुनूं के वांटेड और बिसाऊ थाने के हिस्ट्रीशीटर मंदीप उर्फ मदिया के सोशल मीडिया अकाउंट को इंस्टाग्राम पर फॉलो कर रखा था। साथ ही लाइक और कमेंट करने वालों में शामिल थे। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय की सख्ती के बाद अब एक ही दिन में 300 से ज्यादा लोगों ने मंदीप उर्फ मदिया के सोशल मीडिया अकाउंट को छोड़ दिया है। जिसके बाद मंदीप उर्फ मदिया के सोशल मीडिया अकाउंट में फॉलोवर्स की संख्या में कमी आ गई है। कल तक जहां इंस्टाग्राम पर मंदीप उर्फ मदिया के 15 हजार 200 के करीब फॉलोवर्स थे, अब वो 300 घटकर 14 हजार 900 के करीब आ गए।

अब तक 19 फॉलोवर्स को पुलिस ने किया गिरफ्तार:- बदमाशों, खासकर मंदीप उर्फ मदिया और उसके साथियों को सोशल मीडिया पर फॉलो करने वाले अब तक 19 फॉलोवर्स को पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

इनमें धनूरी पुलिस ने छह, बिसाऊ पुलिस ने पांच, मंडावा पुलिस ने तीन युवकों को पूर्व में गिरफ्तार किया था। वहीं अब पिलानी पुलिस ने धींधवा बिचला निवासी संदीप कुमार पुत्र विद्याधर जाट, झेरली निवासी लोकेश सिंह पुत्र भवानी सिंह राजपूत, पिलानी कस्बे के वार्ड नंबर पांच निवासी समीर खान पुत्र सलीम खान लीलगर को, बबाई पुलिस ने ढाणी लोढ़ा की तन कालोटा निवासी विजेश पुत्र खुयालीराम गुर्जर तथा मेहाड़ा थाना पुलिस ने ढाणी मांगलिया तन बासियाल निवासी सचिन उर्फ महाकाल पुत्र लीलाधर गुर्जर को गिरफ्तार किया है।

तीन युवकों को वाहन ने टक्कर मारी, एक की मौत

अजमेर, (निसं)। गेगल थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। शादी समारोह में जा रहे बाइक सवार तीन युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान एक युवक ने दम तोड़ दिया।

■ हादसे में दो गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती कराया

मृतक के भाई विवेक यादव ने बताया कि उसके दो भाई और उनका दोस्त बुधवार रात गगवाना में शादी में शामिल होने के लिए बाइक से निकले थे। गेगल थाना सीमा में अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद कमला बावड़ी निवासी दीपक यादव ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में मृतक के भाई अभिषेक यादव और उनके दोस्त वैशाली नगर निवासी सुरजीत को गंभीर चोटें आई हैं। दोनों का उपचार जेएलएन अस्पताल में जारी है। मृतक के परिजन की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। गेगल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन व चालक की तलाश शुरू कर दी है।

शराब ठेकेदार और चिड़ावा पुलिस आमने-सामने

चिड़ावा, (निसं)। कस्बे में शराब ठेकेदार और चिड़ावा पुलिस आमने-सामने हो गए। रात को चिड़ावा सीआई आशाराम गुर्जर द्वारा एक शराब ठेके पर की गई कार्रवाई के बाद ऐसे हालात पैदा हो गए, जिसमें पुलिस, शराब ठेकेदार और आबकारी विभाग एक-दूसरे के आमने-सामने हो गए हैं।

■ आरोप है कि ठेके के अंदर सो रहे सेल्समैन को उठा ले गए सीआई, पहले खुलवाया शटर, फिर थप्पड़ मारे

शराब ठेकेदारों ने आरोप लगाया है कि बीती रात को पिलानी रोड पर एक शराब ठेके में सेल्समैन अशोक सो रहा था। चिड़ावा सीआई आशाराम गुर्जर रात को पहले तो शराब ठेके का शटर खोला और इसके बाद ठेके के अंदर सो रहे सेल्समैन को उठाया। सीआई ने सेल्समैन अशोक को थप्पड़ मारे और अपने साथ थाने ले जाकर शांतिभंग के आरोप में बंद कर दिया। सेल्समैन अशोक के पास ठेके की चाबी थी, जो जब्त कर ली। इस मामले को लेकर शराब ठेकेदारों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर शराब ठेके के संचालन में पुलिस के हस्तक्षेप पर आपत्ति जताई है। साथ ही कहा है कि आबकारी नियम में पुलिस शराब ठेकों का निरीक्षण नहीं कर सकती। बावजूद सीआई आशाराम गुर्जर ना केवल ठेकों का निरीक्षण करते हैं, बल्कि जबरदस्ती सेल्समैनों को गिरफ्तार कर रहे है। इधर, ठेके के मालिक विकास कटेवा ने आबकारी अधिकारी को लिखित में शिकायत देकर ठेके की चाबी पुलिस द्वारा जब्त होने तथा ठेका नहीं खुलने के कारण राजस्व के नुकसान की बात कही है। जिसके बाद सहायक आबकारी अधिकारी चिड़ावा ने भी चिड़ावा सीआई को पत्र लिखकर ठेके की चाबी लौटाने तथा रात को हुई पूरी घटना की रिपोर्ट मांगी है। सभी पक्षों के आमने-सामने होने से माहौल गरमा गया है।

सीआई आशाराम गुर्जर ने बताया कि नियत समय के बाद ठेका खुलने की शिकायत मिली थी। जिसके बाद ठेके में सेल्समैन शराब बेचता हुआ मिला, जिस पर उसे गिरफ्तार किया गया है। इस घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें पुलिस शराब ठेके का शटर खुलवाते हुए और सीआई सेल्समैन को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं ठेकेदारों ने अगस्त माह का एक वीडियो और उपलब्ध करवाया है, जिसमें भी सीआई आशाराम गुर्जर चिड़ावा कस्बे के एक शराब ठेके के बाहर पड़ी कुर्सी पर डंडा मारकर उसे तोड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

आतंकवादियों के केस में दिनेश शर्मा स्पेशल पीपी नियुक्त

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान सरकार के विधि विभाग ने अपर जिला न्यायालय संख्या 3 जोधपुर महानगर में लंबित आतंकवादियों के बहुचर्चित केस में ए. टी. एस. विभाग की ओर से पैरवी करने के लिए दिनेश कुमार शर्मा को विशिष्ट लोक अभियोजक नियुक्त किया है।

इस प्रकरण में एटीएस ने पुलिस थाना प्रताप नगर में देश के विरुद्ध, विधि विरुद्ध गतिविधियों के लिए प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 113/2014 दर्ज करवाई थी, जिसमें अनुसंधान के दौरान 12 संदिग्ध आतंकवादी पकड़े गए थे, जिसका प्रकरण अभी अपर जिला न्यायालय संख्या 3 जोधपुर महानगर में विचाराधीन है। शर्मा इस प्रकरण में एटीएस विभाग की ओर से पैरवी करेंगे।

शर्मा अभी वर्तमान में लोक अभियोजक जोधपुर महानगर में पदस्थापित है तथा इस प्रकरण में पूर्व में भी एटीएस की ओर से पैरवी कर चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए एटीएस विभाग राजस्थान की अनुशंसा पर विधि विभाग राजस्थान सरकार ने शर्मा को इस प्रकरण में पैरवी करने के लिए स्पेशल लोक अभियोजक नियुक्त करने का आदेश जारी किया है।

मादक पदार्थ समेत एक गिरफ्तार

श्रीविजयनगर, (निसं)। पुलिस ने नशे के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार के कब्जे से 1.84 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद की है। यह क्षेत्र में नशे के खिलाफ पुलिस की लगातार चांचवी कार्रवाई है। जानकारी के अनुसार थाना अधिकारी सुमन परिहार के नेतृत्व में पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान संदिग्ध व्यक्ति सुनील कुमार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 1.84 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

युवक से परेशान छात्रा ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। युवक की प्रताड़ना से परेशान होकर 12 वीं कक्षा की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। फोन पर धमकाने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाने के बाद जहर खा लिया। परिजन छात्रा को हॉस्पिटल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मामला डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थाना इलाके का है।

जानकारी के अनुसार बिछीवाड़ा थाने के अब्दुल मुनाफ ने बताया कि पिता ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। 12वीं क्लास में पढ़ने वाली 18 साल की बेटी ने घर पर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत के कारण उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया।

■ फोन पर धमकाने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाने के बाद जहर खाया

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना क्षेत्र में चोर मकान में घुस कर सोने चादी के जेवर व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 नवंबर रात में अज्ञात चोर लौहार कॉलोनी आयड़ गली नं. 3 निवासी मुख्तार अहमद पुत्र सईद अहमद के मकान में घुस कर सोने चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गया। परिवार में शादी होने से मुख्तार अहमद परिवार सहित पड़ोस में गए थे। मकान लौट देख चोर अंदर घुस कर अलमारी में लगी चाबी से ताला खोल सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चुरा ले गए।

वनरक्षक पर युवक ने कुल्हाड़ी से किया हमला

गंगापुर सिटी, (निसं)। वन क्षेत्र मुराड़ा में गश्त के दौरान एक वनरक्षक पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। यह घटना तब हुई जब वनरक्षक ने एक व्यक्ति को अवैध रूप से बकरियां चराने से रोका। क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वितीय सुरेश गुर्जर ने बताया कि बीट इंचार्ज हरि सिंह मीणा वृक्षारोपण क्षेत्र नेता की तलाई में गश्त कर रहे थे। उन्होंने ग्राम रावला का ढाणी मुराड़ा निवासी शिवराज योगी पुत्र कैलाश योगी को अवैध रूप से बकरियां चराते देखा और उसे रोका। इसी दौरान शिवराज योगी ने हरि सिंह मीणा पर कुल्हाड़ी से घात लगाकर हमला कर दिया। हमले में वनरक्षक हरि सिंह मीणा के हाथ में फ्रैक्चर हो गया और 8 से 10 टांके लगे। वन विभाग ने इस मामले में आरोपी शिवराज योगी के खिलाफ थाना सदर, गंगापुरसिटी में एफआईआर दर्ज करवाई है। वन विभाग ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए वन कर्मियों पर हमले को गंभीर अपराध बताया है।

बैठक आयोजित

टोंक। एसआईआर के सम्बन्ध में गुरूवार को कांग्रेस कमेटी देहात ब्लॉक टोंक द्वारा मंडल हथौना, बमोर, घांस, छान, मेंन्दवास मंडल अध्यक्ष व मंडल प्रभारी, बीएलए व कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर एसआईआर के बारे में जानकारी दी गई।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 537/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री मनोज कुमार सिंह पुत्र श्री रामबीर सिंह निवासी 1-बी, कल्याण मन्दिर के पास, गुर्जर घाटी, जलमहल, आमेर रोड, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत न्यू इण्डिया अलायन्स कार्यालय पता 663, जयलाल मुंशी का रास्ता, हनुमान मन्दिर के पास, चांदपाल बाजार, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.01.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/886
चूंकि प्रार्थी श्री DEEPAK JALAN, 82, HARI MARG CIVIL LINES JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास वेललोन्ट फाउण्डेशन, C, 57 BASEMENT, LALKOTHI JANPATH JAIPUR RAJ. के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 27.01.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 539/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री हरफूल सिंह चौधरी पुत्र श्री सवाई राम जाट निवासी 412 मास्टर जी की ढाणी, कालवाड रोड, भैसावा, जिला जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत एस.आर. बाल विद्या मन्दिर समिति कार्यालय पता-भैसावा, वाया किशनगढ रेनवाल, तहसील किशनगढ रनवाल, जिला जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.01.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 538/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री कुशाल चन्द जैन पुत्र श्री परसन चन्द जैन निवासी 50-ए, सरस्वती नगर, गोल्ड सुख के पीछे, मालवीय नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत कुशाल हमलता गांधी चैरिटेबल सोसाइटी कार्यालय पता 50-ए, सरस्वती नगर, गोल्ड सुख के पीछे, मालवीय नगर, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.01.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433
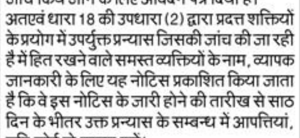
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार ने बीएलओ को किया सम्मानित

- जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के अन्य बीएलओ से की प्रेरणा लेने की अपील

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जयपुर जिले में परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शत प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल करने वाले 4 बीएलओ को सम्मानित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने चौमूं विधानसभा क्षेत्र के ओमप्रकाश स्वामी, चाकसू विधानसभा क्षेत्र के बनवारी लाल शर्मा, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सुनील कुमार बैरवा एवं फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के रमेश कुमार नारनोलिया को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले के अन्य बीएलओ से सम्मानित हुए बीएलओ से प्रेरणा लेते हुए जल्द से जल्द शत प्रतिशत डिजिटलीकरण के लक्ष्य को हासिल करने का आ ह्न किया।

उन्होंने बताया कि शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 40 हजार 155 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 30 हजार 971 का डिजिटलीकरण, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 68 हजार 844 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 96 का डिजिटलीकरण, बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 37 हजार 714 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 32 हजार 35 का डिजिटलीकरण, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 2 हजार 421 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 43 हजार 224 डिजिटलीकरण, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 65 हजार 765 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 29 हजार 451 का डिजिटलीकरण, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 311 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 38 हजार 233 का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

वहीं, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 35 हजार 199 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 23 हजार 985 का डिजिटलीकरण, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 567 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 38 हजार 213 का डिजिटलीकरण, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 36 हजार 849 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 14 हजार 285 का डिजिटलीकरण, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 20 हजार 214 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 61 हजार 146 का डिजिटलीकरण, सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 45 हजार 8 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 67 हजार 448 का डिजिटलीकरण, विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 51 हजार 204 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 85 हजार 50 का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 59 हजार 711 परिगणना प्रपत्रों का वितरण एवं 1 लाख 1 हजार 97 का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। इसके तहत जिले में 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक परिगणना चरण का संचालन किया जा रहा है। इस चरण में परिगणना प्रपत्रों का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटलीकरण का कार्य सतत रूप से किया जा रहा है। जिले में परिगणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण की प्रगति के अनुसार विधानसभा क्षेत्र बस्सी ने सर्वाधिक 55.53 फीसदी प्रपत्रों के डिजिटलीकरण के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शत प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल करने वाले 4 बीएलओ को सम्मानित किया।

मुख्य मार्ग पर कीचड़ व गंदे पानी से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

नारायणपुर। ग्राम पंचायत चांदपुरी के गाँव राजपुरा सिरखा में मुख्य सड़क मार्ग पर लंबे समय से जमा कीचड़ और गंदे पानी को लेकर ग्रामीणों का सब्र टूट गया। गुरुवार को ग्रामीणों ने मुख्य रास्ते पर एकत्र होकर पंचायत प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि दूध की डेरी से लेकर रामकरण यादव के मकान तक करीब 2 किलोमीटर लंबा मार्ग पूरी तरह कीचड़ और गंदे पानी से बदहाल पड़ा है। नालियों की व्यवस्था वर्षों से दुरुस्त नहीं की गई है तथा पानी निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। स्थानीय ग्रामीण हरिराम, निकिता जांगिड, मनोहर योगी और राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि मार्ग पर फैले कीचड़ के कारण पैदल चलना मुश्किल हो गया है, वहीं दोपहिया वाहन चालक व स्कूली बच्चों को रोजाना फिसलने और गिरने का खतरा बना रहता है।

ग्राम पंचायत द्वारा सफाई और सड़क सुधार के नाम पर बजट से लाखों रुपये खर्च दिखाए गए, लेकिन कार्य जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार ग्राम पंचायत सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी को समस्या से अवगत कराने के बावजूद कोई समाधान नहीं किया गया, जिससे ग्रामीणों में सरपंच के प्रति रोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही मार्ग का सुधार कार्य शुरू नहीं किया गया तो ग्राम पंचायत कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इधर थानागाजी विकास अधिकारी आमिर अली ने बताया कि वे जल्द ही मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करेंगे और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

ज्ञापन सौपा

टोंक। किसान महापंचायत संगठन के जिलाध्यक्ष गोपीलाल जाट नेतृत्व में टोंक कृषि उपज मंडी में किसानों ने उपवास आंदोलन किया।

आम सूचना हर खास आम को सूचित किया जाता है कि जगदीश नारायण ओझा पुत्र श्री वृन्दावन ओझा एवं मेरी पत्नी शान्ती देवी निवासीगण-मकान नम्बर 433 सोहन महाराज की गली, राधा स्वामी मन्दिर के पास हसनपुरा ए, जयपुर राज. का हूँ एवं अपनी पुत्र वधु बरखा ओझा पत्नी स्व. श्री अरूण ओझा, पौत्र/पौत्री शिवम औझा व प्रियान्सी ओझा एवं पुत्र अनील ओझा व पुत्र वधु सविता ओझा व पौत्र/पौत्री पलक आझा, श्रेया औझा, श्रृद्धा ओझा एवं रूद्र ओझा जो कि मेरे व मेरी पत्नी के कहने में नहीं है तथा आये दिन मुझे व मेरी पत्नी को हेरान परेशान गाली गलोच व मारपीट करते है इसलिये मैं एवं मेरी पत्नी की समस्त चल अचल सम्पत्ति से इन्हें बैदखल करते है तथा समस्त रिश्ते-नाते को समाप्त करते है अगर कोई भी व्यक्ति इनसे लेन-देन व रिश्ता रखता है। तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा। सूचित रहे।
दिनांक-20.11.25 (मनोज कुमार शर्मा) एडवोकेट
मो. 9799426221

खोया पाया
दुकान नं. 29, सेक्टर-53, जोन-5, वीर तेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र नं. 582, 3 कैश स्लिप कब्जा पत्र 05.11.2009 राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा श्रीमती दीपाली साहनी को जारी है मिलने पर सूचित करें। मो.9828088194

बीएसएनएल ने दो हेल्प लाइन नम्बर शुरू किए

भरतपुर। सीईएसएल राजस्थान ने भरतपुर शहर के उपभोक्ताओं को और बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए दो और हेल्प लाइन नम्बर जारी किए हैं। इन नंबरों पर उपभोक्ता बिजली सम्बन्धी शिकायतें दर्ज करा सकते है। इसके अलावा कंपनी ने कॉल लाइनों की संख्या 50 और बढ़ाकर 250 कर दी है। सीईएससी राजस्थान के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी ने मौजूदा हेल्प लाइन नंबर 0141-3532000 के अलावा अब दो नए हेल्प लाइन नम्बर 1912 और 18003301912 भी जारी किए हैं। इन नंबरों पर उपभोक्ता सप्ताह में 24 घंटे किसी भी मोबाइल या लैंड लाइन नम्बर से बीएसएनएल के क्षेत्र से बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कर अपनी समस्याओं का समाधान पा सकते है। प्रवक्ता ने बताया कि '1912' नंबर पर आसानी कॉल की जा सकती है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि दो टॉल फ्री नंबर 18002001912 पहले से ही कार्यरत है। अब चार हेल्प लाइन नम्बर की सुविधा उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं को अपनी शिकायतें दर्ज कराने में आसानी हो सकेगी।

एनटीपीसी की पहल से स्कूल में विज्ञान शिक्षा को मिला नया आयाम

- मनोहरपुर के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नं.1 में शुरू हुई अत्याधुनिक प्रयोगशाला
- एनटीपीसी द्वारा उपलब्ध करवाए गए माइक्रोस्कोप, स्लाइड्स, मॉडल, माप-यंत्र और वैज्ञानिक उपकरणों से विद्यार्थी अब स्वयं प्रयोग कर विज्ञान की गहराई समझ सकेंगे

मनोहरपुर। छात्रों के लिए विज्ञान शिक्षा अब किताबों तक सीमित नहीं रहेगी। एनटीपीसी की शानदार पहल के तहत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नं.1 (अंग्रेजी माध्यम), मनोहरपुर में फिजिक्ल साइंस, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला का शुभारंभ किया गया। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्गत प्रदान की गई ये आधुनिक विज्ञान किटें अब छात्रों को प्रैक्टिकल विज्ञान से जोड़ने का नया मंच प्रदान करेंगी।

वही बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. महेंद्र पलसानिया, सोशल डेवलपमेंट एंड हेरिटेज एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन फाउंडेशन के निदेशक डॉ. शंकरलाल सैनी, इंजीनियर असरार अहमद, इंजीनियर नवीन निसार बारूदगर, समाजसेवी पुष्कर लाल सैनी सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ. पलसानिया ने बताया कि एनटीपीसी द्वारा उपलब्ध करवाए गए माइक्रोस्कोप, स्लाइड्स, मॉडल, माप-यंत्र और वैज्ञानिक उपकरणों से विद्यार्थी अब स्वयं प्रयोग कर विज्ञान की गहराई समझ सकेंगे। यह पहल बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, विश्लेषण क्षमता और समस्या-समाधान कौशल को मजबूत करेगी।

वही शिक्षकों ने बताया कि प्रयोगात्मक सामग्री उपलब्ध होने से छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि तेजी से बढ़ी है और उनकी अवधारणात्मक समझ पहले की तुलना में अधिक मजबूत हो रही है। उद्घाटन के दौरान फाउंडेशन के सदस्यों और विज्ञान शिक्षकों ने बच्चों को नए उपकरणों से कई रोचक प्रयोग भी करवाए। बड़ी संख्या में मौजूद विद्यार्थी, अभिभावक और स्थानीय समुदाय ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया। फाउंडेशन कराेगा नियमित मॉनिटरिंग ऐसे में कर विद्यालय प्रशासन ने बताया कि विज्ञान किट्स के सुरक्षित, नियमित और दीर्घकालिक उपयोग के लिए फाउंडेशन समय-समय पर मॉनिटरिंग और प्रभाव मूल्यांकन करेगा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पुष्प मालाएं पहनाकर सम्मान किया। वही सरकारी विद्यालय में विज्ञान शिक्षा का यह स्तर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होगा।

बीएलओ ने विभिन्न समस्याओं के संबंध में सौपा ज्ञापन

टोंक। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ शाखा टोंक ने निर्वाचन विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को आ रही विभिन्न समस्याओं के संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। संघ ने ज्ञापन में बताया कि मतदाताओं द्वारा कार्यक्रम में रुचि न लेने और असहयोग करने जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं तथा विवाहित महिलाओं की जानकारी भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। शिक्षकों ने शिकायत की है कि फील्ड में कार्यरत अधिकारी बीएलओ को अनावश्यक रूप से परेशान कर रहे हैं, कार्य करने के बावजूद 15-15 घंटे तक काम कराया जा रहा है। वर्तमान में प्रत्येक स्कूल से एक शिक्षक को बीएलओ के सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है। संघ ने बताया कि स्कूलों में पहले से ही शिक्षकों के पद रिक्त हैं, इसके साथ ही 20 नवंबर से अर्धवार्षिक परीक्षाएं भी शुरू हो गई है। इस स्थिति के कारण राज्य स्तरीय परीक्षाओं के सफल संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901853
क्रमांक : 4396 **आम जाहिर सूचना** दिनांक : 19.11.2025
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा आवास संख्या- 4/ठ/22 नाहरी का नाका, जयपुर, क्षेत्रफल 136.00 वर्ग गज का आवंटन श्री शिवदत्त पुरोहित पुत्र श्री श्रीकृष्ण पुरोहित को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1967 दिनांक 21.04.1976 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 3012 दिनांक 03.06.1976 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 17.06.1978 को करवाया गया। श्री शिवदत्त पुरोहित की मृत्यु दिनांक 12.11.2020 को हो जाने के कारण श्री सोमदत्त पुरोहित, श्री रामदत्त पुरोहित, श्री लक्ष्मी दत्त पुरोहित एवं श्रीमती गीता व्यास पुत्रान् व पुत्री स्व. श्री शिवदत्त पुरोहित के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति सजरा रिपोर्ट प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने संयुक्त नाम से करने का निवेदन किया गया है।
अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री सोमदत्त पुरोहित, श्री राम दत्त पुरोहित, श्री लक्ष्मी दत्त पुरोहित एवं श्रीमती गीता व्यास पुत्रान् व पुत्री स्व. श्री शिवदत्त पुरोहित के पक्ष में आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक
वृत तृतीय, रा.आ. मण्डल, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्रम-1 जयपुर जिला
राधाबाई विरूद्ध शिवनारायण वगै.
वाद बाबत- विभाजन, घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या-99/2019
बनाम-(1) शांति देवी पत्नी स्व. श्री शिवनारायण, (2) मुकेश शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री शिवनारायण निवासी-प्लॉट नंबर 391, 6-डी, इंजीनियरिंग कॉलोनी, मांग्यावास, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर। (3) नेहा पत्नी दीपक पुत्री स्व. श्री शिवनारायण निवासी-म.नं. 1780, बगरू वालों का रास्ता, चांदपोल, जयपुर।
वादी ने आपके विरूद्ध ...के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 12 सन् 2025 को दिन में 10.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 20 माह 11 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत
आज्ञा से-वरिष्ठ प्रस्तुतक
अपर सैशन जज क्रम-1
जयपुर जिला जयपुर

भाजपा की गंगा प्रवाह यात्रा 22 को आएगी, पोस्टर का विमोचन

अलवर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री व विधायक जितेंद्र कुमार गोठवाल ने बताया कि अखंडता व एकता के प्रतीक सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन और उनके योगदानों सहित राष्ट्र निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ सरदार पटेल @150 यूनिटी मार्च का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत राजस्थान में गंगा प्रवाह व यमुना प्रवाह यात्रा निकाली जाएगी।

गंगा प्रवाह यात्रा 22 नवंबर 2025 को दिल्ली से चलकर अलवर पहुंचेगी। इस यात्रा में युवा मोर्चा के 320 कार्यकर्ताओं का दल अलवर आएगा। अलवर में यात्रा के प्रवेश पर भगत सिंह सर्किल पर राजस्थानी संस्कृति व परंपरा अनुरूप स्वागत होगा। यात्रा का अलवर आने पर शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई कंपनी बाग स्थित शहीद स्मारक पहुंचेगी। यात्रा का रात्रि विश्राम शहर में होगा। इस दौरान पौधारोपण व सभा सहित अन्य कार्यक्रम होंगे। इस दौरान गंगा प्रवाह यात्रा के पोस्टर का विमोचन किया गया। इसके बाद यात्रा अलवर से कोटा व उदयपुर होते हुए गुजरात में प्रवेश करेगी। यात्रा में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार 26 नवंबर को जयपुर से यमुना प्रवाह यात्रा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य वरिष्ठ जनों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ की जाएगी।

गंगा प्रवाह यात्रा के पोस्टर का विमोचन किया।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने शुरू किया न्याय आपके द्वार अभियान

- तीन माह तक विशेष अभियान के तहत गांव-गांव में लगाएं जाएंगे शिविर
- अभियान के तहत बिना किसी खर्च के लोक अदालत के माध्यम से कराया जाएगा निराकरण

किशनगढ़ बास। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित न्याय आपके द्वार तीन माह के विशेष अभियान कार्यक्रम के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के अध्यक्ष बी एल बुगालिया व सचिव रणवीर सिंह के आदेशानुसार पीएलवी सूरजभान कछवाहा व पीएलवी गुलाब शर्मा ने किशनगढ़ बास के ग्राम टहटडा, खेडला, दादरहेडा व ग्राम नांगल मौजिया में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर डोर टू डोर समस्याओं को जाना व व्यक्तिगत एवं जन उपयोगी समस्याओं के आवेदन पत्र लिये। पीएलवी सूरजभान कछवाहा व गुलाब शर्मा ने बताया गुलाब को लोक उपयोगिताओं की समस्याओं के सुलभ एवं त्वरित समाधान को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के अध्यक्ष बी एल बुगालिया व सचिव रणवीर सिंह के आदेशानुसार किशनगढ बास क्षेत्र के ग्राम टहटडा, खेडला, दादरहेडा व ग्राम नांगल मौजिया में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया व गांव में डोर टू डोर लोगों से बातचीत कर समस्याओं को जाना। पीएलवी सूरजभान ने बताया कि इस दौरान शिविर में बिजली, पानी, स्वास्थ्य, परिवहन शैक्षणिक सहित अन्य समस्याओं का निराकरण अभियान के तहत बिना किसी खर्च के लोक अदालत के माध्यम से कराया जाएगा।

प्ररूप-10 (नियम 6(7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगरपालिका मण्डल, देवली (टोंक) राज.
क्रमांक-न.पा.दे./कृषि भूमि/2025-26/13516 दिनांक-20.11.2025
संशोधित लोक सूचना
एतद द्वारा यह कि इस कार्यालय के पत्रांक न.पा.दे./कृषि भूमि/2025-26/13479 दिनांक 11.11.2025 द्वारा जारी लोक सूचना में राजस्व ग्राम देवली गांव तह. देवली, जिला टोंक के खसरा सं. 6162/4147 के स्थान पर सहवन से 6142/4147 अंकित हो गया है, जिस 6162/4147 पढा जावें। शेष जानकारी पूर्ववत रहेगी।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज ...11.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका देवली

राजस्थान सरकार
राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर, कर भवन, टोडरमल मार्ग, अजमेर
निगरानी/स्टाम्प 91/2020/जोधपुर दिनांक-
उप पंजीयक प्रथम (जोधपुर) बनाम श्री वितराग बिल्डकॉम व अन्य में अप्रार्थी संख्या 2. अरूणिया वितराग प्रा.लि. जरिये निर्देशक श्रीमती ज्योति गर्ग पत्नी अनिल गुप्ता, जाति अग्रवाल निवासी सी-31 (ब्लॉक अशोक विहार, नई दिल्ली, 110032
अत उक्त वाद वास्ते बहस हेतु दिनांक 26.12.2025 एस.बी./डी.बी. के समक्ष नियत किया गया है। उक्त नियत तिथी को प्रात 10.00 बजे बैंच के समक्ष असालतन अथवा वकालतन उपस्थित रहे अन्यथा वाद की सुनवाई एकतरफा की जाकर पारित कर दिए जाएंगे।
रजिस्ट्रार
DIPR/C/17048/2025 राजस्थान कर बोर्ड, अजमेर

तीये की बैठक
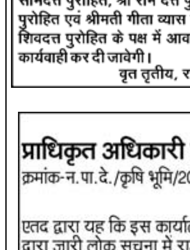
अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया माताजी
श्रीमती गेंदी देवी
धर्मपत्नी स्व. श्री मूलचन्दजी पटेल का स्वर्गवास दिनांक 19.11.2025 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 21.11.2025 शुक्रवार सायंकाल 3 से 4 बजे हमारे निज निवास ब्यासाला की ढाणी पानी की टंकी के पास, पीली की तलाई आमेर पर होगी।
शोकाकुल- ताराचन्द पटेल, हरीनारायण, गोपीचन्द (पुत्र), राकेश, प्रशान्त, अमित, नितिन (पौत्र), मितांश, क्रियांश, पार्थ (परपौत्र) एवं समस्त अजमेरी चौहान परिवार मो. 9928957002, 9314401037, 7792929499

शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य करने पर तीन बीएलओ सम्मानित

- बीएलओ दिनेश कुमार सैनी ने राज्य में सबसे पहले किया शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन, हरनेर (थानागाजी) बीएलओ कमलेश शर्मा से मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया संवाद

अलवर। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत अपने भाग के मतदाताओं के गणना प्रपत्रों (ईएफ) का डिजिटाइजेशन कार्य शत-प्रतिशत करने पर अलवर जिले के तीन बीएलओ को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने वर्चुअल एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने प्रशंसा पत्र एवं पेन ड्राइव भेंट कर सम्मानित किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया, जिसमें अलवर जिले के राजगढ़-लक्ष्मणगढ विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 68 (पुराना राजगढ) के बीएलओ दिनेश कुमार सैनी, कठूमर विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 128 (धीवडी) के बीएलओ मोती सिंह एवं थानागाजी विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 46 (हरनेर) के बीएलओ कमलेश शर्मा को सम्मानित किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से थानागाजी विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 46 (हरनेर) के बीएलओ कमलेश शर्मा संवाद कर उनके द्वारा शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य को सम्पादित करने के बारे में जानकारी ली, जिस पर कमलेश शर्मा ने बताया कि स्थानीय निवासी होने के साथ गांव के हर परिवार से उनके मधुर संबंध हैं, जिसके कारण केवल व्हाट्सएप ग्रुप एवं दूरभाष से दी गई सूचना से ही अधिकतर ग्रामीणों ने उनके पास आकर ईएफ फार्म के बारे में समझकर भरकर दिया तथा 4 नवम्बर से पूर्व ही एसआईआर की तैयारी प्रारम्भ कर दी थी।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बीएलओ को प्रशंसा पत्र एवं पेन ड्राइव भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी, प्रा० स्वा० केन्द्र खीदरपुर (तिजारा) खैरथल-तिजारा
क्रमांक :2025/102 **खुली निविदा सूचना** दिनांक-15/11/2025
सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ०स्वा०केन्द्र खीदरपुर (तिजारा) खैरथल- तिजारा द्वारा निम्न सेवायें उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि रू	निविदा शुल्क रूपये	बोली प्रपत्र प्राप्ती की अंतिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	बोली प्रपत्र खोलने की तिथि व समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	कम्प्यूटर ऑपरेटर मैन विद मशीन(MNDY संविदा।)	180000/-	3600.00/-	100/-	24.11.2025 12.00 PM	24.11.2025 1.00 PM	24.11.2025 2.00 PM
2	सफाई कार्य (24x7)	144000/-	2880.00/-		24.11.2025 12.00 PM	24.11.2025 1.00 PM	24.11.2025 2.00 PM
3	लेब टेक्निशियन (MNDY संविदा)	150000/-	3000.00/-		24.11.2025 12.00 PM	24.11.2025 1.00 PM	24.11.2025 2.00 PM

नियम एवं शर्ते-
1. निविदाएँ दोहरी बिड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमें अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छाया प्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैंकर्स चैक राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसाइटी, खीदरपुर के नाम से व तिजारा शाखा पर देय होगा। दूसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी। तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड खोली जावेगी।
2. प्राप्त निविदाएँ दिनांक 24.11.2025 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 24.11.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है। जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है।
4. अधिक जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।
सचिव राज मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी
प्राथ० स्वा० केन्द्र खीदरपुर, तिजारा

संक्षिप्त

नगर परिषद ने की अतिक्रमण पर प्रभावी कार्यवाही

कोटपुतली। नगर परिषद कोटपूतली द्वारा 15 दिवसीय सडक सुरक्षा अभियान के तहत गुरुवार को परिषद क्षेत्र के मुख्य मार्गो एवं फुटपाथों पर किये गये अवैध अतिक्रमण को अधिशाषी अभियंता, सहायक अग्निशमन अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता, सफाई निरीक्षक एवं नगर परिषद के अन्य कार्मिको द्वारा मैन चौराहा से लालचन्द मोरीजावाला धर्मशाला होते हुए पूतली कट तक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। एक्सईएन दीपक मीणा ने बताया कि मैन चौराहा से एलबीएस कॉलेज होते हुए पुतली कट तक के दुकानदारों और व्यापारियों से भविष्य में पुनः अतिक्रमण किये जाने पर जब्ती एवं शास्ति की कार्यवाही हेतु समझाईस की गई।

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

राजगढ़ । पर्यावरण जागरूकता विषय पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिला प्रकोष्ठ की सयोजिका रजनी मीणा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में निलाक्षी साहू प्रथम, तनीषा सैनी द्वितीय एवं कुमकुम हरिजन तृतीय स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अभिव्यक्ति क्षमता का विकास एवं पर्यावरण जागरूकता रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर पीएम मीणा ने की। निर्णायक मंडल में अशोक काकोड़िया, गिरधारी लाल मीणा एवं प्रोफेसर आंचल मीना रहे। रचना जैन ने सभी का आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन रजनी मीणा ने किया।

आवेदन 28 तक

कोटपुतली। जिला स्तर पर आयोजित की जाने वाली कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा के लिए पात्र कार्मिक 28 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने बताया कि 31 दिसंबर 2022 से पूर्व नियुक्त ऐसे मृतक आश्रित कर्मचारी, जिन्होंने अब तक टंकण गति परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है, उन्हें कार्मिक विभाग द्वारा दो अतिरिक्त अवसर प्रदान किए गए हैं।उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2022 के बाद नियुक्त वे कर्मचारी, जो जनवरी 2026 में प्रस्तावित टंकण गति परीक्षा के लिए अभी तक आवेदन नहीं कर पाए हैं, वे भी वेबसाइट से फार्म डाउनलोड कर सभी प्रविष्टियां पूर्ण करते हुए 28 नवंबर को शाम 5 बजे तक भेज दें।

अध्यक्ष मदन राठौड़ का स्वागत किया

दूदू । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का जयपुर अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामनगर पर संचालित एक निजी होटल में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया राठौर का पाली से जयपुर जाने के दौरान भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आशीष चोपड़ा के नेतृत्व में स्वागत किया गया इस दौरान युवा मोर्चा जिला मंत्री गिरिराज अहलावत रामचरण अहलावत अशोक चौधरी विश्राम जजुंदा सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वर्तमान में सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं अभियान एस ए आर में घर-घर जाकर मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास करें।

आरोपी गिरफ्तार

दूदू । पुलिस थाना क्षेत्र के अधीन केरिया बुजुर्ग गांव में स्थित बालाजी मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया पुलिस थाना निरीक्षक मुकेश कुमार खराडिया ने बताया कि 16 नवंबर की रात्रि को अज्ञात चोरों द्वारा बालाजी मंदिर में चोरी के प्रयास की रिपोर्ट पुजारी नाथूलाल वैष्णव ने दर्ज कराई दर्ज रिपोर्ट के बाद पुलिस ने प्रयास कर आरोपी जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू बेरवा निवासी रहलाणा को गिरफ्तार कर चोरी की वारदात करने के काम में लिए गए सरिया बरामद कर लिए पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

21 नवंबर को धरना प्रदर्शन

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय पर स्थित एक निजी होटल में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवाजी राम खुरडिया ने प्रेस वार्ताकार सरकार द्वारा कुछ कांग्रेस सरपंचों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही के विरोध में 21 नवंबर को दूदू में धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है खुरडिया ने बताया कि सरपंच संघ अध्यक्ष भंवरी देवी भाकर को पदमुक्त करने के मामले के साथ ही करीब 15 सरपंच जो कांग्रेसी विचारधारा के हैं के खिलाफ जान शुरू की जाकर प्रताड़ित किया जा रहा है ।

भरतपुर विकास प्राधिकरण टीम ने सात अवैध कॉलोनियों पर चलाया बुलडोजर

भरतपुर। भरतपुर विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को 7 अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया। भू-माफियाओं के द्वारा अवैध तरीके से कॉलोनियां काटी जा रही थी। कॉलोनियों के प्लॉट लोगों को बेचे जा रहे थे। जब बीडीए को इस बात का पता लगा तो, तुरंत टीम मौके पर पहुंची और, अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया।

बीडीए के तहसीलदार मनीष कुमार मीणा ने बताया कि भरतपुर विकास प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार में बहुत सारी अवैध कॉलोनियां बसाई जा रहीं हैं। इसके लिए हमने सार्वजनिक विज्ञिप्त जारी करते हुए नोटिस भी जारी किया था। 2 सप्ताह पहले भी अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई की गई थी।

फिर से अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। लोग बीडीए की अनुमति लेकर बाउंड्री बनाए या प्लॉट काटें। कुछ डवलपर बिना बीडीए की अनुमति के प्लॉटिंग का काम कर रहे हैं। उन प्लॉट को लोगों को बेचा जा रहा है। इसलिए कोई भी प्लॉट ख़रीदे उससे पहले यह चेक करे की उसका बीडीए से अप्रूव है या नहीं है।

टीम मौके पर पहुंचकर अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया।

- भू-माफियाओं के द्वारा अवैध तरीके से कॉलोनियां काटी जा रही थी। कॉलोनियों के प्लॉट लोगों को बेचे जा रहे थे, अवैध कॉलोनियां बसाई जा रहीं हैं

सभी डॉक्युमेंट्स देखकर ही जमीन खरीदनी चाहिए। ताकि आगे नुकसान न हो। आज घसोला गांव के पास 1, नगला सह गांव के पास 3, मड़ौली गांव के पास 2 और बरसो गांव के पास 1 अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की गई है। यहां पर बीडीए की बिना अनुमति के डवलपर लोगों को जमीन बेच रहे थे।

शिविर आयोजित

शाहपुरा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष अजीत कुमार हींगर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने न्याय आपके द्वार अभियान के अंतर्गत सरस्वती पी जी महिला महाविद्यालय में शिविर आयोजित किया।

इस शिविर की अध्यक्षता प्रिंसिपल राजेश्वरी भार्गव के द्वारा की गई। महिला उत्पीड़न समिति की अध्यक्ष उषा शर्मा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली की स्थापना 09 नवम्बर 1995 को हुई। इसे भारत के गरीब, पिछड़े कमजोर वर्ग, को मुफ्त कानूनी सहायता के लिए इसकी स्थापना की गई थी। 09 नवम्बर 2025 को 30 वर्ष होने पर इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं समस्याओं, के समाधान के लिए न्याय आपके द्वार अभियान चलाया गया है। आम नागरिकों की समस्याओं के निस्तारण के लिए फार्म भरवाने का कार्य ''राष्ट्रीय लोक अदालत'' की उपयोगिता को घर-घर पहुंचाया जावे।

मनोहरपुर की सकरी पुलिया पर बड़ा हादसा

मनोहरपुर । थाना क्षेत्र की सकरी पुलिया पर मंगलवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। तेज टर्न लेने के दौरान ट्रेलर में लोड भारी मशीनें अचानक चालक पर गिर गईं, जिससे उसके दोनों पैर गंभीर रूप से फ्रैक्चर हो गए।

इस्माइल खान पुत्र सुबराती खान, निवासी नसीराबाद, 18 नवंबर शाम करीब 7:30 बजे ट्रेलर लेकर भिवाड़ी से अजमेर की ओर जा रहा था। ट्रेलर में भारी मशीने भरी हुई थीं। मनोहरपुर की सकरी पुलिया पर मोड़ लेते समय ट्रेलर का संतुलन बिगड़ा और लदी हुई मशीनें सीधे चालक के ऊपर जा गिरीं।

सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लेते हुए की 1033 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस चालक रामू गुर्जर और ईएमटी आकाश शर्मा मौके पर देर किए बिना पहुंचे और गंभीर रूप से घायल चालक को प्राथमिक उपचार देकर निम्स अस्पताल भिजवाया।

48 साल से रामलीला का मंचन पर कला मंच के पास अपना मैदान नहीं

किशनगढ़ बास। विजयदशमी पर एक बार फिर कला मंच को 20 लाख रुपए की सौगात घोषणा के रूप में मिली है। इससे एक साल पहले आज के दिन ही विधायक दीपचंद खेरिया ने कला मंच को 5 लाख रुपए विधायक निधि से दिए जाने के लिए घोषणा की थी ओर इससे पहले यहां से दो बार विधायक रह चुके पूर्व विधायक रामहेत यादव घोषणा कर चुके हैं परन्तु अभी तक कला मंच को घोषणा की राशि नहीं मिल पाई है। लेकिन इस बार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में की गई घोषणा को लेकर कला मंच के लोग पूरी तरह उम्मीद लगाए हैं कि घोषणा जल्दी पूरी होगी।

इस बार विजयदशमी पर पूर्व विधायक रामहेत यादव ने सांसद व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में नगर पालिका कोष से दिलाने के लिए की है। पर इस बीच कलां मंच के लोग कह रहे की 20 लाख का करें क्या रामलीला का मंचन करने के लिए मैदान तो है भी नहीं। कला मंच के सदस्यों को इस राशि का आवंटन होने की उम्मीद इस लिए भी है कि पूर्व विधायक यादव की घोषणा पर सांसद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी अपनी सहमति दी है।

अब बड़ा सवाल यह है कि कला मंच इस मिलने वाली राशि से निर्माण कहा और क्या कराऐगा यह सवाल कलां मंच के लोग खुद ही कर रहे हैं।चूंकि कलां मंच के पास तो अपना एक जर्जर भवन है जिसमें वह कलाकारों के वेश भूषा और सामान रखते हैं। शहर में रामलीला मंचन को शुरू हुए दो साल बाद 2027 में 50 साल पूरे होने पर कला मंच सिल्वर जुबली मनाने जा रहा है पर विडंबना की बात कलां मंच के लिए यह है कि

- कला मंच के लोगों की परेशानी विजयदशमी पर रावण दहन के दौरान खुश करने के लिए घोषणा तो की जाती है पर पूरी अभी तक किसी ने नहीं की है

अभी तक उनके पास रामलीला करने के लिए खुद का अपना मैदान भी नहीं है जहां वह अधिकार के साथ रामलीला कर सकें।

शहर में रामलीला की शुरुआत 1977 में उपखंड कार्यालय के सामने सरकारी स्कूल में आदर्श कला मंडल ने की। रामलीला में उस दौरान राम का अभिनय देवेन्द्र तिवाड़ी ने 1977 में किया और 2001 तक किया। अब कला मंच के संरक्षक हैं। रावण का दहन प्रारम्भ से ही सरकारी स्कूल के खेल मैदान पर विजयदशमी के दिन रावण दहन किया जा रहा है। यह स्कूल मैदान शहर में दशहरा मैदान के नाम से भी पहचान बनाए हुए है।

संस्था के अध्यक्ष रहे नुरेश वशिष्ठ ने बताते हैं कि 2001 से 2008 के बीच करीब 4 साल रामलीला का मंचन शहर में नहीं हुआ बाद में 2008 में हनुमान प्रसाद यादव की ओर से आर्थिक सहयोग किये जाने पर कला मंच के नाम से संस्था का गठन कर शहर में रामलीला का मंचन फिर से शुरू किया गया। इस दौरान सरकारी स्कूल प्रशासन की ओर से जगह देने से इंकार कर दिया गया तो रामलीला का मंचन प्राइवेट किशनगढ़ पीजी कॉलेज के मैदान में किया गया।

पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी का आयोजन

कोटपूतली। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई द्वारा गुरूवार को जिले के पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान एसपी ने पुलिस अधिकारियों को जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने, जिले में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण रखने, सर्द ऋतु में सम्पति संबंधी अपराधों की घटनायें बढ़ने की

- एसपी ने जनता के साथ मधुर व्यवहार कर नियमित परिवादियों को सुनकर उनकी समस्याओं का उचित निराकरण किये जाने के निर्देश दिये

सम्भावना को देखते हुये क्षेत्र में प्रभावी गश्त एवं नकाबंदी करने, संपति संबंधी अपराधों में वारदात का खुलासा कर बरामदगी करने, हिरासत में मृत्यु की घटनाओं के संबंध में थानों में सीसीटीवी कैमरों का रिकॉर्ड व फुटेज रखने, डयूटी के दौरान कर्मचारियों की मृत्यु के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने, अवैध बांग्लादेशियों का सत्यापन कर निकासी की कार्यवाही करने, लेन सिस्टम को प्रभावी रूप से बनाये रखने के लिये कार्यवाही करने, जमीन संबंधी विवादों में आवश्यक इंसदादी कार्यवाही की जाने, पेंडिंग प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कर पेंडेंसी नियंत्रित करने, अवैध शराब तस्कर, ड्रग्स माफियाओं, हथियार माफियाओं के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने, नवीन आपराधिक कानूनों के संबंध में प्रभावी कार्यवाही करने, लोकल एवं स्पेशल एक्ट में अधिकाधिक कार्यवाही करने, स्थाई वारन्टी, पी.ओ., भगोड़ों को गिरफ्तार करने, हार्डकोर अपराधियों पर निगरानी रखने, जनता के साथ मधुर व्यवहार कर नियमित परिवादियों को सुनकर उनकी समस्याओं का उचित निराकरण किये जाने के निर्देश दिये।

बैठक में एएसपी कोटपूतली नाजिम अली व वैभव शर्मा, एएसपी नीमराणा शालिनी राज, डीएसपी कोटपूतली राजेन्द्र बुरडक, डीएसपी बहरोड़ सचिन शर्मा, बानसूर डीएसपी मेघा गोयल समेत जिले के समस्त थानाधिकारी, चौकी प्रभारी, रीडर, प्रभारी डीएसटी, डीएसबी, एजीटीएफ, एमओबी, साईबर, डीटीसी, एसटीटी आदि मौजूद रहें।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने जिले के पुलिस अधिकारियों की अपराध गोष्ठी को संबोधित किया।

अस्पताल के नवीन भवन के लिए 2 साल से निःशुल्क भूमि का इंतजार

सांभरझील। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उप जिला अस्पताल का दर्जा मिले करीब दो साल से अधिक का अरसा बीत चुका है लेकिन यहां के सत्ता और विपक्ष के नेताओं की नींद नहीं टूटने के कारण उप जिला अस्पताल को नवीन भवन निर्माण हेतु निशुल्क भूमि आवंटन का मामला अटका हुआ पड़ा है। पूर्ववर्ती सरकार के मुखिया अशोक गहलोत की ओर से क्षेत्र की प्रबल मांग को ध्यान में रखते हुए यह सौगात दी गई थी। बताया जा रहा है कि जिला कलेक्टर जयपुर की तरफ से अस्पताल प्रशासन को भी इसके लिए भूमि आवंटन हेतु स्थानीय प्रशासन से पत्राचार कर विधिवत प्रक्रिया अपनाने के लिए निर्देश भी दिए गए है।

जानकारी में आया कि अस्पताल प्रशासन की ओर से उपखंड अधिकारी को भी दो दफा भूमि आवंटन जो करीब 12 बीघा भूमि की जरूरत है के लिए लिखा गया जिसके लिए एसडीम ने इस हेतु तहसीलदार को पत्र भेजा और तहसीलदार ने पटवारी को पत्र लिखकर 12 बीघा भूमि का पता लगाने के लिए निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि पटवारी ने तलाश करके दिया की विभाग के अधीन पृथक से 12 बीघा भूमि नहीं है। अब अस्पताल प्रशासन ने इसके लिए दो दफा नगर पालिका के अधिशासी

- 11.15 बीघा भूमि मिले तो बने सांभर उप जिला अस्पताल

अधिकारी को भी पत्र लिखा लेकिन उनकी तरफ से एक साल बीत जाने के बाद भी भूमि उपलब्धता की सुनिश्चितता नहीं की जा रही है। जब तक नवीन भवन निर्माण का रास्ता क्लियर नहीं होगा तब तक अस्पताल प्रशासन को 12 बीघा भूमि आवंटन नहीं होगी। भूमि आवंटन के पश्चात ही सरकार बजट निर्धारित करेगी। समय रहते अगर ऐसा नहीं हुआ तो इतनी बड़ी सौगात विधायक और पूर्व विधायक व लोकल नेताओं की अनदेखी, के कारण हाथ से फिसल जाएगी । इस हेतु प्रदेश की सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कृत संकल्प है, केंद्र भी चाहता है कि लोगों को बेहतर चिकित्सा मुहैया उपलब्ध हो लेकिन लोकल लीडरशिप का बोझ उठाएं यहां के नेताओं की प्रभावशाली कार्य प्रणाली के अभाव में अनेक सुविधाओं से यहां का अस्पताल मोहताज बना हुआ है। भूमि आवंटन कराना दूर सरकार जो सोनोग्राफी की मशीन उपलब्ध करवाना चाहती है उसके लिए भी कोई प्रयास राजनीति स्तर पर होते दिखाई नहीं दे रहे हैं।

'बीएलओ चुनाव प्रक्रिया की रीढ, उनकी प्रतिबद्धता से होगा एसआईआर पूरा'

भरतपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने गुरूवार को वीसी के माध्यम से मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की जिलेवार प्रगति की समीक्षा कर श्रेष्ठ कार्य करने वाले एआरओ एवं शत-प्रतिशत कार्य पूरा करने वाले बीएलओ से संवाद किया। वर्चुअल समारोह में जिला निर्वाचन

- निर्वाचन आयोग ने शत-प्रतिशत कार्य पूरा करने वाले बीएलओ किये सम्मानित

अधिकारी कमर चौधरी ने बीएलओ को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिले के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी वैर एवं बयाना द्वारा राज्य स्तरीय लक्ष्य से अधिक कार्य गुणवत्ता के साथ अद्यतन करने पर सराहना की तथा सभी अधिकारियों को टीमभावना से कार्य करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए जिला स्तर पर बनाये गई कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीमभावना के साथ सभी अधिकारी व कार्मिक निर्वाचन आयोग दिशा-निर्देशानुसार कार्य कर एसआइआर के उत्तरदायित्व पूरे कर रहे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र वैर के भाग संख्या 48 में तैनात बीएलओ केसर देव गुप्ता को मतदाताओं के गणना प्रपत्र का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन करने, कार्य के प्रति उनकी सतर्कता, मेहनत, लगन एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के बीएलओ भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किए गए।

इनमें विधानसभा क्षेत्र भरतपुर के भाग संख्या 59 के बीएलओ चन्दन सिंह, विधानसभा क्षेत्र वैर के भाग संख्या 50 के बीएलओ प्रदीप कुमार धाकड़, विधानसभा क्षेत्र नदबई के भाग संख्या 200 के बीएलओ मूलचंद शर्मा तथा विधानसभा क्षेत्र बयाना के भाग संख्या 40 के बीएलओ रोहिताश कुमार शामिल हैं। इन सभी बीएलओ ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं के गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी एवं जिम्मेदारीपूर्वक पूरा किया। सभी बीएलओ ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के संबंध में अनुभवों को साझा करते हुये सुझाव दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि वैर से बीएलओ केसर देव गुप्ता एवं बयाना से बीएलओ रोहिताश कुमार को राज्य स्तर पर भी चुनाव आयोग द्वारा सम्मानित किया जाना है, जो जिले के लिए गौरव की बात है।

मुनेश गठाला का सब इंस्पेक्टर बनने पर स्वागत

पावटा। ग्राम पंचायत बड़नगर के अवधपुरी निवासी मनीष गठाला पुत्र शीशराम गठाला का बीएसएफ में सब इंस्पेक्टर बनने पर स्वागत सत्कार किया गया । ज्ञात रहे की मनीष गठाला एक साधारण गरीब एवं किसान परिवार का बेटा होकर प्रतिस्पर्धा के इस युग में संघर्ष करके इस मुकाम तक पहुंचा है । संघर्ष की गाथा को अखाड़ा परिषद पावटा में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों द्वारा स्वागत सत्कार कर मनीष का अभिनंदन किया गया । कृषि मंडी पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश गठाला के नेतृत्व में माला एवं साफा पहनाकर मनीष को सम्मानित किया । पानी पेड़ प्रकृति बचाओ अभियान संयोजक, नंगे पैर यात्री एवं जल प्रहरी दीप सिंह शेखावत ने कहा कि मनीष गठाला ने गरीब परिवार में जन्म लेकर बड़नगर ग्राम पंचायत का नाम रोशन करते हुए देश सेवा में जाने का उदाहरण पेश किया है । सुरेश गठाला एवं पूर्व प्रधानाचार्य शंभू दयाल गढ़वाल ने कहा कि सत्ताईसा क्षेत्र से हर वर्ष प्रतिभाओं का क्षेत्रों में जाकर नाम रोशन करना इलाके की पहचान बन चुकी है।

सार-समाचार

जोधपुरिया मन्दिर के दानपात्रों में राशि की गणना 24 नवम्बर का

टोंक। देवस्थान विभाग अजमेर के सहायक आयुक्त ने सार्वजनिक प्रन्यास देवनारायण मंदिर ट्रस्ट जोधपुरिया में दैनिक कार्य को सुचारु रुप से सम्पादित करने के लिए उपखंड अधिकारी निवाई को प्रतिनिधि नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत उपखंड अधिकारी निवाई प्रीति मीना ने बताया कि मंदिर में होने वाले भण्डारे में यात्रियों का भोजन, पानी, विद्युत बिल एवं अन्य व्यवस्थाओं में होने वाले खर्च के भुगतान को सुचारु रुप से संपादित करने के लिए मंदिर के दान पात्रों से खर्च राशि जुटाई जानी है। इसी के तहत दान पात्रों को पूर्ण पारदर्शिता के साथ खुलवाया जाकर प्राप्त राशि को प्रन्यास के बैंक खाते में जमा किया जायेगा। एसडीएम ने बताया कि दानपात्र खुलवाने के लिए प्रशासनिक दल का गठन किया गया है। इसमें पंचायत समिति की विकास अधिकारी राजेश्वरी यादव को अध्यक्ष, नायब तहसीलदार निवाई रामकेश मीना व नायब तहसीलदार दतवास छीतर लाल मीना एवं सहायक कोषाधिकारी निवाई जयनारायण बैरवा को सदस्य नियुक्त किया गया है। गठित दल सोमवार, 24 नवम्बर को सार्वजनिक प्रन्यास देवनारायण मंदिर जोधपुरिया में उपस्थित होकर भेंट व दानपात्रों को खुलवाकर प्राप्त राशि की पूर्ण पारदर्शिता से गणना करवाकर प्रन्यास के बैंक खाते में जमा करवाना सुनिश्चित करेगें। इस पूरी प्रक्रिया कि विडियोग्राफी भी की जायेगीं।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के जस्टाना गांव तिराहे पर सड़क मार्ग पैदल पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से स्थानीय निवासी 23 वर्षीय युवक लेखराज महावर की दर्दनाक मौत हो गई, सूचना पाकर बौंली थाना पुलिस मौके पर पहुंची एवं बौंली चिकित्सालय में लाकर मृतक का पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।परिजनों ने बताया कि युवक किसी काम को लेकर घर से बाहर गया हुआ था, इसी दौरान जस्टाना तिराहे पर सड़क मार्ग पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, परिजन उसका घर पर इंतजार कर रहे थे इसी दौरान उसकी सड़क दुर्घटना की जानकारी मिली। अज्ञात वाहन चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोरा सागर बांध की नहरों में पानी खोला

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के मोरा सागर बांध की मोरी को गुरुवार को खोलकर तीनों नेहरों में सिंचाई के लिए पानी छोड़ दिया गया है। बामनवास उपखंड के करीब 27 गांव की 29हजार496 बीघा भूमि को सिंचाई करने के लिए गुरुवार को करीब 1:30 पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अरुण कुमार शर्मा, सहायक अभियंता कमलेश मीणा, कनिष्ठ अभियंता मनोज मीणा व जल वितरण समिति के अध्यक्ष प्यारेलाल मीणा सहित किसानों ने मोरा सागर बांध पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना के बाद मोरी को खोला, जिससे तीनो नेहरों में पानी पहुंचेगा। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस समय बांध में करीब 18.6 फीट पानी है इसकी नेहरों के द्वारा 106 किलोमीटर क्षेत्र के 27 गांव की करीब 29हजार496 बीघा फसलों के लिए सिंचाई हो सकेगी। रबि सीजन की गेहूं, सरसों, चना व जो आदि फसलों के लिए यह उपयोगी रहेगी।

दो विधार्थियों को बहुराष्ट्रीय कम्पनी में मिली नियुक्ति

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पी. जी. महाविद्यालय के दो विधार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट के तहत बहु राष्ट्रीय कम्पनी में नियुक्ति प्राप्त हुई है। प्राचार्य प्रो. आर.के. सिंह ने बताया कि 10 नवम्बर को कच्छ गुजरात की कम्पनी मैंगो बायोडिग्रेडेबल प्रा.लि. ने महाविद्यालय में आकर कैम्पस प्लेसमेंट हेतु 54 विधार्थियों का साक्षात्कार लिया था। जिसमें से चार विधार्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया और अंतिम रूप से दो विधार्थियों राहुल गोयल व सौरभ पारीक का चयन किया गया। महाविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट एंड कैरियर काउंसलिंग सैल के संयोजक प्रो. शीशराम यादव ने चयनित विधार्थियों को बधाई देते हुये कहा कि महाविद्यालय में समय समय पर कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में महाविद्यालय की प्रतिभायें देश विदेश की विभिन्न कम्पनियों में चयनित होती हैं। प्राचार्य ने कैंपस प्लेसमेंट एंड कैरियर काउंसलिंग सैल, एनसीसी, एनएसएस व रोवर रेंजर्स के प्रभारियों व संकाय सदस्यों को कैम्पस प्लेसमेंट के सफल आयोजन हेतु धन्यवाद दिया।

जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ के गठन की अधिसूचना जारी

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 (1994 का अधिनियम संख्या 13) की धारा-11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ का गठन किया गया हैं। जिसको लेकर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के शासन सचिव डॉ. जोगा राम द्वारा बुधवार को जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ के गठन की अधिसूचना जारी की गई हैं। अधिसूचना के अनुसार नवगठित जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ का क्षेत्राधिकार नगर निगम/नगर परिषद/नगर पालिका (नगरीय क्षेत्र) को छोड़कर समस्त क्षेत्र रहेगा तथा जिला परिषद जयपुर व अलवर के वर्तमान क्षेत्राधिकार से वह क्षेत्र पृथक रहेगा जो क्षेत्र नवगठित जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ के क्षेत्राधिकार में सम्मिलित है। जिला परिषद जयपुर व अलवर वर्तमान स्वरूप में उस तारीख से ही विद्यमान नहीं रहेगी और कार्य करना बन्द कर देगी जब नवीन जिला परिषद कोटपूतली-बहरोड़ एवं पुनर्गठित जिला परिषद जयपुर व अलवर का कार्यकाल प्रारम्भ होगा। उल्लेखनीय है कि राज्य के राजस्व विभाग की अधिसूचना द्वारा पूर्व में जयपुर व अलवर जिलों का पुनर्गठन किया जाकर नवीन जिले कोटपूतली-बहरोड़ का गठन किया गया था।

जैन नसियां में चोरी का असफल प्रयास

फुलेरा। जोबनेर रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नसियां में बीती रात अज्ञात चोर द्वारा चोरी का असफल प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात करीब 2 बजे चोर ने पहले लाइट और सीसीटीवी कैमरे को तोड़ दिया। इसके बाद उसने मंदिर के मुख्य दरवाजे पर लगे ताले को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सेंट्रल लॉक नहीं खोल पाने और संभवतः लोगों के जाग जाने के कारण वह मौके से भाग गया। गौरतलब है कि नसियां जी के दक्षिण दिशा में लगे दूसरे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई है। जैन समाज के निलेश जैन, विमल काला, कैलाश बैनाडा और महेश रावंका ने बताया कि गुरुवार सुबह पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे भक्तों ने टूटफूट देखकर तुरंत समाज के पदाधिकारियों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्र कुमार ने तुरंत पुलिस टीम को मौके पर भेजकर मौका-मुआयना कराया। इसके अलावा जयपुर से पहुंची एमओबी टीम के गौरीशंकर एवं गोविंद सिंह ने सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

प्रोफेसर विनिता यादव ने पीएचडी की उपाधि हासिल की

अलवर। कॉमर्स कॉलेज अलवर में एसोशिएट प्रोफेसर विनिता यादव ने राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि अपने अथक प्रयास से प्राप्त की है। विनिता यादव ने विश्वविद्यालय के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अरूण शर्मा के निर्देशन में कन्जयूमर प्रोटेक्शन ट्रेड्स ऑनलाइन मार्केटेंग एण्ड शोपिंग ऑफ गुड्स सर्विस विषय पर अपने शोध पत्र तैयार कर प्रस्तुत किया, जिस पर विनिता यादव को विश्वविद्यालय में एक साधारण समारोह में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। विनिता यादव आर्थिक मामलों में गहन समझ रखती है। इन्होंने कॉमर्स के दो अलग-अलग विषयों में एम.ए. की डिग्री कर रखी है तथा वर्तमान में कॉमर्स कॉलेज अलवर में एसोशिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति के विशिष्ट सलाहकार बने डॉ कुलदीप प्रसाद शर्मा

शाहपुरा। नेपाल में नेपाल सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति न्यायमूर्ति परमानंद झा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समरसता मंच के मुख्य सलाहकार डॉ कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ईस्ट वेस्ट लॉ फर्म को अपना विशिष्ट सलाहकार का नियुक्ति पत्र दिया। साथ में भारत के प्रसिद्ध कानून विद डॉ हुकुमचंद गणेशिया है।जानकारी के अनुसार विशिष्ट सलाहकार नियुक्ति की सूचना भारत सरकार व नेपाल सरकार को प्रथम उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा भिजवाई गई है।

कज़ाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच था। रिंग में यह एक शानदार अनुभव था... अगला हमारा आखिरी मैच है जिसमें हम सभी बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। - जैस्मीन लाम्बोरिया

भारतीय मुक्केबाज, खिताबी मुकाबले को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

दीक्षा डागर

भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने गुरुवार को जापान के टोक्यो में 25वें समर डेफलंपिक्स में अपना गोल्ड मेडल बचाकर इतिहास रच दिया। दीक्षा ने टोक्यो के पार-72 वाकासु गोल्फ लिंक्स में 68, 65, 72 के राउंड खेले और महिलाओं की इंडिविजुअल स्ट्रोकप्ले कॉम्पिटिशन में 14-स्ट्रोक के बड़े अंतर से पोडियम पर टॉप किया। मैं डेफलंपिक्स में लगातार दो गोल्ड मेडल जीतकर बहुत खुश हूं। हर साल कॉम्पिटिशन मुश्किल होता जा रहा है। मुझे 20 अलग-अलग देशों की लड़कियों के खिलाफ मुकाबला करना था। मैं अपने प्लान पर टिकी रही।

क्या आप जानते हैं ?... 2018-19 और 2021-22 के बाद ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो बार टेस्ट सीरीज़ जीती है।

प्रखर असावा ने इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स नेशनल गोल्फ चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया

जयपुर, 20 नवम्बर। इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स ओपन नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप 2025, जो 18 से 21 नवंबर 2025 तक डिगबोई गोल्फ क्लब में हो रही है, उसमें कुछ टॉप इंडियन प्रोफेशनल्स हिस्सा ले रहे हैं, जैसे मणि राम, अर्जुन प्रसाद, शंकर दास, युवराज संधू, विराज मडप्पा, रोहन धोले पाटिल वगैरह। इस फील्ड में जाने-माने विदेशी नामों में इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल थे, जैसे एन थंगाराजा / जमाल हुसैन, बादल हुसैन, स्टीफन दानेक, ग्रेग स्नो वगैरह। डिगबोई गोल्फ क्लब को भारत के सबसे अच्छे और सबसे मुश्किल गोल्फ कोर्स में से एक माना जाता है। इसमें दस पार 4, चार पार 5 और चार पार 3 हैं। यह 18-होल वाला पार - 72 कोर्स है जिसकी लंबाई 6396 यार्ड है, जिसमें सबसे लंबा होल 513 यार्ड और सबसे छोटा होल 127 यार्ड का है। यह असम में देहिंग पटकाई पहाड़ों के बैकग्राउंड में बना है। तीसरे दिन बहुत तेज़ हवाएँ चलीं, पिन की मुश्किल पोज़िशन और मुश्किल रफ़ थे, जिससे यह गोल्फ़ कोर्स मुश्किल हो गया और ग्रीन्स को पढ़ना भी मुश्किल हो गया। आज तीसरे दिन, जयपुर के रामबाग़ गोल्फ़ क्लब के प्रखर असावा ने 6 बर्डी, एक ईगल और 11 पार के साथ 6 अंडर पार का शानदार राउंड खेला और 3 दिनों में 213 के कुल स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे। प्रखर 213 के कुल स्कोर के साथ 14वें स्थान पर हैं, यानी 3 अंडर पार जयपुर के इस लड़के का शानदार प्रदर्शन है। आज का 6 अंडर पार का राउंड बहुत लंबे समय में रामबाग़ गोल्फ़ क्लब के किसी भी गोल्फ़र का सबसे अच्छा और शानदार प्रदर्शन है। युवराज सिंह संधू 200 के कुल स्कोर के साथ इस फील्ड में सबसे आगे हैं।

दूसरा जयपुर चेस क्लब रेपिड टूर्नामेंड 2025 का पोस्टर विमोचन सम्पन्न

जयपुर, 20 नवंबर। आगामी दूसरा जयपुर चेस क्लब रेपिड टूर्नामेंट 2025 का पोस्टर का भव्य समारोह में विधिवत विमोचन अरुण चतुर्वेदी, अध्यक्ष - वित्त आयोग, राजस्थान के कर-कमलों से हुआ । जिनेश कुमार जैन टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर ने बताया कि यह टूर्नामेंट 23 नवंबर 2025 (रविवार), नव भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्वेज फ्रॉम, जयपुर में आयोजित होगी । प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर चेस क्लब द्वारा किया जा रहा है, जो जेडीसीए के तत्वावधान में तथा जयपुर चेस अकादमी के सहयोग से सम्पन्न होगी। इस प्रतिष्ठित रैपिड चेस टूर्नामेंट में कुल 25,000 के नकद पुरस्कार, 31 ट्रॉफियाँ व मेडल, तथा विभिन्न आयु वर्गों के लिए आकर्षक कैटेगरी प्राइज भी निर्धारित किए गए हैं। विक्रम सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयपुर जिला चेस एसोसिएशन ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पंजीकरण शुल्क पर 50 की विशेष छूट दी जाएगी। यह कदम आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर भाजपा मानसरोवर मंडल मंत्री सुनील जैन गंगवाल एवं लोकेश सोगानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के अंत में जिनेश कुमार जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता जयपुर के उभरते शतरंज खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी।

तमिलनाडु ने राजस्थान को 2-0 से हराया

जयपुर, 20 नवम्बर। जुनियर बालिका वर्ग राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता टियर 1 में जो कि आंध्रप्रदेश के अनंतपुरारम में आयोजित हो रही है। जिसमें आज राजस्थान का दूसरा लीग मैच तमिलनाडु के साथ खेला गया। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की पिछले साल की सेमीफाइनल खेली टीम तमिलनाडु ने शुरुआत से ही अच्छा खेल का प्रदर्शन किया पर राजस्थान के मजबूत डिफेंस ने गोल नहीं होने दिया । मैच के 40 वे मिनट में तमिलनाडु टीम की ओर से जर्सी नंबर 8 एस दर्शनी, ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। मध्यांतर के बाद 55वे मिनटमें अंविता, ने गोल कर स्कोर 2- 0 तमिलनाडु टीम को बढ़त दिला दी । दूसरे हाफ में राजस्थान की टीम ने कई जवाबी हमले किए परन्तु राजस्थान टीम गोल नहीं कर सकी । अब राजस्थान का अंतिम अगला लीग मैच आंध्रप्रदेश से 22 नवंबर को होगा ।

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे, पंत उनकी जगह कप्तान होंगे

गुवाहाटी, 20 नवम्बर। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह, बीसीसीआई ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गुरुवार को, जब ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला कि गिल मैच नहीं खेल पाएंगे, तो भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, "वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं।" "अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।

"अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।" गिल के रिप्लेसमेंट के बारे में सोचते समय भारत के लिए एक चिंता यह है कि उनकी टीम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज़्यादा है। कोलकाता में उनकी में छह खिलाड़ी थे - टॉप आठ में पांच - और साई सुदर्शन और पडिक्कल, जो लाइन-अप में आने की कोशिश कर रहे थे, वे भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। भारत की लाइन-अप में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज़्यादा होने से कोलकाता में प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को काफी फायदा हुआ।

कोटक ने कहा कि ऑफ स्पिनर बनाम बाएं हाथ के बल्लेबाज के मैच पर बहुत ज़्यादा ध्यान दिया गया, और बताया कि दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज को भी खिलाया, जिससे भारत की लाइन-अप को फायदा होना चाहिए था।

मैच से दो दिन पहले इंडिया के ज़रूरी प्रैक्टिस सेशन से कुछ इशारा मिला कि गिल की जगह कौन आ सकता है। नेट्स में बैटिंग करने आए पहले चार बैटर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर और ध्रुव जुरेल थे। पहले तीन कोलकाता में इंडिया के टॉप तीन थे, और जुरेल ने गिल की गैरमौजूदगी में दूसरी इनिंग्स में नंबर 4 पर बैटिंग की थी। साई सुदर्शन अगले नेट्स में थे। इस बीच, पडिक्कल ने नेट्स सेशन के शुरुआती हिस्से में बैटिंग नहीं की, लेकिन स्पिनर्स के नेट में पार्ट-टाइम ऑफस्पिन बॉलिंग करते दिखे।

सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर रेड्डी, जिन्हें कोलकाता में स्क्वॉड से रिलीज कर दिया गया था ताकि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंडिया ए की लिमिटेड-ओवर्स सीरीज में खेल सकें, ट्रेनिंग में वापस आ गए, और साथ में बॉलिंग की। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप फास्ट बॉलर्स के नेट में। अक्षर ने शुरू में बॉलिंग नहीं की, और सेशन शुरू होने के लगभग 45 मिनट बाद ही अपने टीम के साथियों के साथ शामिल हुए।

इनमें से कोई भी बात जरूरी नहीं कि भारत के संभावित सिलेक्शन की ओर इशारा करती हो। खिलाड़ियों ने मैच से पहले, वे किस तरह की ट्रेनिंग करते हैं और कितनी करते हैं, इस बारे में उनकी अपनी पसंद होती है।

लेकिन शनिवार को कोलकाता की उम्मीद से ज़्यादा बैलेंस्ड पिच होने की वजह से, भारत को शायद चौथे स्पिन बॉलर और दूसरे लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर की जरूरत महसूस न हो। अगर साई सुदर्शन गिल की जगह लेते हैं, तो अक्षर की जगह रेड्डी के आने से भारत को कोलकाता में मौजूद लेफ्ट और राइट-हैंड बैटर का वही बैलेंस बनाए रखने में मदद मिलेगी। टेस्ट से दो दिन पहले पिच पर अच्छी-खासी घास होने की वजह से, इस बात की संभावना है कि रेड्डी बॉल के साथ भी एक काम का ऑप्शन हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया को पहला एशेज टेस्ट नियमित कप्तान पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड के बिना ही खेलना पड़ेगा

पर्थ, 20 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट शुक्रवार से खेला जाएगा। दोनों ही टीमें चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही हैं। जहां ऑस्ट्रेलिया को यह मैच नियमित कप्तान पैट कमिंस और जॉश हेजलवुड के बिना ही खेलना पड़ेगा तो वहीं इंग्लैड केवल दूसरी बार जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड के साथ कोई टेस्ट मैच खेलेगा। इस मैच में स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते दिखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया दो 31 वर्षीय खिलाड़ियो को डेब्यू करने का मौक़ा दे रहा है जिसमें ओपनिंग बल्लेबाज जेक वेदरॉल्ड भी शामिल हैं जो पिछले सीजन की शेफ़ील्ड शील्ड में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ रहे थे। उनके अलावा तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट भी अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे। 2019 के बाद यह पहला मौक़ा होगा जब एक ही टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया दो खिलाड़ियों का डेब्यू कराएगा। मार्नस लाबुशेन की भी प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई है जिन्हें वेस्टइंडीज के ख़िलाफ़ पिछली सीरीज के दौरान अतिरिक्त बल्लेबाज के रूप में रखा गया था। बो वेब्स्टर इस मैच में नहीं खेलेंगे और उनकी जगह लेकर कैमरन ग्रीन छह नंबर पर बल्लेबाजी करते दिखेंगे।

स्कॉट बोलैंड के साथ अब डॉगेट भी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन रहे हैं जिससे एक नया इतिहास बनेगा। डॉगेट ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेलने वाले तीसरे मूलनिवासी खिलाड़ी बनेंगे। पहली बार ऐसा होगा जब ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट प्लेइंग इलेवन में दो मूलनिवासी खेलते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया: 1 जेक वेदरॉल्ड, 2 उस्मान ख़्वाजा, 3 मार्नस लाबुशेन, 4 स्टीवन स्मिथ (कप्तान), 5 ट्रैविस हेड, 6 कैमरन ग्रीन, 7 एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), 8 मिशेल स्टार्क, 9 नाथन लियोन, 10 स्कॉट बोलैंड, 11 ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड ने बुधवार को 12 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसमें शोएब बशीर के बाहर होने की संभावना है। मार्क वुड को खेलने की अनुमति मिल गई है। यह फरवरी की चैंपियंस ट्रॉफ़ी के बाद उनका पहला मैच होगा और पिछले अगस्त के बाद पहला टेस्ट। ओली पोप, जिन्होंने भारत के ख़िलाफ इंग्लैंड के पिछले टेस्ट में कप्तानी की थी को उप-कप्तान पद से हटाकर हैरी ब्रूक को यह ज़िम्मेदारी दी गई है।

इंग्लैंड (संभावित): 1 जैक क्रॉली, 2 बेन डकेट, 3 ओली पोप, 4 जो रूट, 5 हैरी ब्रूक, 6 बेन स्टोक्स (कप्तान), 7 जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), 8 ब्राइडन कार्स, 9 गस एटकिंसन, 10 मार्क वुड, 11 जोफ्रा आर्चर। पर्थ में टेस्ट से पहले मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रहा है और पूरे मैच के दौरान ऐसा ही रहने की उम्मीद है, जहां तापमान अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। बीच-बीच में हल्की बारिश की भी संभावना है। इंग्लैंड के करीब 10,000 प्रशंसक पहले टेस्ट के लिए पर्थ में मौजूद हैं, और पूरी सीरीज के दौरान 40,000 से अधिक दर्शकों के आने की उम्मीद है।

मीनाक्षी, प्रीति का वर्ल्ड कप में गोल्डन पंच, भारत के नाम दो स्वर्ण पदक

ग्रेटर नोएडा, 20 नवंबर। भारत की महिलाओं ने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में देश के लिएउस समय एक ऐतिहासिक दिन बनाया, जब मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने स्वर्ण पदक जीते। उनकी जीत कई खास डिवीजन में हुई जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे, जहां बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है और जो लॉस एंजेलिस की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है।

उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी रजत पदक जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा। सेशन 7 में सात और भारतीय स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे, जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं।

मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क आक्रामकता दिखाई। वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ बहुत तेज एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के जरिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा।

प्रीति ने एक और जबरदस्त 5:0 का परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी पर लगातार दबाव बनाया। उन्होंने चर्राबी को बार-बार कोनों में धकेला, ज़ोरदार फेस पंच मारे और बेहतर फुटवर्क और लगातार अटैकिंग बर्स्ट से टेम्पो तय किया। अरुंधति चौधरी (पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन) ने दिन का सबसे कम्प्लीट परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने उज़्बेकिस्तान की अज़ीज़ा ज़ोकिरोवा को 5:0 से हराया। 18 महीने बाद वापसी करते हुए, उन्होंने तेज़ अटैक और अनुशासित डिफेंस का मिक्सचर किया, डिसाइसिव जैब से खूब स्कोर किया और तीनों राउंड में पूरा टैक्टिकल कंट्रोल बनाए रखा। स्वर्ण पदक की बढ़त तब जारी रही जब नूपुर ने एक टेंशन भरे, टैक्टिकल मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3:2 से हराया।

डीपी वर्ल्ड ने उभरते स्टार अभिषेक शर्मा को ब्रांड एंबेसडर बनाया

नई दिल्ली, 20 नवंबर। ग्लोबल स्मार्ट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के लीडिंग प्रोवाइडर डीपी वर्ल्ड ने भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस घोषणा के साथ वह क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर और ग्लोबल गोल्फ स्टार टॉमी फ्लीटवुड के साथ डीपी वर्ल्ड के बढ़ते स्पोर्ट्स पोर्टफोलियो में तीसरे एंबेसडर बन गए हैं। अभिषेक ने डीपी विश्व एशिया कप 2025 के एक टी-20 एडिशन में सबसे ज़्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा, उन्होंने सात पारियों में 314 रन बनाए, और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। अभिषेक आईसीसी पुरुष अंतरराष्ट्रीय टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए हैं, और अब तक की सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल की है।

इस अवसर पर डीपी वर्ल्ड के मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अफ्रीका और इंडिया सबकॉन्टिनेंट के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर रिजवान सूमर ने कहा, "हमें अभिषेक शर्मा का डीपी वर्ल्ड परिवार में हमारे नए ब्रांड एंबेसडर के तौर पर स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह हमारे स्पोर्टिंग चैंपियंस के सर्कल में एक शानदार चरण है। डीपी वर्ल्ड में, हमारे ब्रांड का मकसद "जो मुमकिन है उसे बदलना" है। हम उनका हौसला बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं और इस शानदार सफर में उनकी लगातार सफलता की कामना करते हैं।"

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

केण्डलविक की जीत में रौनक का ऑलराउंड प्रदर्शन, सार्थक की उम्दा गेंदबाजी

जयपुर, 20 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में रौनक सैनी 61 रन (22 गेंद, 8 छक्के, 1 चौका) व 26 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा सार्थक त्यागी 19 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत कृष्णा क्रिकेट एकेडमी को 12 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आयूष आमेरिया 27 रन, दक्षण कासलीवाल 29 रन व उज्जवल 17 रन की मदद से स्कोर 15 ओवर में 5 विकेट पर 84 रन थे लेकिन निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुये रौनक सैनी ने 22 गेंदों में ही 61 रन की आतिशी पारी खेलकर अपनी टीम का स्कोर 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन पंहुचा दिया। गेंदबाजी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी की ओर से अनामिक 22 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। जबकि सौरव, श्रेष्ठ पंत व राहुल शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ने अपने पहले 3 विकेट मात्र 25 रन पर गवा दिये लेकिन मध्यक्रम में सौरव बद्री 48 रन, अनामिक 30 रन, जितेन्द्र यादव 20 रन, राहुल शर्मा 13 रन ने अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया लेकिन केण्डलविक के गेंदबाजों सार्थक त्यागी 4 ओवर में 19 रन पर 3 विकेट, पूरव शर्मा 4 ओवर में 23 रन पर 2 विकेट, हिमांक झालानी 24 रन पर 2 विकेट तथा रौनक सैनी 26 रन पर 2 विकेट ने बिल्कुल कसी हुई गेंदबाजी करते हुए कृष्णा क्रिकेट एकेडमी को निर्धारित 20 ओवर में 144 रन 9 विकेट खोकर पर सीमित करते हुए 12 रन पर मैच जीत लिया। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच रौनक सैनी केण्डलविक क्रिकेट एकेडमी रहे।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य और आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय-श्रीकांत हुए बाहर

सिडनी, 20 नवंबर। भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

मुशफिकुर और लिटन के शतक, आयरलैंड के 98/5 विकेट

मीरपुर, 20 नवंबर। मुशफिकुर रहीम (106) और लिटन कुमार दास (128) की शतकीय पारियों के दम पर बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में 476 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद बल्लेबाजी कर रही आयरलैंड के स्टंप के समय तक 98 रन पर पांच विकेट झटकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बंगलादेश ने कल के 294 पर चार विकेट से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने वाले मुशफिकुर रहीम आउट हुये। उन्होंने 214 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 106 रन बनाये। उन्हें मैथ्यू हम्फ्रीज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मेहदी हसन मिराज ने लिटन दास के साथ छठे विकेट के लिए 123 रन जोड़े। गेविन होए ने मेहदी हसन मिराज को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। बंगलादेश का सातवां विकेट दूसरे शतक वीर लिटन कुमार दास के रूप में गिरा। लिटन कुमार दास ने 192 गेंदों में आठ चौके और चार छक्कों की मदद से 128 रनों की पारी खेली। तैजुल इस्लाम (चार), हसन मुराद 11 रन बनाकर आउट हुये । 142वें ओवर की पहली गेंद पर एंडी मैकब्राइन ने खलील अहमद (आठ) को आउटकर 476 के स्कोर पर बंगलादेश की पहली पारी का अंत कर दिया। आयरलैंड के लिए एंडी मैकब्राइन ने छह विकेट लिये। मैथ्यू हम्फ्रीज और गेविन होए को दो-दो विकेट मिले।

फीफा रैंकिंग में स्पेन शीर्ष पर

जिनेवा, 20 नवंबर। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) की ओर जारी की ताजा विश्व रैंकिंग में स्पेन 1877.18 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। ताजा रैंकिंग के अनुसार इस दौरान कुल 149 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए, जिसमें 74 मैत्री मैच शामिल हैं। रैंकिंग में अर्जेंटीना 1873.33 अंक के साथ दूसरे , फ्रांस 1870 अंक के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1834.12 अंक के साथ चौथे स्थान पर बना हुआ है। ब्राजील को दो स्थान का फायदा हुआ है वह 1760.46 अंक के साथ दो पायदान चढ़कर पांचवें स्थान पर आ गया, जबकि पुर्तगाल 1760.38 अंक छठे और नीदरलैंड्स 1756.27 अंक सातवें स्थान पर आ गये। नॉर्वे से 4-1 से हारने के बाद इटली शीर्ष 10 से नीचे गिरकर 1702.06 अंक के साथ 12वें स्थान पर खिसक गया।

23 खेलों में लगभग 5000 खिलाड़ी भाग लेंगे

खो-खो को डेमोंस्ट्रेशन खेल के रूप में किया शामिल

जयपुर, 20 नवंबर। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा युवाओं को खेलों के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने की दृष्टि से विष्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की सौगात दी और आज राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन खेलों से निकले खिलाड़ी ही देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

इन गेम्स में 24 खेलों का आयोजन होगा, जिसमें खो-खो को डेमोंस्ट्रेषन खेल के रूप में शामिल किया गया है। इन खेलों में लगभग 5000 खिलाड़ी भाग लेंगे। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् डा. नीरज के.पवन ने बताया कि इन खेलों का आयोजन सातों संभागों में किया जा रहा है। जयपुर संभाग में एथलेटिक्स, बेडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, निषानेबाजी, मल्लखम्भ और साईक्लिंग खेलों का आयोजन किया जायेगा। सवाई मानसिंह स्टेडियम में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस और साईक्लिंग, जबकि राजस्थान विश्वविद्यालय में मल्लखम्भ, पूर्णिमा विष्वविद्यालय में फुटबॉल, जगतपुरा शूटिंग रेंज में तीरंदाजी व शूटिंग की स्पद्र्धायें होंगीं। उन्होंने बताया कि जयपुर में बैडमिंटन, तीरंदाजी व शूटिंग 24 से 28 नवंबर तक, तैराकी, फुटबॉल, हॉकी व रोड साईक्लिंग 25 से 28 नवंबर तक, ट्रैक साईक्लिंग 28 से 30 नवंबर तक, टेनिस 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक,एथलेटिक्स 1 से 4 दिसंबर तक, बास्केटबॉल 1 से 5 दिसंबर तक और मल्लखंभ का आयोजन 2 से 5 दिसंबर तक किया जावेगा। डा. नीरज के पवन ने बताया कि अजमेर संभाग में 26 व 28 नवंबर को रग्बी का आयोजन होगा, जबकि डेमन्स्ट्रेशन खेल के रूप में खो-खो की स्पर्धा होंगी।

केएससीए ने चुनाव टालने का फैसला रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

बेंगलुरु, 20 नवंबर। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के चुनाव कानूनी पचड़े में पड़ गए हैं, एसोसिएशन ने 30 नवंबर को होने वाले चुनावों को टालने के फैसले को चुनौती देने के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम एसोसिएशन के नियमों और पदाधिकारियों के लिए योग्यता के नियमों की व्याख्या को लेकर विवादों के बीच उठाया गया है, जिससे चुनावी प्रक्रिया के संचालन और कानूनी मान्यता पर सवाल उठ रहे हैं। मंगलवार को दायर एक रिट याचिका में, केएससीए ने चुनाव अधिकारी द्वारा जारी 17 नवंबर के उस पत्र को रद्द करने की मांग की है, जिसने चुनाव टाल दिए थे, और कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह उन्हें पहले से घोषित चुनाव कैलेंडर के अनुसार आगे बढ़ने का निर्देश दे।

जयपुर और चूंडा टीमें जीती, पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल किये

जयपुर, 20 नवम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड परचूंडा पोलो ओर थंडरबोल्ट पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमेंचूंडा पोलो टीम ने थंडरबोल्ट टीम को 4.5 के मुकाबले 7 गोल से हराया। चूंडा टीम की ओर सेशुभम गुप्ता ओर विशाल सिंह ने 1- 1, फ्रेडेनिक डेनियल ने 2 ओर विराम देव सिंह ने भी अपनी टीम के लिए 3 गोल किये। डेढ़ गोल का एडवांटेज लेकर खेल रही थंडरबोल्टपोलो टीम की ओर से मृत्युंजय सिंह एवं एलेन माइकल ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किए। दूसरा मैच पीपीसी पोलो ग्राउंड परजयपुर पोलो ओर कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमेंजयपुर पोलो टीम ने कानोता टीम को 5 के मुकाबले 9 गोल से हराया। जयपुर टीम की ओर सेलांस वाटसन ने 3 गोल ओर महाराज पद्मनाभ सिंह ने भी अपनी टीम के लिए 6 गोल किये। कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह एवं डीनो धनखड़ ने अपनी टीम के लिए 1- 1 गोल किए, हुर्रे अली ने 3 गोल किये।

भजनलाल पटना में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए

बिहार/जयपुर, 20 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को बिहार के पटना में स्थित गांधी मैदान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बिहार के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री एवं अन्य सदस्यों को मंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार विकसित बिहार के निर्माण में संकल्पित होकर कार्य करेगी तथा बिहार में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। समारोह में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचन्द बैरवा तथा विधायक कुलदीप धनखड़ सहित, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। चित्र में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उनके साथ मंच पर उपस्थित थे।

'हमारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीडिया संस्थान को दबाने की कोशिश बताया। संपादक प्रबोध जमवाल और अनुराधा भसीन ने सोशल मीडिया पर जारी किये गये एक संयुक्त बयान में कहा कि "जम्मू कार्यालय पर छापे और हमारे खिलाफ निराधार आरोप एक बार फिर हमें चुप कराने की कोशिश हैं।"

उन्होंने कहा कि 1954 में वेद भसीन द्वारा स्थापित कश्मीर टाइम्स ने हमेशा स्वतंत्र पत्रकारिता को बनाए रखा है। "हमने इस क्षेत्र की सफलताओं और विफलताओं दोनों को समान मेहनत से दर्ज किया है। हमने उन समुदायों को आवाज़ दी है, जिनकी आवाज़ अनसुनी रह जाती है। जब दूसरे चुप रहे, तब हमने कठिन सवाल पूछे।"

संपादकों ने कहा कि भले ही 2021-22 में "लगातार एवं निर्मम रुप से निशाना बनाए जाने" के बाद, अख़बार का प्रिंट संस्करण बंद कर दिया गया था, लेकिन कश्मीर टाइम्स अब भी डिजिटल रूप से काम कर रहा है और उसका सारा काम उसकी वेबसाइट पर सबके लिये उपलब्ध है।

प. बंगाल में वामपंथी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नंदीग्राम में कार फैक्ट्री के लिए ज़मीन अधिग्रहण के खिलाफ उग्र आंदोलन करके उस जमे हुए सिस्टम को हिला दिया था।

जब वे सत्ता में आईं उन्हें पता था कि सिस्टम को कैसे मोड़ना है और गलत मतदाता सूचियों व वोटिंग में हेराफेरी के ज़रिये चुनावी जीत कैसे हासिल करनी है। अपने पहले कार्यकाल और 2019 के लोकसभा चुनाव में लगे तगड़े झटके के बाद, उन्होंने एक ऐसा संरक्षण तंत्र खड़ा किया, जो पूरे बंगाल के सामाजिक-राजनीतिक ढांचे में फैला हुआ है।

तृणमूल के ज़मीनी कार्यकर्ता आसानी से पहचाने जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनका पूरा विवरण मिल जाता है। वे अक्सर बहुत पतली सोने की चेन और दाहिने हाथ में वैसा ही सोने का ब्रेसलैट पहनते हैं। बीच के स्तर के नेताओं के पास कई नई एसयूवी हैं और निचले स्तर के कार्यकर्ताओं के पास चमचमाती मोटरबाइकें।

वे तेज़ी से गाड़ी चलाते हैं और अक्सर मामूली सी बात पर भी अपनी कार से आम लोगों पर हमला कर देते हैं। हाल में न्यू टाउन इलाके में कार लेकर जा रहे आम लोगों पर, कार का स्पर्श करते हुये गुजरने पर भी, इसी तरह के हमले हुए, यहां तक कि उन लोगों को उनके अपने गेटेड परिसर के अंदर तक पीटा गया। कई मायनों में, आम लोग, जो सत्ता पक्ष से जुड़े नहीं हैं, डर के माहौल में जी रहे हैं।

यही लोग बूथ पर कब्जा करते हैं, फर्जी वोट डालते हैं और, आम तौर से, यह सुनिश्चित करते हैं कि विपक्ष के पक्ष में वोट पड़ ही न सके। नतीजतन, तृणमूल उम्मीदवार अक्सर रिकॉर्ड मतों से जीतते हैं। उदाहरण के लिए, ममता बनर्जी के मशहूर भतीजे ने देश में सबसे बड़े अंतर से जीत का रिकॉर्ड बनाया था।

बंगाल में लोग वास्तव में स्वतंत्र रूप से वोट डाल ही नहीं पाते, क्योंकि हर जगह तृणमूल के गुंडों का खतरा रहता है।

इसके अलावा, मृतक मतदाता सत्ताधारी पार्टी के लिए बड़ी मदद हैं। ऐसे मृत मतदाताओं के आंकड़ों को लेकर कई अनौपचारिक अनुमान और आँकड़े सामने आते रहते हैं। कुछ अनुमान बताते हैं कि लगभग 40 लाख मृत लोगों के नाम अभी भी जीवित मतदाता सूची में मौजूद हैं।

साथ ही, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए भी इस पूरे रैकेट का हिस्सा हैं। पहले लैफ्ट फ्रंट के शासनकाल में इन्हें राज्य में घुसने में मदद दी जाती थी। तब ममता खुद इन अवैध प्रवासियों की कड़ी विरोधी थीं और संसद में यह मुद्दा कई बार उठाया था।

लेकिन सत्ता में आने के बाद, उन्होंने इसी साधन को और परिष्कृत रुप देकर, इन अवैध प्रवासियों को अपना प्रमुख एवं बड़ा वोट बैंक बना लिया। देशभर की रिपोर्टें बताती हैं कि पकड़े गए अधिकतर अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के पास पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कुछ इलाकों में बने आधार और वोटर कार्ड पाए जाते हैं। नवीनतम अनौपचारिक रिपोर्टों से पता चलता है कि इन लोगों में डर फैल गया है। न्यू टाउन क्षेत्र, जहाँ पहली बार आने वाले अवैध प्रवासियों की संख्या ज्यादा रहती है, वहां बहुत सी झोपड़ियां और कमरे तालाबंद मिले हैं और उनमें रहने वाले लोग वापस बांग्लादेश लौट गए हैं। मुसलमान एसआईआर प्रक्रिया के सबसे बड़े विरोधी रहे हैं और एक समय ममता ने वादा किया था कि वे इस प्रक्रिया को रोक देंगी। अब वही लोग ममता के खिलाफ हो रहे हैं क्योंकि वे इसे रोकने में नाकाम रही हैं।

इसी वजह से ममता अब एसआईआर प्रक्रिया को ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की मौतों के लिए जिम्मेदार ठहरा रही हैं। वे इस प्रक्रिया को आगे बढ़ने से रोकने के नए तरीके खोज रही हैं। हो सकता है कि इस प्रक्रिया को बीच में रोकने के लिए वे किसी बड़े पैमाने की कानून-व्यवस्था की गड़बड़ी को भी बढ़ावा दे दें।

डॉ. उमर उन नबी धुरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैंडलर्स से टेलीग्राम पर आए निर्देशों के अनुसार, बम बनाने की कोशिश करते थे। उन्होंने अपने नैटवर्क के स्टॉक में अमोनियम नाइट्रेट, जो एक शक्तिशाली विस्फोटक सामग्री है, को कई जगह जमा कर रखा था। अधिकारियों ने फरीदाबाद में लगभग 2,900 किलो अमोनियम नाइट्रेट, डेटोनेटर, टाइमर और अन्य सामग्री बरामद करने का दावा किया है।

जांच में मिली सीसीटीवी फुटेज से एक सुराग मिला है: हुंडई आई-20 को दिल्ली ले जाने से पहले अल-फलाह मैडिकल कॉलेज के परिसर में 11 दिनों तक पार्क किया गया था। पुलिस का आरोप है कि उसके बाद उमर ने, शायद अपने साथियों की गिरफ्तारी और उस पर बढ़ते दबाव में हताश होकर यह हमला करने का फैसला लिया। एक अधिकारी के अनुसार, "उसने यह सब प्लान किया और अपने दोस्तों के अरैस्ट होने के बाद इसे अंजाम दे दिया।

एन.आई.ए. और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने आधिकारिक रूप से उमर उन-नबी को रेड फोर्ट ब्लास्ट का मुख्य संदिग्ध बताया है और इस घटना को आतंकी हमला घोषित किया है। हालांकि कई महत्वपूर्ण बातें, जैसे कि उन पर किस स्तर तक नियंत्रण था, जे.ई.एम. हैंडलर्स से उन्हें कितना सीधा निर्देश मिला और क्या वे वास्तव में आत्मघाती हमलावर थे, अब भी जांच के दायरे में हैं।

जांचकर्ताओं का यह भी कहना है कि जिस डिवाइस में धमाका हुआ, वह संभवत: उन्हीं सामग्रियों से बनाया गया था, जो फरीदाबाद से बरामद हुई थीं। इससे एक जुड़े हुए टैरर नेटवर्क की कड़ियां और मजबूत होती हैं। अभी सुरक्षा एजेंसियां मॉड्यूल की फंडिंग, उसके ऑपरेशन की पहुंच और पूरी लॉजिस्टिक श्रृंखला की जांच कर रही हैं। एक अधिकारी के अनुसार, "यह घटना उसी घटनाक्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी थी, जिससे एक बड़े आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ।"

अगर आरोप प्रमाणित होते हैं, तो उमर का मामला भारत के पेशेवर डॉक्टर वर्ग में कट्टरपंथी होने के सबसे गंभीर उदाहरणों में से एक होगा। एक कथित टैरर लॉजिस्टिक्स नैटवर्क में मैडिकल प्रैक्टिशनर्स का शामिल होना इस बारे में बड़े मुश्किल सवाल खड़े करता है कि कैसे एक्स्ट्रीमिस्ट आइडियोलॉजी बहुत पढ़े लिखे, दिखने में सर्विस ओरिएन्टेड कम्युनिटीज़ में घुस सकती है। नई दिल्ली की एजेंसियों के सामने चुनौती न सिर्फ अदालत में टिकने वाला मजबूत मामला बनाने की है, बल्कि उन्हें यह भी तय करना है कि भविष्य में ऐसे वाइट-कॉलर आतंकी मॉड्यूल को कैसे पहचाना और रोका जाए। दुनिया की निगाहें अब इस बात पर हैं कि जांचकर्ता डॉ. उमर उन-नबी की पूरी कहानी को कैसे जोड़ते हैं।

'पढ़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजू ने कहा कि अब डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होना एक ट्रेंड बन गया है। उन्होंने शरजील इमाम के कथित भड़काऊ भाषणों के वीडियो कोर्ट में दिखाये। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए भी दिखाया गया।

बिहार में आजमाये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीतीश कुमार के पारंपरिक समर्थन का अति महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भाजपा की उत्तर प्रदेश रणनीति इसी जनसांख्यिकी (डैमोग्राफी) पर टिकी हुई है। यूपी में कुर्मी वोटरों की संख्या बिहार की तुलना में लगभग दोगुनी है, और कई जिलों में यह समुदाय, दूसरे ओबीसी और ईबीसी समुदायों के साथ, पारंपरिक रूप से समाजवादी पार्टी के साथ जुड़ा रहा है।

अब भगवा पार्टी का मकसद यही है कि बिहार वाले जातीय संतुलन और अभीष्ट पहुंच (टार्गेटेड आउटरीच) को यूपी में दोहराकर इस वोट आधार में सेंध लगाई जाए। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व यूपी में एक ताकतवर ओबीसी चेहरे को संभावित मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में आगे लाने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इस संभावना को इन रिपोर्टों से और बल मिलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह मौजूदा यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामकाज से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं।

भाजपा के लिए बिहार से मिली सीख स्पष्ट है: जातीय गणित, खासकर कुर्मी और व्यापक ओबीसी समर्थन की एकजुटता राजनीतिक परिणामों को पूरी तरह बदल सकती है। जैसे-जैसे 2027 के यूपी चुनाव की उलटी गिनती शुरू होती है, पार्टी अपने "बिहार में खरे उतरे" फ़ॉर्मूले को यूपी में लागू करके एक व्यापक सामाजिक गठजोड़ बनाने के लिए कटिबद्ध दिखाई दे रही है, जो उसे एक निर्णायक जनादेश दिला सके।

पंजाब पुलिस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को अंजाम दे सकते थे। पंजाब पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के दो आतंकवादियों का एनकाउंटर किया गया है जिसमें दो आतंकी घायल हैं। घायल हुए आतंकियों को पकड़ लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

'राज्यपाल अनिश्चित काल तक विधानसभा से पारित विधेयक नहीं रोक सकते'

नयी दिल्ली, 20 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने एक अहम संवैधानिक फैसले में गुरुवार को कहा कि राज्य के राज्यपाल राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयक को अनिश्चित काल तक नहीं रोक सकते। न्यायालय ने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि वह संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपालों को मंज़ूरी देने या न देने के लिए ज़रूरी समयसीमा तय नहीं कर सकता लेकिन राज्यपाल अनिश्चित काल तक किसी भी विधेयक को नहीं रोक सकते। हालांकि इसमें स्पष्ट किया गया है कि लंबे समय तक, बिना किसी वजह के मंजूरी नहीं दिये जाने के मामलों में न्यायालय विधेयक की प्राथमिकता की जांच किए बिना एक निश्चित अवधि में फैसला करने का निर्देश देते हुए एक सीमित परमादेश रिट जारी कर सकते हैं।

थरूर ने अपनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्स पर एक पोस्ट में थरूर ने प्रधानमंत्री के मंगलवार के भाषण की तारीफ करते हुए लिखा कि "यह आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक प्रेरणा, दोनों का मिश्रण था, जो राष्ट्र को प्रगति के लिए बेचैन रहने का आ ान करता है।" यह प्रशंसा सामान्य लग सकती थी, अगर प्रधानमंत्री ने उसी भाषण में यह बात भी न कही होती कि "10-15 साल पहले कांग्रेस में घुसे शहरी नक्सल और माओवादी ताकतों ने कांग्रेस को मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस बना दिया था, जिसने अब राष्ट्रीय हितों को छोड़कर अपने स्वार्थ के लिए देश के हितों को छोड़ दिया है।" प्रधानमंत्री ने यह भी कहा: "आज माओवादी मुस्लिम कांग्रेस देश की एकता के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है।" कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने थरूर की टिप्पणियों से दूरी बनाते हुए कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के भाषण में कोई प्रशंसनीय बात नहीं लगी। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने थरूर को पाखंडी बताते हुए कहा कि अगर उन्हें प्रधानमंत्री इतने योग्य लगते हैं, तो वे भाजपा में क्यों नहीं शामिल हो जाते? सी.पी.एम. के सांसद जॉन ब्रिट्टास ने भी थरूर पर जमकर हमला किया। उधर भाजपा इस विवाद का फ़ायदा उठाने में लगी है। पार्टी नेता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को "इंदिरा नाज़ी कांग्रेस" कहा और पार्टी पर थरूर के खिलाफ एक और फ़तवा जारी करने का आरोप लगाया।

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नड्डा, चिराग पासवान और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-एनडीए के कई अन्य शीर्ष नेता उपस्थित थे।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कुमार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908